राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 जसप्रीत बुमराह का करियर खा रहा गेंदबाज सिराज रोहित-द्रविड़.....

भारत को 2047 तक ऊर्जा के मामले में स्वतंत्रा देश, वित्त मंत्री..... 10

वर्ष : 14 | अंक : 76 | नई दिल्ली, गुरूवार, 28 जुलाई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

पीएमओ ने मेरा पूर्व निर्धारित संबोधन कार्यक्रम हटाया : मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

नई दिल्ली, एजेंसी

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सीकर वाले कार्यक्रम में उनका पूर्व निर्धारित संबोधन कार्यक्रम हटा दिया है। वहीं, पीएमओ के अनुसार गहलोत को इस कार्यक्रम के लिए विधिवत आमंत्रित किया गया था लेकिन मुख्यमंत्री का र्यालय ने सूचित किया कि वे इसमें शामिल नहीं हो पाएंगे। मोदी बृहस्पतिवार को सीकर के कस्बे में एक कार्यक्रम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। वे 1.25 लाख पीएम किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) राष्ट्र को समर्पित करेंगे। गहलोत ने बृहस्पतिवार सुबह ट्वीट किया, "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, आज आप राजस्थान पधार रहे हैं। आपके कार्यालय पीएमओ ने मेरा पूर्व निर्धारित तीन मिनट का संबोधन कार्यक्रम हटा दिया है, इसलिए मैं भाषण के माध्यम से आपका स्वागत नहीं कर सकूंगा अत मैं इस ट्वीट के माध्यम से आपका राजस्थान में तहेदिल से स्वागत करता हूं।" प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसके जवाब में ट्वीट किया, "श्री अशोक गहलोत जी, प्रोटोकॉल के अनुसार, आपको विधिवत आमंत्रित किया गया था और आपका भाषण भी निर्धारित था। लेकिन, आपके कार्यालय ने कहा कि आप शामिल नहीं हो पाएंगे।" इसमें लिखा गया, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछली राजस्थान यात्राओं में भी आपको हमेशा आमंत्रित किया जाता रहा है और आपने अपनी उपस्थिति से उन कार्यक्रमों की शोभा भी बढ़ाई है। आज के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आपका हार्दिक स्वागत है। विकास कार्यों की पट्टिका पर भी आपका नाम है। अगर

आपको हाल में लगी चोट के कारण कोई शारीरिक परेशानी न हो, आपकी उपस्थिति अति महत्वपूर्ण होगी।" इससे पहले गहलोत ने कहा था कि वह कार्यक्रम में अपने भाषण के माध्यम से जो मांग रखने वाले थे उन्हें अब इस ट्वीट के माध्यम से रख रहे हैं और उम्मीद है कि मोदी छह महीने में अपनी इस सातवीं राजस्थान यात्रा के दौरान इन्हें पूरा करेंगे। गहलोत ने पहली मांग में कहा है कि राजस्थान खासकर शेखावटी के युवाओं की मांग पर 'अग्निवीर योजना' को वापस लेकर सेना में स्थायी भर्ती पूर्ववत जारी रखी जाए। उन्होंने दूसरी मांग में कहा है कि राज्य सरकार ने अपने अंतर्गत आने वाले सभी सहकारी बैंकों से 21 लाख किसानों के 15,000 करोड़ रुपये के कर्ज माफ किए हैं। हमने केन्द्र सरकार को राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्ज माफ करने के लिए 'वन टाइम सेटलमेंट' का प्रस्ताव भेजा है जिसमें किसानों का हिस्सा हम देंगे। इस मांग को पूरा किया जाए। जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाते हुए गहलोत ने कहा है कि राजस्थान विधानसभा ने जातिगत जनगणना के लिए संकल्प पारित कर भेजा है। केन्द्र सरकार इस पर अविलंब निर्णय ले। उन्होंने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना का दर्जा देने की भी मांग की है। प्रधानमंत्री सीकर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्र को 1.25 लाख प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) समर्पित करेंगे। साथ ही वे "यूरिया गोल्ड" की भी शुरूआत करेंगे। वे राजस्था न उदयपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और डूंगरपुर जिलों में स्थित छह एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान वे केन्द्रीय विद्यालय तिवरी, जोधपुर का भी उद्घाटन करेंगे।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,525
चांदी	76,500
संसेक्स	66,267
निफ्टी	19,660

संक्षिप्त खबरें

'इंडिया' के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल 29-30 जुलाई को मणिपुर का दौरा करेगा

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल आगामी 29 और 30 जुलाई को हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा करेगा। लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने बताया कि विपक्षी दलों के 20 से अधिक सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताहांत मणिपुर का दौरा कर हालात का जायजा लेगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में मणिपुर का दौरा किया था। विपक्षी दल संसद में मणिपुर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान और चर्चा की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर संसद में जारी गतिरोध के बीच बुधवार को लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिस पर सदन में चर्चा के लिए मंजूरी दे दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सभी दलों के नेताओं से बातचीत करने के बाद इस प्रस्ताव पर चर्चा के लिए तिथि तय करेंगे।

हमारे तीसरे टर्म में दुनिया की पहली तीन अर्थव्यवस्थाओं में एक नाम भारत का होगा, ये मोदी की गारंटी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि हमारे तीसरे टर्म में दुनिया की पहली तीन अर्थव्यवस्थाओं में एक नाम भारत का होगा। ये मोदी की गारंटी है। श्री मोदी कहा कि 2024 के बाद हमारे तीसरे टर्म में देश की विकास यात्रा तेजी से बढ़ेगी और देशवासी अपने सपने अपनी आंखों के सामने पूरे होते देखेंगे। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। भारत आज वो हासिल कर रहा है, जो पहले अकल्पनीय था, कोई सोच भी नहीं सकता था। विकसित होने के लिए हमें बड़ा सोचना ही होगा, बड़े लक्ष्य हासिल करने ही होंगे। इसलिए थिंक बिग, ड्रीम बिग, एक्ट बिग के सिद्धांत को अपनाते हुए भारत आज तेजी से आगे बढ़ रहा है। कहा भी गया है- इतने ऊँचे उठो कि, जितना उठा गगन है। हम पहले से बड़ा निर्माण कर रहे हैं, हम पहले से बेहतर निर्माण कर रहे हैं, हम पहले से तेज गति से निर्माण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व से लेकर पश्चिम तक, उत्तर से लेकर दक्षिण तक, भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर बदल रहा है। दुनिया का सबसे बड़ा सौर पवन पार्क आज भारत में बन रहा है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेल ब्रिज आज भारत में है। दस हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे लंबी टनल आज भारत में है। दुनिया की सबसे ऊंची मोटरेबल रोड आज भारत में है। दुनिया का

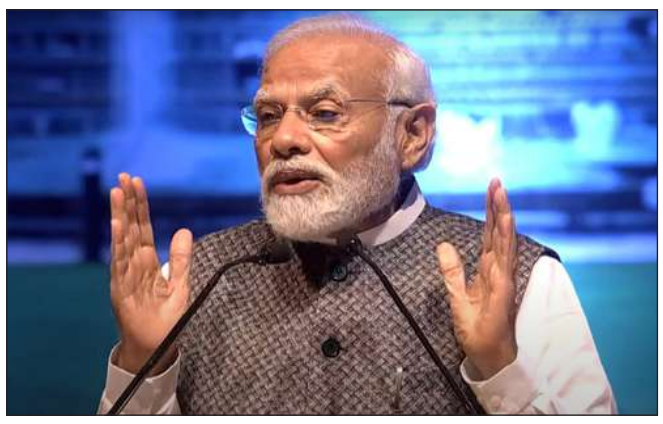

सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम आज भारत में है। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा आज भारत में है। एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल-रोड ब्रिज भी भारत में है। आज भारत दुनिया के उन देशों में है जहां ग्रीन हाइड्रोजन पर इतना बड़ा काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार के इस टर्म और पिछले टर्म के कार्यों का परिणाम पूरा देश देख रहा है। आज देश का विश्वास पक्का हो गया है कि अब भारत की विकास यात्रा रुकने वाली नहीं है। आप जानते हैं कि हमारे पहले टर्म की शुरूआत में भारत, विश्व अर्थव्यस्था में दसवें नंबर पर था। जब मुझे आज लोगों ने काम दिया तब हम दस नंबरी थे। दूसरे टर्म में आज भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और यह ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर, बातों-बातों में नहीं, ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर मैं कह रहा हूं। श्री मोदी ने कहा कि मैं देश को ये भी विश्वास दिलाऊंगा कि तीसरे टर्म में, दुनिया की पहली तीन इकोनॉमीज में एक नाम भारत का होगा। यानी, तीसरे टर्म में पहली तीन इकोनॉमी में गर्व के साथ हिन्दुस्तामन खड़ा होगा दोस्तों। तीसरे टर्म में दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्था में पहुंच कर रहेगा भारत और ये मोदी की गारंटी है। मैं देशवासियों को ये भी विश्वास दिलाऊंगा कि 2024 के बाद हमारे तीसरे टर्म में, देश की विकास यात्रा और तेजी से बढ़ेगी और मेरे तीसरे कार्यकाल में आप अपने सपने अपनी आंखों के सामने पूरे होते देखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में 2700 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन परिसर (आईईसीसी कॉम्पलेक्स) को एक भव्य एवं रंगारंग कार्यक्रम में बुधवार शाम राष्ट्र को समर्पित किया और कहा कि देश के सपने साकार हो रहे हैं।

कुल 123 एकड़ क्षेत्र में फैले इस अत्याधुनिक सम्मेलन केन्द्र का नाम भारत मंडपम रखा गया है। इसी केन्द्र में सितम्बर में भारत की अध्यक्षता में हो रहे विश्व की 80 प्रतिशत अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करने वाले जी20 समूह के देशों के शीर्ष नेताओं का सम्मेलन होगा। श्री मोदी ने इससे पहले सुबह परिसर में वैदिक रीति से हवन-पूजन किया और ट्विटर पर उसे साझा किया। उन्होंने इस परिसर के निर्माण में लगे श्रमिकों को सम्मानित किया और उनके साथ अपनी तस्वीर ट्विटर पर साझा की। शाम को आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय मंत्रिमंडल के उनके सहयोगी और आमंत्रित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रगति मैदान में भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के पुराने मंडपों को हटाकर उनकी जगह विकसित इस भव्य एवं विहंगम नये परिसर के उद्घाटन अवसर पर श्री मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा, सपने साकार हो रहे हैं। ह परिसर देश में बड़ी बैठकों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों की मेजबानी के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास के संबंध में मोदी सरकार की सोच का परिणाम बताया जा रहा है। इस परिसर में सम्मेलन केंद्र, प्रदर्शनी हॉल, खुले रंगमंच जैसी कई अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की गयी हैं। इसके भव्य बहुउद्देश्यीय कक्ष और महाधिवेशन कक्ष की संयुक्त क्षमता सात हजार लोगों की है, जो ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध सिडनी ओपेरा हाउस की बैठने की क्षमता से भी अधिक है। एम्फीथिएटर (खुला रंगमंच) 3,000 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता से सुसज्जित है। सम्मेलन केंद्र का वास्तुशिल्प भारतीय परंपराओं से प्रेरित है और आधुनिक सुविधाओं और जीवन शैली को अपनाने के साथ-साथ अपने अतीत में भारत के आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास को भी दशार्ता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपनी सरकार के नौ वर्ष के सरकार के दौरान विभिन्न नई परियोजनाओं तथा निर्माण कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्ली में जल्दी ही दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय बनने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की हाल की फ्रांस की यात्रा के दौरान वहां के लॉवरे म्यूजियम के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये गये जिसके तहत वह राजधानी में नये राष्ट्रीय संग्रहालय के विकास में सहयोग देगा। सरकार ने रायसीना हिल्स पर बने नार्थ ब्लाक और साउथ ब्लाक को संग्रहालय का रूप देने की योजना बनायी है।

प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी के कारण लाया जा रहा है अविश्वास प्रस्ताव : रंजन

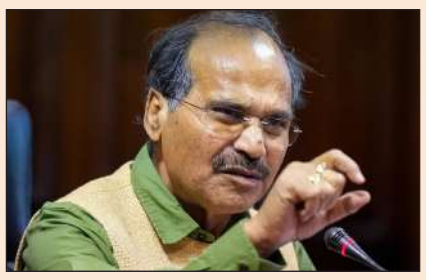

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कह कि मणिपुर मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद में बोलने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में हमारे पास अविश्वास प्रस्ताव लाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। चौधरी ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हम जानते हैं कि अविश्वास प्रस्ताव लाने से उनकी सरकार नहीं गिरेगी लेकिन इसके अलावा हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। हम यही चाहते हैं कि मणिपुर मुद्दे पर प्रधानमंत्री संसद के अंदर बोलें। समाजवादी पार्टी प्रमुख व सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि मणिपुर में जो हो रहा है, वह किसी से छिपा नहीं है। इस मुद्दे पर संसद में बात होनी चाहिए, क्योंकि मणिपुर में जो भी हो रहा है, इसकी जानकारी सरकार को होगी। ऐसे में इस मुद्दे पर सदन में बात करना जरूरी है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मणिपुर में जो हुआ, वह भयावह है। वहां 55 हजार से अधिक लोगों को घरों से विस्थापित होना पड़ा है। वहां उपजी हिंसा के कारण 149 लोग मारे गए। यह कोई छोटी समस्या नहीं है। इन समस्याओं पर विरोध जताने के लिए विपक्ष के नेताओं ने काले कपड़े पहने हैं। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर की कोई चिंता नहीं है। वह देश विदेश में जाकर लगातार भाषण दे रहे हैं लेकिन मणिपुर मुद्दे पर संसद में बोलने को तैयार नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को गृह मंत्री शाह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खड़गे को पत्र लिखकर मणिपुर मुद्दे पर चर्चा का अनुरोध किया था। शाह ने कहा था कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। सरकार इस मुद्दे पर कुछ भी छिपाना नहीं चाहती है। बीते दिनों मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न करके घुमाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिसे लेकर विपक्ष लगातार केन्द्र और राज्य सरकार की आलोचना कर रहा है और संसद के दोनों सदनों में मणिपुर के हालात पर चर्चा की मांग कर रहा है। मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी।

गृह मंत्री अमित शाह ने मप्र विधानसभा चुनाव की रणनीति पर किया मंथन

गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली के लिए रवाना, मुख्यमंत्री ने दी भावभीनी विदाई

भोपाल, एजेंसी

मध्य प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर आए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को गुरुवार को सुबह भोपाल से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां राजकीय विमानतल पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा तथा सांसद वीडी शर्मा भी उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह बुधवार को रात आठ बजे विशेष विमान से भोपाल आए थे। उन्होंने यहां रात 8.30 बजे से 12.30 तक तक पार्टी पदाधिकारियों की बैठक लेकर मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर मंथन किया। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में करीब चार घंटे चली इस बैठक में अमित शाह ने प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव

की रिपोर्ट के आधार पर सभी 230 विधानसभा सीटों के सियासी समीकरण की जानकारी ली। इस दौरान 11 जुलाई को हुई बैठक में दिए गए टास्क का फीडबैक भी लिया। देर रात तक मंथन के बाद अमित शाह ने भोपाल के ताज लेक फ्रंट होटल में रात्रि विश्राम किया गुरुवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे दिल्ली रवाना हो गए। भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अमित शाह ने प्रदेश के मालवा-निमाड़, ग्वालियर-चंबल, बुंदेलखंड, विंध्य, महाकौशल और मध्य क्षेत्र की अलग-अलग नेताओं के साथ समीक्षा की। उन्होंने ग्वालियर-चंबल को लेकर केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ अलग बात की, जबकि मालवा-निमाड़ का फीडबैक पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय से लिया। अमित शाह ने मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रोडमैप लगभग तय कर दिया है। इसी के तहत पार्टी प्रदेश में चार जगहों से विजय संकल्प यात्रा निकालने जा रही है। मुख्य यात्रा सितंबर महीने में उज्जैन से निकाली जाएगी। अभी इसकी तारीख तय नहीं हुई है। उज्जैन के अलावा ग्वालियर, चित्रकूट और जबलपुर से भी ये यात्राएं निकाली जाएंगी। इसमें प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेता शामिल रहेंगे। इसके अलावा 16 सदस्यीय चुनाव समिति गठित की जाएगी।

भाजपा-आरएसएस को देश से नहीं सत्ता से है प्रेम : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर गुरुवार को फिर तीखा हमला किया और कहा कि मणिपुर जले, देश टूटे, हिंसा फैले, इन सबसे उनका मतलब नहीं है क्योंकि उन्हें सिर्फ सत्ता चाहिए और इसके लिए वे कुछ भी कर सकते हैं। श्री गांधी ने आज युवा कांग्रेस के 'बेहतर भारत की बुनियाद पर सबका हक और सबकी जिम्मेदारी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को वर्चुअल आधार पर संबोधित करते हुए कहा कि देश भाजपा, आरएसएस और कांग्रेस की विचारधारा में बंट गया है। कांग्रेस ने हमेशा संविधान की रक्षा और भाईचारे को बढ़ावा देने की लड़ाई लड़ी जबकि भाजपा-आरएसएस ने सत्ता के लिए देश को बांटने का काम किया है। उन्होंने कहा, भाजपा-आरएसएस सिर्फ सत्ता चाहते हैं और सत्ता पाने के लिए ये कुछ भी कर सकते हैं। सत्ता के लिए ये मणिपुर को जला देंगे, सारे देश को जला देंगे। इन्हें देश के दुख-दर्द से कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस नेता ने कहा, भाजपा-आरएसएस और कांग्रेस के बीच विचारधारा की लड़ाई चल रही है। जहां कांग्रेस की विचारधारा- संविधान की रक्षा, देश को जोड़ने और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ने की है वहीं भाजपा-आरएसएस चाहते हैं

कि कुछ चुनिंदा लोग यह देश चलाएं और देश का सारा धन उन्हीं के हाथ में हो। आपके दिल में देशप्रेम है। जब देश को चोट लगती है, देश के किसी नागरिक को चोट लगती है तो आपके दिल को भी चोट लगती है। आप उदास हो जाते हैं। मगर भाजपा-आरएसएस के लोगों को कोई दुःख नहीं, कोई दर्द नहीं हो रहा, क्योंकि ये हिंदुस्तान को बांटने का काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला किया और कहा, विपक्षी गठबंधन ने एक नाम इंडिया चुना, लेकिन मोदी जी को इतना घमंड है कि उन्होंने ये भी नहीं सोचा कि वह पवित्र शब्द 'इंडिया' को गाली दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मणिपुर के लिए क्या कर रहे हैं। वे मणिपुर के बारे में कुछ बोल क्यों नहीं रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि नरेंद्र मोदी जी को मणिपुर से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें मालूम है कि उनकी विचारधारा ने ही मणिपुर को जलाया है।

मानवता के लिए भौतिक एवं आध्यात्मिक विकास आवश्यक : मुर्मू

भुवनेश्वर, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि भौतिकवादी परिवर्तन खुशी का कारक हो सकती है, लेकिन यह मानसिक शांति आध्यात्मिक मार्ग पर चलकर ही प्राप्त की जा सकती है इसलिए मानवता के लिए भौतिक एवं आध्यात्मिक विकास आवश्यक है। सुश्री मुर्मू ने आज यहां शहर के बाहरी इलाके दसाबतिया में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के दिव्य लाइट हाउस की आधारशिला रखते हुए यह मंतव्य जाहिर किया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी परिवर्तन की चालक है और विकास के लिए परिवर्तन अपरिहार्य एवं आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सिर्फ एक संगठन नहीं है, बल्कि महिलाओं की ओर से चलाया जाने वाला एक सामाजिक और आध्यात्मिक अभियान भी है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ध्यान और अनुशासित जीवन शैली के माध्यम से आध्यात्मिकता का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा, समय-समय पर कुछ नकारात्मक विचार हमारे मन को परेशान करते हैं और आत्मनिरीक्षण की कमी के कारण हम नकारात्मक सोच का शिकार होने लगते हैं। श्रीमती मुर्मू ने कहा, हमारे अंदर ईर्ष्या और नफरत की भावना बढ़ने लगती है। आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती नकारात्मक विचारों से छुटकारा पाकर सकारात्मकता की ओर कदम बढ़ाना है। उन्होंने मानवता को जागरूक करने और लोगों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए ब्रह्माकुमारीज संगठन के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर उन्होंने सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करने के लिए वर्ष की थीम सकारात्मक परिवर्तन का वर्ष को भी लॉन्च किया।

किसानों के दुख दर्द भारत के किसानों को परेशानी नहीं होने देगी और इस सच्चाई को देश का किसान देख रहा है.....

आजादी के इतने दशक बाद आई है किसानों के दुख दर्द समझने वाली केन्द्र सरकार: मोदी

सीकर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी केन्द्र सरकार को किसान का दुख दर्द समझने वाली सरकार बताते हुए कहा है कि आजादी के इतने दशक बाद यह ऐसी सरकार आई है जो उसकी चिंता समझती है। इसलिए उसने गत नौ वर्षों में लगातार किसान हित में फैसले लिए गए हैं और बीज से बाजार तक किसानों के लिए नई व्यषवस्थाकओं का निर्माण कर दिया है। श्री मोदी गुरुवार को राजस्थान के सीकर में विभिन्न परियोजनाओं के शिलान्यास एवं उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि खाटू श्यामजी की यह धरती देश भर के श्रद्धालुओं को भरोसा देती है, एक उम्मीद देती है। मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे वीरों की भूमि शेखावाटी से, देश के लिए अनेक विकास परियोजनाओं को शुरू करने का अवसर मिला है। आज यहाँ से देश के करोड़ों किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के लगभग 18 हजार करोड़ रुपये भेजे गए हैं। सीधे उनके बैंक खाते में जमा हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में सवा लाख पीएम किसान समृद्धि केंद्रों की शुरूआत की गई है। गांव और ब्लॉक लेवल पर बने इन पीएम किसान समृद्धि केंद्रों से करोड़ों किसानों को सीधा लाभ होगा। आज डेढ़ हजार से ज्यादा पीएफओ के लिए, हमारे किसानों के लिए ह्यओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्सह्न का लोकार्पण भी हुआ है। इससे देश के किसी भी कोने में बैठे किसान के लिए अपनी उपज बाजार तक पहुंचाना और आसान हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ही देश के किसानों के लिए एक नया ह्ययूरिया गोल्डह्न भी शुरू किया गया

है। इनके अलावा राजस्थान के अलग-अलग शहरों को नए मेडिकल कॉलेज और एकलव्य मॉडल स्कूल का उपहार भी मिला है। उन्होंने कहा मैं देश के लोगों को, राजस्थान के लोगों को और खासकर मेरे किसान भाई-बहनों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं, बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सीकर और शेखावाटी का यह हिस्सा एक प्रकार से किसानों का गढ़ है। यहां के किसानों ने हमेशा ये साबित किया है कि उनकी मेहनत के आगे कुछ भी मुश्किल नहीं है। पानी की कमी के बावजूद यहां किसानों ने धरती से भरपूर फसल लेकर दिखाई है। किसान का सामर्थ्य, किसान का परिश्रम, मिट्टी से भी सोना निकाल देता है और इसलिए हमारी सरकार देश के किसान के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि उन्हें याद है, यहां राजस्थान के सूरतगढ़ से ही हमने 2015 में सॉयल हेल्थ कार्ड योजना शुरू की थी। इस योजना के माध्यम से हमने देश के किसानों को करोड़ों सॉयल हेल्थ कार्ड दिए। इन कार्डों की वजह से आज किसानों को मिट्टी की सेहत के बारे में पता चल रहा है, वो उसी हिसाब से खाद का इस्तेमाल कर रहे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आज फिर राजस्थान की धरती से किसानों के लिए एक और बड़ी योजना शुरू की जा रही है। आज देश भर में सवा लाख से ज्यादा प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र राष्ट्र को समर्पित किए गए हैं। ये सभी केंद्र सच्चे अर्थों में किसानों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगे। ये एक तरह से किसानों के लिए वन स्टॉप सेंटर हैं। न्होंने कहा कि किसान भाई-बहनों को अक्सर खेती से जुड़े सामानों के लिए, दूसरी जरूरतों के लिए अलग-अलग जगहों पर जाना पड़ता है। अब किसान को ऐसी मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। अब प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र, किसानों को वहां से बीज भी मिलेगा और खाद भी मिलेगा। इसके अलावा खेती से जुड़े औजारों और दूसरी मशीनें भी इस केंद्र पर मिला करेंगी। ये सेंटर खेती से जुड़ी हर आधुनिक जानकारी किसानों को देंगे। न्होंने कहा कि किसानों को कई बार योजना की सही जानकारी नहीं होने से भी उन्हें बहुत नुकसान होता है। ये प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र अब किसानों को हर योजना की समय पर जानकारी का भी जरिया बनेंगे। उन्होंने कहा कि यह तो अभी शुरूआत है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे आदत डाले कि उन्हें भले ही किसानी से लेकर कोई चीज खरीदनी नहीं है।

घूमने आए थे यूपी के चार युवक, नहाते समय एक खोह नदी में डूबा, एसडीआरएफ ने बरामद किया शव

कोटद्वार, एजेंसी। जानकारी के अनुसार, नजीबाबाद उत्तरप्रदेश से चार युवक घूमने कोटद्वार गए थे। दोपहर को वे खोह नदी में नहाने चले गए। इसी दौरान वह डूब गया।

उत्तराखंड के कोटद्वार में घूमने आए चार युवकों में से एक खोह नदी में डूब गया। हादसा नहाने के दौरान हुआ। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने कई घंटे सर्च अभियान चलाकर युवक का शव बरामद कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, नजीबाबाद उत्तरप्रदेश से चार युवक घूमने कोटद्वार गए थे। दोपहर को वे खोह नदी में नहाने चले गए। इस दौरान लवी(26) पुत्र ज्ञान चंद नदी में डूब गया। एसएसआई जगमोहन रमोला ने बताया कि डूबने वाले युवक की नजीबाबाद में दुकान है। युवक का शव मिला है। उसके परिजनों को सूचना दे दी गई है।

प्रदेश में डेंगू के बाद अब आई फ्लू की दस्तक, मरीज घबराएं नहीं, डॉक्टरों की मानें ये सलाह

देहरादून, एजेंसी।
प्रदेश में डेंगू के संदिग्ध लक्षण वाले मरीजों की एलाइजा जांच, अस्पतालों में अलग से आईसोलेशन वार्ड, मरीज के आसपास 50 घरों में स्क्रीनिंग, फॉगिंग और जन जागरूकता के लिए अभियान चलाने को कहा गया। वहीं, अब आई फ्लू के मामले बढ़ने लगे हैं।

प्रदेश में डेंगू के बाद आई फ्लू संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। अस्पतालों की ओपीडी में आई फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। वहीं, चार जिलों में 102 डेंगू के मामले सामने आ चुके हैं। इसमें देहरादून जिले में सबसे अधिक 94 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में डेंगू के कुल 102 मामले मिले हैं। इसमें देहरादून में 94, नैनीताल में चार, पौड़ी में दो व हरिद्वार जिले में एक मामला सामने आया है। डेंगू रोकथाम के लिए

शासन स्तर से सभी जिलों को पहले ही दिशानिर्देश दिए जा चुके हैं।

जिसमें डेंगू के संदिग्ध लक्षण वाले मरीजों की एलाइजा जांच, अस्पतालों में अलग से आईसोलेशन वार्ड, मरीज के आसपास 50 घरों में स्क्रीनिंग, फॉगिंग और जन जागरूकता के लिए अभियान चलाने को कहा गया। वहीं, अब आई फ्लू के मामले बढ़ने लगे हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. विनीता शाह ने बताया कि बरसात के मौसम में आई फ्लू के मामले आ रहे हैं। इससे मरीजों को घबराने की जरूरत नहीं है। संक्रमण से बचने के लिए सावधानी और साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना होगा। आई फ्लू मरीजों को उपचार के लिए सभी जिलों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए जाएंगे।

दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डा. सुशील ओझा के अनुसार इस समय वायरल इन्फेक्शन फैलने की सबसे अधिक आशंका होती है, क्योंकि इस समय वातावरण में सबसे अधिक नमी होती है। ऐसे में आई फ्लू, पलक में इन्फेक्शन और पुतली में घाव हो सकता है।

डा. सुशील ओझा ने कहा कि बरसात के मौसम में बैक्टीरियल संक्रमण से बचने के लिए आप अपना ध्यान रखें। बारिश में भीगने के बाद आंखों को साफ पानी से धोएं। यह इसलिए कि बारिश के पानी में धूल के कण पाए जाते हैं। जिससे आपकी आंखों में इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों को धोने के बाद स्वच्छ कपड़े से जरूर साफ करें। गौरतलब है कि आई फ्लू के मामले हर राज्य में बढ़ रहे हैं। उत्तराखंड में भी अस्पतालों में आई फ्लू के मरीज बढ़ने लगे हैं

अंधेरे जीवन में रोशनी बिखेर रहा एम्स का आई बैंक

ऋषिकेश, एजेंसी। एम्स का आई बैंक दृष्टिबाधितों के अंधेरे जीवन में रोशनी बिखेर रहा है। स्थापना के मात्र चार सालों में आई बैंक 500 से अधिक दृष्टिबाधितों को आंखें दे चुका है। आई बैंक को अब तक नेत्रदाताओं से 664 कॉर्निया प्राप्त हुए हैं। अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश की स्थापना 26 अगस्त 2019 को हुई थी। शुरुआती तीन सालों तक आई बैंक के संचालन के लिए टाटा ट्रस्ट एवं हंस फाउंडेशन ने वित्तीय सहायता दी थी। जबकि तकनीकी सहयोग एलवी प्रसाद नेत्र संस्थान हैदराबाद से मिला था। अब एम्स स्वयं ही आई बैंक का संचालन कर रहा है। स्थापना के मात्र चार साल में ही एम्स का आई बैंक देश के अग्रणीय आई बैंकों की कतार में आ गया है। यहां करीब 400 दृष्टिबाधितों पर कॉर्निया ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं। जबकि करीब 100 कॉर्निया यहां के आई बैंक से अन्य चिकित्सा संस्थानों को उपलब्ध कराए गए हैं। स्थापना के बाद से अब तक कुल 664 कॉर्निया आई बैंक को नेत्रदाताओं से प्राप्त हुए हैं। 1200 लोगों ने नेत्रदान की प्रतिज्ञा भी ली है। वहीं, प्रतिदिन चार से पांच लोग यहां नेत्रदान करते हैं। एम्स राज्य के अन्य संस्थानों को भी कॉर्निया उपलब्ध करवा रहा है। एम्स अब तक हिमालयन अस्पताल जॉलीग्रांट, महंत इंद्रेश, विवेकानंद नेत्र चिकित्सालय, आनंद नेत्रालय, दृष्टि आई अस्पताल व गंगा माता अस्पताल हरिद्वार को कॉर्निया करवा चुका है।

सिल्ट आने के कारण दिनभर प्रभावित रहा बिजली उत्पादन

देहरादून, एजेंसी। यमुना नदी के पानी में सिल्ट की मात्रा बढ़ने के कारण दिनभर बिजली उत्पादन प्रभावित रहा। क्षेत्र की सभी जलविद्युत परियोजनाओं में रूक-रूक कर उत्पादन होता रहा। ढालीपुर व ढकरानी बिजली परियोजनाएं पूर्णतः ठप रही। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश के कारण यमुना नदी पर बनी व्यासी जलविद्युत परियोजना के अलावा टोंस पर बनी छिबरौ, खोदरी और डाकपत्थर बैराज से संचालित होने वाली ढकरानी और ढालीपुर बिजली परियोजनाओं से होने वाला बिजली का उत्पादन व्यापक स्तर पर प्रभावित रहा। बताते चलें कि यमुना नदी के पानी में सिल्ट की मात्रा अत्यधिक बढ़ जाने के कारण ढकरानी व ढालपुर की परियोजनाओं को मंगलवार की दोपहर को बंद कर दिया गया था। तब से लेकर समाचार लिखे जाने तक परियोजनाओं में बिजली का उत्पादन बंद है। इसके अलावा बुधवार को दिन के समय में यमुना पर स्थित व्यासी जलविद्युत परियोजना व टोंस पर बनी छिबरौ व खोदरी परियोजनाओं में बिजली का उत्पादन बार-बार बंद होता रहा। जलविद्युत निगम के जनसंपर्क अधिकारी विमल डबराल ने बताया कि कुल्हाल, व्यासी, छिबरौ व खोदरी में फिलहाल उत्पादन चल रहा है, जबकि ढकरानी और कुल्हाल के देर रात तक चालू हो जाने की उम्मीद है। बुधवार को भी डाकपत्थर बैराज से यमुना नदी में 80 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

आईडीपीएल के बाशिंदों को मिली राहत, प्रशासन ने रोकी कार्रवाई

ऋषिकेश, एजेंसी। आईडीपीएल आवासीय कॉलोनी में रहने वाले लोगों को नैनीताल हाईकोर्ट से स्टे मिलने से बड़ी राहत मिली है। प्रशासन ने अब भवनों को खाली करवाने और जर्जर को तोड़ने की आगे की कार्रवाई रोक दी है।

नवंबर 2021 में आईडीपीएल फैक्टरी की लीज खत्म के होने के बाद उक्त भूमि वन विभाग को हस्तांतरित हो चुकी है। कुल 833 एकड़ भूमि है। इसमें से करीब 200 एकड़ भूमि एम्स को दी जानी है। शेष भूमि पर पर्यटन विभाग को अपनी कार्ययोजना के अनुसार काम करना है। प्रथम चरण में 1500 आवासों में स्थानीय प्रशासन को 227 आवासों को खाली कराया जाना है। जर्जर आवासों को ध्वस्त किया जाना है। अभी तक प्रशासन 107 आवासों को खाली करवा चुका है। जबकि 25 जर्जर भवनों को ध्वस्त किया जा चुका है।

23 जुलाई से प्रशासन की टीम ने आईडीपीएल के आवासीय भवनों को तोड़ना शुरू किया। इसके विरोध में आईडीपीएल वासियों ने हरिद्वार राजमार्ग पर जाम भी लगाया था। कुछ लोगों ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। आईडीपीएल बचाव को लेकर लोगों को आईडीपीएल में शासन प्रशासन के खिलाफ धरना भी दिया जा रहा है। धरने पर सुनील कुटलेहडिया, रामेश्वरी चौहान, नीलम चंदानी, हेमंत, संजीव कुमार, संदीप कुमार, सूरज, राजेश भट्ट, सत्यप्रकाश भट्ट, नेहा, नंदिनी आदि शामिल रहे।

फूड डिलीवरी बॉय काम के बहाने कर रहे रेकी, पुलिस ने सत्यापन अभियान किया तेज

देहरादून, एजेंसी।
पुलिस को शिकायतें मिल रहीं थीं कि जोमैटो और स्विगी कंपनियों के कुछ डिलीवरी बॉय के अलावा कलेक्शन और रिकवरी एजेंट अपने काम के बहाने रेकी करते हैं। रेकी करने के बाद ये लोग लूट ,डकैती, चोरी, नकबजनी, वाहन चोरी जैसी गंभीर आपराधिक घटनाएं कर सकते है। इसे देखते हुए पुलिस ने डिलीवरी बॉय का सत्यापन अभियान तेज कर दिया है।

खाने की डिलीवरी के साथ नशे का सामान सप्लाई करने की शिकायत पर पुलिस ने डिलीवरी बॉय का सत्यापन अभियान तेज कर दिया

है। बुधवार को पुलिस ने फूड डिलीवरी कंपनी के टीम लीडरों और डिलीवरी बॉय के साथ मीटिंग भी की। पुलिस ने सभी डिलीवरी बॉय को उनके गृह जनपद के पुलिस थाने से सत्यापन रिपोर्ट बनवाकर एक सप्ताह में जमा करने की हिदायत दी है। दरअसल पुलिस को शिकायतें मिल रहीं थीं कि जोमैटो और स्विगी कंपनियों के कुछ डिलीवरी बॉय के अलावा कलेक्शन और रिकवरी एजेंट अपने काम के बहाने रेकी करते हैं। रेकी करने के बाद ये लोग लूट ,डकैती, चोरी, नकबजनी, वाहन चोरी जैसी गंभीर आपराधिक घटनाएं कर सकते है। इसे देखते हुए एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने पुलिस को सभी डिलीवरी बॉय और कलेक्शन एजेंट का सत्यापन करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद बुधवार को कलेमेंटटाउन और राजपुर थाना पुलिस ने जोमैटो कंपनी के टीम लीडर अवधेश चौधरी और रुजीत तोमर के साथ ही करीब 40 डिलीवरी बॉयज के साथ मीटिंग की।

पलायन रोकने में अहम भूमिका निभाएगी बागवानी : कोश्यारी

देहरादून, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि बागवानी पहाड़ों से हो रहे पलायन को रोकने में अहम भूमिका निभाएगी। युवाओं को बागवानी को अपनाना चाहिए। बागवानी कर आर्थिकी मजबूत करना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री बुधवार को जीआईसी बुल्हाड़ में आयोजित बागवानी गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटन, बागवानी और कृषि के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। गोष्ठी के संयोजक सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी रतन सिह रावत ने कहा कि जौनसार बावर क्षेत्र में बागवानी बढ़ रही है, लेकिन बागवानों को जानकारी का अभाव है। इसी को देखते हुए सेब की गोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस मौके पर विजेन्द्र, पूजा गौड़, आलोक सत्याल, पूर्व राज्यमंत्री प्रताप सिंह रावत, वीरेन्द्र चौहान, जगत राम नौटियाल, विजय रावत आदि मौजूद रहे। हिमाचल के नंदपुर से आए बागवान और सेब विशेषज्ञ बलबीर छाजटा, रानीखेत के गोपाल दत्त उप्रेती, पद्मश्री प्रेमचंद शर्मा ने बागवानों को सेब उत्पादन के गुर सिखाए। उन्होंने कहा कि सेब के बगीचों में सेब की गुणवत्ता को बढ़ाने एवं बनाए रखने के लिए किसान जमीन का परीक्षण करके उसमें आवश्यक तत्वों को बनाए रखें। ग्रामीण क्षेत्रों में बागवानी विकसित करने के लिए सरकार को बागवानों की सुविधा के लिए मृदा परीक्षण लैब स्थापित करनी चाहिए। उन्होंने बागवानों को सरकारी अनुदान का लाभ उठाने की अपील की। पुराने बगीचों में गुणवत्ता सुधार एवं उनके नवीनीकरण के विषय में बताया। पौधों में लगने वाली विभिन्न बीमारियों व उनके रोकथाम के तरीके भी बताए।

युवाओं के लिए खुशखबरी, उत्तराखंड में जल्द होगी 1550 कांस्टेबलों की भर्ती

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में युवाओं के सामने जल्द ही रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। इस कड़ी में पुलिस में 1500 पदों पर भर्ती की जा रही है। इसके लिए पुलिस विभाग की ओर से राज्य लोक सेवा आयोग को अधियाचन भेजा जा रहा है। प्रदेश के युवाओं को अब रोजगार का सुनहरा अवसर मिलेगा।

पुलिस विभाग में कुछ समय पहले सहायक सब इंस्पेक्टर के नए पद सृजित हुए हैं। इन पदों के सापेक्ष शासन ने 1700 हेड कांस्टेबलों की पदोन्नति करते हुए इन्हें एएसआई बनाया। हेड कांस्टेबल की पदोन्नति से रिक्त पदों पर कांस्टेबल पदोन्नत किए गए। अब विभाग में कांस्टेबल के लगभग 1550 पद रिक्त चल रहे हैं। इन पदों को भरने की मुख्यमंत्री पुष्कर

सिंह धामी ने कुछ समय पहले एक कार्यक्रम में घोषणा की थी। इस क्रम में पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने अधिकारियों के साथ बैठक कर पदों को भरने की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करते हुए इसका अधियाचन लोक सेवा आयोग को भेजने के निर्देश दिए हैं। इस समय प्रदेश में थाने व चौकियों में कांस्टेबल की खासी कमी महसूस की जा रही है। इससे रात्रि गश्त में भी दिक्कत हो रही है। वहीं प्रदेश में इस समय वर्षाकाल के कारण जगह-जगह पुलिस को राहत व बचाव कार्यों में भी जूझना पड़ रहा है। इसे देखते हुए शासन अब इन पदों को भरने की कवायद में जुट गया है।

चाय बागान की जमीन की खरीद-फरोख्त करने वालों को नोटिस जारी

देहरादून, एजेंसी। चाय बागान की जमीन को फर्जीवाड़ा कर खरीदने-बेचने वाले भूमाफिया पर प्रशासन ने शिकंजा कस दिया है। अपर जिलाधिकारी डा. शिव कुमार बरनवाल ने विवादित भूमि को लेकर संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए हैं। जमीन की खरीद -फरोख्त करने वाले लोगों को 11 अगस्त को अदालत में तलब किया गया है। दरअसल अपर जिलाधिकारी डा. शिव कुमार बरनवाल चाय बागान और सीलिंग की जमीन की खरीद-फरोख्त मामले की सुनवाई कर रहे हैं। अदालत ने चाय बागान की भूमि खरीदने वाले विनोद कुमार और दीपचंद अग्रवाल को 11 अगस्त को भूमि संबंधी सभी दस्तावेजों के साथ में तलब किया है। यह विवादित भूमि रायपुर की खसरा नंबर 1586 है। डॉ. बरनवाल ने एसडीएम ऋषिकेश और एसडीएम विकास नगर को भी आदेश दिए हैं।

शहीदों की बदौलत ही सुरक्षित हैं देश की सीमाएं : डॉ. सेमवाल

देहरादून, एजेंसी। कारगिल विजय दिवस के मौके पर जगह-जगह श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहीदों के सम्मान में नारे लगाए गए। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डॉ. जीआर सेमवाल ने कहा कि शहीदों की बदौलत ही देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। लायंस क्लब यमुना वैली विकासनगर ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद स्मारक पर सफाई अभियान चलाया। मोमबत्ती जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर अध्यक्ष यमन चौधरी, सचिव अभिनव अग्रवाल, हेमचंद्र सकलानी, उमाकांत अग्रवाल, दिनेश जयवाल, अतुल चावला आदि मौजूद रहे।लायंस क्लब ग्रीन वैली ने भी शहीद स्मारक पर मोमबत्ती जलाई। अध्यक्ष शालिनी कक्कड़, सचिव अंशु साहनी, कोषाध्यक्ष मधु अग्रवाल ,मोहिनी नौटियाल आदि मौजूद रहीं। रोटरी क्लब विकासनगर ने होटल में कार्यक्रम आयोजित कर शहीदों को नमन किया। अध्यक्ष रोहित गुप्ता, सचिव अमित अग्रवाल, सुरेश रावत, संजय अग्रवाल आदि मौजूद रहे। पछ्वादून गढ़वाल सभा भवन दिनकर विहार में आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। अध्यक्ष राजू बिंजोला, वीना डोभाल, सुमन मोहन ममगाई, त्रिलोक सिंह रावत मौजूद रहे। किशोरी लाल सरस्वती शिशु मंदिर चकराता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नन्हें मुन्नें बच्चों ने देशभक्ति पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डाकपत्थर में शौर्य दीवार पर वीर सेनानियों को स्मरण एवं नमन किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. जीआर सेमवाल ने कारगिल युद्ध के इतिहास पर प्रकाश डाला। डॉ. आरएस गंगवार, प्रोफेसर अरविंद कुमार अवस्थी, डॉ. राखी डिमरी मौजूद रहीं। छात्रसंघ पदाधिकारी एवं नव प्रवेशार्थी छात्र-छात्राओं ने शहीदों के सम्मान में नारे लगाए। पूर्व सैनिक पर्वतीय जन कल्याण समिति पछ्वादून से जुड़े पूर्व सैनिकों ने देहरादून घंटाघर स्थित गांधी पार्क में शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

भागवत कक्षा के श्रवण से होती है मोक्ष प्राप्ति : पोखरियाल

देहरादून, एजेंसी। ज्वाला मंदिर सेलाकुई में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास दीपक पोखरियाल ने राजा परीक्षित की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि श्रद्धा व विश्वास के साथ श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया जाए तो मोक्ष की प्राप्ति संभव है। उन्होंने कहा कि राजा परीक्षित को गंगा नदी में मचान बनाकर श्रीमद् भागवत का श्रवण ऋषि सुकदेव ने कराया था। जिसके बाद उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। उन्होंने कहा कि भागवत कथा मनुष्य को सही राह दिखाती है। लोगों का कल्याण करती है। उन्होंने लोगों से सनातनी संस्कृति के व्यापक प्रचार प्रसार की बात कही। भजनों पर लोग जमकर झूमे। आचार्य पंकज गोदियाल, अनीता गुसाईं, पूर्व प्रधान भगत सिंह राठौर, सुरेंद्र गुसाईं, रुकमणी सजवाण, कमलेश राठौर, सरिता आदि मौजूद रहे।

31 जुलाई तक होंगे एडमिशन

देहरादून, एजेंसी। सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय (पीजी) कॉलेज में 31 जुलाई तक ही ऑफलाइन एडमिशन दिए जाएंगे। सीटें रिक्त होने पर ही प्रवेश तिथि को विस्तारित किया जाएगा। बुधवार को चेयरमैन अनिल सिंह तोमर की अध्यक्षता में प्रवेश समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें वर्तमान प्रवेश प्रक्रिया लेकर चर्चा की गई। वर्तमान सत्र 2023-24 में राज्य सरकार ने एक प्रदेश, एक प्रवेश, एक परीक्षा, एक परिणाम के तहत बीए, बीकॉम एवं बीएससी गृह विज्ञान में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य किया गया है।

वेटर बनकर भारत से चीन गए थे देव रतूड़ी, बन गए चीनी सिनेमा के दिग्गज स्टार ,बच्चे पढ़ रहे उनकी कहानी

टिहरी, एजेंसी।
कहते हैं कि अगर आप के अंदर प्रतिभा है तो आज नहीं तो कल सफलता अवश्य मिलेगी। इसी उदाहरण को सच साबित कर दिखाया है टिहरी के एक लाल ने। टिहरी के लाल देव रतूड़ी ने देश के साथ ही चीन में भी अपने हुनर का डंका बजाया है।

देव विदेशी धरती पर आठ इंडियन रेस्टोरेंट के मालिक तो हैं ही, उन्होंने चाइनीज फिल्मों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। आज वह चीनी फिल्म इंडस्ट्री का चर्चित चेहरा हैं। विशेष यह कि देव की संघर्ष गाथा को प्रेरक कहानी के रूप में चीन के सातवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। बच्चे उनके जीवन पर आधारित कहानी को स्कूली किताब में पढ़ रहे हैं।

इन दिनों देव उत्तराखंड में अपने पैतृक गांव केमरया सौड़ आए हुए हैं। टिहरी जिले के भिलंगना ब्लाक की पट्टी केमर के ग्राम केमरया सौड़ में जन्मे 47-वर्षीय देव रतूड़ी की प्रारंभिक शिक्षा राजकीय इंटर कॉलेज चमियाला (लाटा) में हुई। दसवीं की पढ़ाई करने के बाद वर्ष 1998 में देव रोजगार की तलाश में दिल्ली चले गए। मन में एक्टर बनने की चाह थी, इसलिए सबसे पहले उन्होंने वहां मार्शल आर्ट सीखी।

कुछ समय दिल्ली में रहने के बाद फिर उन्होंने मुंबई की राह पकड़ ली।

देव बताते हैं कि लगभग आठ वर्ष उन्होंने मुंबई में रहकर होटल की नौकरी करने के साथ कुछ टीवी सीरियल और नाटकों में भी काम किया। देव बीते 18 वर्ष से पत्नी अंजलि व दो बच्चों के साथ चीन में रह रहे हैं। अभी तक वह 35 से अधिक चाइनीज फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुके हैं। देव यहां से चीन गए तो थे एक वेटर की नौकरी करने के लिए, लेकिन आज वो वहां कि दिग्गज स्टार्स में गिने जाते हैं। अब उनकी इच्छा भारत में भी फिल्मों में काम करने की है। देव चीनी सिनेमा के चर्चित चेहरों में से एक हैं। अभी तक उन्होंने कई चाइनीज ड्रामा और फिल्मों में अपने अभिनय का लोह मनवाया है। माय रूममेट इज डिटेक्टिव (और द ट्रैप्डजैसे चर्चित ड्रामा और फिल्म में देव अभिनय कर चुके हैं। रतूड़ी देव रतूड़ी ने वर्ष 2013 में चीन में पहला इंडियन रेस्टोरेंट खोला था। वर्तमान में वह आठ रेस्टोरेंट के मालिक हैं, जिनमें 50 से अधिक उत्तराखंडियों को रोजगार भी मिल रहा है। वर्तमान में देव की पहचान चीन के उद्योगपतियों में होती है, जो टिहरी जिले के साथ ही उत्तराखंड एवं देश के लिए गौरव की बात है।

प्रजापति समाज मेधावियों को करेगा सम्मानित

हरिद्वार, एजेंसी।
प्रजापति समाज मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करेगा। सैनी आश्रम के निकट कुम्हारान धर्मशाल में समारोह का आयोजन किया जाएगा। प्रजापति समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई। विनोद कुमार प्रजापति एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान प्रतिभावान बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में राकेश प्रजापति, अशोक प्रजापति, राजेश प्रजापति, श्याम, नीटू, सर्वेश, आदित्य, रवि, विनोद, साधुराम समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पड़ोसियों से तंग आकर बेचना पड़ा मकान, ठगे भी गए, पीड़ित ने पुलिस को बताई आपबीती

देहरादून, एजेंसी।
पीड़ित ने बताया कि मकान बिकवाने के लिए एक लाख छह हजार रुपये लिए गए। इसके बावजूद मकान नहीं बेचा और न ही रकम लौटाई। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पड़ोसियों से तंग आकर एक व्यक्ति को अपना मकान बेचना पड़ा। यही नहीं, उन्होंने मकान बिकवाने के लिए तीन लोगों से संपर्क किया तो उन्होंने रुपये भी हड़प लिए। मामले में पीड़ित की शिकायत पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

एसएचओ पटेलनगर सूर्यभूषण नेगी ने बताया, मीना मौर्य निवासी विजय पार्क की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मीना का कहना है कि वह विजय कॉलोनी से पहले फ्रेंड्स अपार्टमेंट प्रिया लोक में रहती थीं। आरोप है कि प्रिया लोक कॉलोनी में रहने के दौरान पड़ोसी शालिनी बिष्ट, उसके पति अंकित बिष्ट उनसे और उनकी बहन के साथ छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़ा और गालीगलौज करते थे। तंग आकर मकान बेचने का फैसला किया।

27 सितंबर 2022 को शालिनी बिष्ट और उसके पति अंकित बिष्ट ने कपड़े सुखाने को लेकर उनके घर के अंदर घुसकर उनके

और पति के साथ मारपीट की। इससे उन्हें गहरी चोटें आईं। परेशान आकर मकान को जल्द बेचने का फैसला लिया। इस दौरान मोनिश कुमार निवासी डंगवाल मार्ग, कपिल कुमार और अरुण भान से संपर्क हुआ। उन्होंने मकान बिकवाने के लिए एक लाख छह हजार रुपये लिए। इसके बावजूद मकान नहीं बेचा और न ही रकम लौटाई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में शालिनी बिष्ट निवासी फ्रेंड्स अपार्टमेंट प्रिया लोक कॉलोनी, अंकित बिष्ट, मोनिस कुमार निवासी डंगवाल मार्ग देहरादून, कपिल कुमार और अरुण भान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

आधी रात को घर में घुसा मलबा, भागे लोग, चार मवेशियों की मौत

देहरादून, एजेंसी। ग्राम खेरूवा में आधी रात को पहाड़ से आए भारी मलबे ने एक मकान और उससे सटी गोशाला को अपना निशाना बनाया। अचानक आई आपदा से हड़बड़ाए परिवार के सदस्य अपनी जान बचाकर इधर-उधर भाग गए लेकिन उनके चार मवेशियों की मलबे में दबकर मौत हो गई।कोटी-मिनस मार्ग पर दो वाहन भी मलबे में फंस गए।

मंगलवार की देर रात लगभग साढ़े बारह बजे कोटी-मिनस मोटर मार्ग पर स्थित ग्राम खेरूवा में ग्रामीण किशन सिंह पुत्र खंकरू मल के मकान में भारी मलबा घुस आया। घटना के समय किशन, उसकी पत्नी सल्ली देवी, उसकी मां शैला देवी व दो पुत्र विनोद व सुमित सोए हुए थे। बारिश के पानी के साथ बहकर आई चिकनी मिट्टी, पत्थर व मलबे की आवाज सुनकर हड़बड़ाकर उठे परिजन जान बचाने के लिए घर से बाहर निकल कर भागे।

पालिका परिषद ने अपनी परिषद की बैठक में नागरिक और कर्मचारी केंद्रित बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों को मंजूरी दी:उपाध्यक्ष पालिका परिषद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने आज आयोजित अपनी परिषद की बैठक में उसके समक्ष रखे गए एजेंडा आइटमों में 17 में से 16 प्रस्तावों पर विचार किया और उन्हें मंजूरी दे दी, जो नागरिकों और कर्मचारियों से संबंधित रहे, यह सूचना पालिका परिषद् के उपाध्यक्ष श्री सतीश उपाध्याय ने आज प्रेस सम्मेलन के दौरान दी। आज की बैठक में परिषद के सभी सदस्यों -सतीश उपाध्याय, श्रीमती विशाखा सैलानी, श्री कुलजीत सिंह चहल, श्री गिरीश सचदेवा द्वारा नई दिल्ली में बाढ़ की स्थिति को नियंत्रित करने में विफलता और एनडीएमसी क्षेत्र में 4-5 दिनों तक पीने के पानी की अनुपलब्धता के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। उपाध्याय ने आगे बताया कि बैठक में निम्नलिखित नागरिक एवं कर्मचारी उन्मुख विषयो को मंजूरी दी गईः-

1. प्राचार्य (शिक्षा विभाग) के 03 पद एवं उप प्राचार्य (शिक्षा विभाग) के 01 पद का पुनरुद्धार 02 वर्ष से अधिक समय तक नियमित अथवा तदर्थ आधार पर न भरे जाने के कारण समाप्त माना गया - परिषद ने एनडीएमसी के अटल आदर्श विद्यालयों में प्रिंसिपल के समाप्त किए गए 3 पदों और वाइस प्रिंसिपल के 01 पद को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया।

2. एनडीएमसी की सचिव स्थापना शाखा के कनिष्ठ सहायक के पदों के लिए आरआर की अधिसूचना - परिषद ने कनिष्ठ सहायक पद के लिए भर्ती नियम बनाने/संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी । श्री उपाध्याय ने सुझाव दिया कि आरआरएस में संशोधन कर मौजूदा 239 डाटा एंट्री ऑपरेटर ग्रेड-ए (संविदा) को कनिष्ठ सहायक के रिक्त पदों पर नियमित किया जा सकता है।

3. नई दिल्ली नगरपालिका परिषद में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा विभाग के लिए श्रेणी बी में विभिन्न पदों की भर्ती विनियम (आरआरएस) तैयार करना। सांख्यिकीय सहायक, वरिष्ठ सांख्यिकीय अन्वेषक ग्रेड-क, सांख्यिकीय अधिकारी पदों के लिए आरआर 1994 से पहले तैयार किया गया है और आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित नहीं किया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए, एनडीएमसी में विभिन्न पदों के इन आरआर का निर्माण और परिषद द्वारा अनुमोदन एक अपरिहार्य आवश्यकता है ताकि एनडीएमसी के सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा विभाग की कार्यात्मक दक्षता को बनाए रखा जा सके ।

4. निदेशक, एनडीएमसी के पदों के लिए आरआर की अधिसूचना - निदेशक पद के लिए मौजूदा भर्ती नियम 1994 से पहले के नियमों से आगे बढ़ते हुए 04.09.2002 को अधिसूचित किए गए थे । मौजूदा आरआरएस के अनुसार निदेशक के पद की स्वीकृत संख्या 07 थी। अब ड्राफ्ट आरआर में निदेशक के पद की स्वीकृत संख्या 11 प्रस्तावित की गई है, क्योंकि (04) तत्कालीन अध्यक्ष, एनडीएमसी के अनुमोदन के बाद निदेशक के चार पद बनाए गए थे यानी निदेशक (जीए), निदेशक (कल्याण), निदेशक (सतर्कता) और निदेशक (आईटी) के पद। परिषद ने निदेशक पद के लिए भर्ती नियम बनाने/संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

5. एनडीएमसी में जूनियर इंजीनियर (सिविल) पद के लिए भर्ती नियमों (आरआर) के निर्धारण पर परिषद द्वारा विचार किया गया और निर्णय लिया गया कि जूनियर इंजीनियर (सिविल) (252 पद) के पद के लिए भर्ती नियमों को एक प्रावधान के साथ मंजूरी दी गई है। संविदा के आधार पर कार्यरत मौजूदा जूनियर इंजीनियरों को भी उक्त आरआर के तहत नियमित किया जा सकता है।

6. एनडीएमसी (एलोपैथी) भर्ती विनियमन के नियम -5 प्रारंभिक संविधान में संशोधन 31 मई 2007 को राजपत्र में अधिसूचित किया गया, बाद में 20-26 मई 2022 को संशोधित किया गया ताकि 30.06.2023 तक 3 वर्ष या उससे अधिक पूरा कर चुके प्रतिनियुक्तिकताओं को शामिल किया जा सके । सीधी भर्ती के लिए जीडीएमओ जीआर-क्क की स्वीकृत संख्या 86 के मुकाबले केवल 69 नियमित आधार पर काम कर रहे हैं, जिनमें 23 संविदा डॉक्टर (जीडीएमओ-11) भी शामिल हैं, जिनकी सेवाओं को सीएमएसई से डॉक्टरों की अत्यधिक कमी के कारण यूपीएससी के परामर्श से और एमएचए की मंजूरी के साथ 20/05/2022 से एनडीएमसी द्वारा नियमित किया गया है। एनडीएमसी में जीडीएमओ कैडर में अनुभवी डॉक्टरों की कमी को ध्यान में रखते हुए यह प्रस्तावित है कि एनडीएमसी (एलोपैथी) भर्ती विनियमन, 2007 और एनडीएमसी (एलोपैथी) भर्ती (संशोधन) विनियमन, 2023 के ह्लप्रारंभिक संविधानह्व में नियम 5 (4) के रूप में निम्नलिखित खंड शामिल किया जा सकता है। परिषद ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी ।

7. एनडीएमसी स्कूलों में सहायक शिक्षक (प्राथमिक) के पद के लिए भर्ती नियमों का निर्माण। सहायक अध्यापक (प्राथमिक) के पद के लिए आरआर को पहले परिषद द्वारा 18/06/2008 को अनुमोदित किया गया था। 7वें सीपीसी में वेतनमान में संशोधन और विभिन्न अद्यतनों के कारण भर्ती नियमों में संशोधन करना आवश्यक है। परिषद ने सहायक अध्यापक (प्राथमिक) के आरआर पद के लिए प्रस्ताव को मंजूरी दी ।

घोंडा विधायक व पार्षद प्रीती गुप्ता नें किया गलियों के निर्माण का शिलान्यास

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उत्तर पूर्वी दिल्ली : घोंडा विधानसभा विधायक अजय महावर एवं घौंडा वार्ड 231 से निगम पार्षद प्रीति गुप्ता क्षेत्र के विकास कार्यों एवं क्षेत्रवासियों की हर समस्या के समाधान के लिए भरसक प्रयास करते आ रहे हैं। इसी कड़ी में आज विधायक अजय महावर ने बुधवार को ङब्लॉक गंगोत्री विहार की 30, 21, 11 और 19 नम्बर गलियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने बताया इन गलियों के अलावा कई और गलियों का शिलान्यास भी जल्द करेंगे। इन गलियों की हालत काफी जर्जर अवस्था में हो गई थी। गलियों के निर्माण का कार्य लगभग 40 लाख की लागत से प्रोजेक्ट शाखा की ओर से किया जाएगा। क्षेत्रवासियों के लिए यह एक बड़ी समस्या बनी हुई थी। गड्ढों में जलभराव इत्यादि से उन्हें जल्द ही निजात मिल जाएगी। क्षेत्रवासियों ने गलियों के इस निर्माण कार्य के लिए विधायक अजय महावर एवं पार्षद प्रीति गुप्ता का के प्रयास कोई सराहा

सितंबर में शुरू होगा मोहल्ला बसों का परिचालन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की संकरी सड़कों पर बेहतर कनेक्टविटी के लिए मोहल्ला बसों की योजना फिलहाल देरी से चल रही है। आधिकारिक सूत्रों की मानें तो ये बसें सितंबर से पहले सड़कों पर नहीं उतर पाएंगी। इस देरी के पीछे दो कारण बताए जा रहे हैं। पहला कि मोहल्ला बसों के लिए नई बसों की पहली खेप आने में अभी एक माह से अधिक समय लगेगा। दूसरा बसों के परिचालन के लिए रूट को लेकर बनी समिति ने अभी तक अपनी रिपोर्ट नहीं दी है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बीते दिनों एक बैठक में इसे जल्द तैयार करने का निर्देश दिया था। दरअसल, दिल्ली सरकार संकरी सड़कों पर जहां 12 मीटर वाली बड़ी बसें नहीं जा सकती है या उनकी वजह से जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, वहां 9 मीटर वाली छोटी बसें चलाने की योजना बनाई थी। बजट में इसकी घोषणा के साथ मेट्रो की 200 से अधिक मिनी बसों के साथ मोहल्ला बस सेवा की शुरूआत करनी थी। रूट निर्धारण नहीं होने के कारण वह मामला तब टल गया था। उसके साथ 1900 नई छोटी बसें खरीदने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। यह फैसला किया गया कि नई बसों के साथ इसकी शुरूआत की जाएगी। मई में समिति का गठन किया : नई बसों के आने तक सरकार ने मई में रूट निर्धारण के लिए एक समिति का गठन कर दिया। समिति ने 1 से 15 जून के बीच 23 तकनीकी समिति के साथ रूट अध्ययन का सर्वे भी शुरू कर दिया। सर्वे में ऐसी सड़कें चिह्नित करनी थी, जहां 12 मीटर वाली बसें नहीं चल सकती हैं। इसके बाद सड़क नेटवर्क, सार्वजनिक परिवहन कनेक्टविटी, पैरा ट्रांजिट कनेक्टविटी (ई-रिक्शा, ग्रामीण सेवा व अन्य) और यात्रा की मांग का आकलन कर रूट निर्धारण करना था। हालांकि, अभी तक रूट निर्धारण समिति ने अपनी रिपोर्ट नहीं दी है। मोहल्ला बस योजना से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि देरी का प्रमुख कारण है कि बसें अभी तक आनी शुरू नहीं हुई है। बस आपूर्ति के लिए दो कंपनियों का चयन हुआ है, जिनमें से एक कंपनी अगस्त के अंत तक 150-200 बसों के आपूर्ति से शुरूआत करेगी। दूसरी कंपनी ने अभी तक कोई तारीख नहीं बताई है, इसलिए यह योजना थोड़ी देरी से चल रही है। दूसरा कारण रूटों का निर्धारण भी है जिस पर अभी काम चल रहा है। हालांकि, उनका कहना है कि जब तक बसें आएंगी, रूट्स का निर्धारण हो जाएगा। मोहल्ला बस के जरिए सरकार सार्वजनिक परिवहन की लास्ट माइल कनेक्टविटी के साथ संकरी सड़कों पर बसों के जरिए जाम खत्म करना चाहती है। इस योजना के तहत 2025 तक कुल 2180 बसें चलाने की योजना है।

दिल्ली सचिवालय में नव गठित पशु कल्याण बोर्ड की पहली बैठक का किया गया आयोजन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में आज दिल्ली सचिवालय में पशु कल्याण बोर्ड की पहली बैठक की गई` बैठक के बाद विकास मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में नव गठित पशु कल्याण के मुद्दों को लेकर दिल्ली पशु कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है` 19 वर्गों में विभाजित विधायक सोमदत्त और बन्दना कुमारी समेत कुल 27 सदस्य पशु कल्याण बोर्ड में शामिल किए गए है` यह बोर्ड दिल्ली में पशुओ के प्रति होने वाली क्रूरता की रोकथाम और उनकी बेहतरी के लिए कार्य करेगी` साथ ही दिल्ली में पशुओं के इलाज के लिए 5 मोबाइल वैन लगाने के लिए निर्देश दिए गए हैं और पशुओं के हेल्थ चेक अप के लिए सभी सुविधाओं से लैस 5 डायग्नोस्टिक सेंटर्स बनाने के भी निर्देश दिए गए है

दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय ने बताया कि केजरीवाल सरकार दिल्लीवासियों के साथ साथ दिल्ली में रहने वाले पशुओ के कल्याण के लिए कार्य करने में भी हमेशा कृतसंकल्प रही है` इसी बात को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में पशु कल्याण के मुद्दों के लिए पशु कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है इसी के चलते आज दिल्ली सचिवालय में नव गठित पशु कल्याण बोर्ड की पहली बैठक की गई` बैठक के दौरान बोर्ड के सदस्यों के साथ दिल्ली में पशुओं की बेहतरी के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई` चर्चा के दौरान मुख्यतः आवारा पशुओं की समस्या सामने आई उनके इलाज एवं अन्य तरह की व्यवस्थाओं के लिए 5 मोबाइल वैन लगाने के लिए निर्देश दिए गए हैं और पशुओं के हेल्थ चेक अप के लिए सभी सुविधाओं से लैस 5 डायग्नोस्टिक सेंटर्स बनाने के भी निर्देश दिए गए है उन्होंने बताया कि पशु कल्याण बोर्ड पशु कल्याण से संबंधित कानूनों का दिल्ली में सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने, इस कार्य से जुड़ी संस्थाओं की मदद करने इस संबंध में परामर्श देने का कार्य करता है` 19 वर्गों में विभाजित 27 सदस्यों के इस पशु कल्याण बोर्ड में आज विधायक सोमदत्त और बन्दना कुमारी समेत राज्य में पशु कल्याण कार्यो में सक्रिय रूप से कार्यरत लोग , सम्बंधित विभाग के उच्च अधिकारी ; एसपीसीए ,गौशालाओ और भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल रहे इस बोर्ड का मुख्य उद्देश्य है कि सभी प्रकार के जीवों की पीड़ा से बचाव करना और उनकी बेहतरी के लिए रोडमैप तैयार करना। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय ने बताया कि यह बोर्ड पशु कल्याण से संबंधित कानूनों का दिल्ली में सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने और इस कार्य से जुड़ी संस्थाओं की मदद करने का कार्य करेगा` दिल्ली के 11 जिलों में पशु कल्याण कार्यो में शमिल संगठनो / निकायों को दिशानिदेर्शों सहित वित्तीय और तकनिकी सहायता भी प्रदान करेगा` इसके लिए यह बोर्ड शासन निकाय के रूप में कार्यरत रहेगा।

केंद्रीय विद्यालय, एनटीपीसी बदरपुर को बंद करना समाज के हितों के खिलाफ : अदालत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि बदरपुर में केंद्रीय विद्यालय एनटीपीसी को इस आधार पर बंद करना समाज के लिए नुकसानदेह होगा कि अब बिजली संयंत्र बंद हो गया है। अदालत ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि संस्थान चलता रहे। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि जब तक दिल्ली के उपराज्यपाल की अध्यक्षता में एक समिति कोई समाधान नहीं निकालती, तब तक एनटीपीसी स्कूल का वित्तपोषण जारी रखेगी। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) का स्वामित्व और नियंत्रण सरकार के पास है। स्कूल में स्थानीय बच्चे पढ़ते हैं।

पीठ ने कहा, अदालत को उम्मीद है कि समिति इस मुद्दे का समाधान करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 1981 से संचालित हो रहा स्कूल बंद न हो। कहने की जरूरत नहीं है कि समाधान निकलने तक एनटीपीसी संबंधित स्कूल का वित्तपोषण करता रहेगा। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव नरूला भी शामिल हैं। अदालत ने कहा कि उपराज्यपाल और मुख्य सचिव (नोडल अधिकारी के तौर पर) के अलावा समिति में केंद्रीय विद्यालय संगठन आयुक्त, संबंधित मंत्रालय का एक अधिकारी और अभिभावकों तथा शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों के साथ-साथ एनटीपीसी शामिल होगी।

अदालत का आदेश गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) सोशल जूरिस्ट की याचिका पर आया है जिसने केंद्रीय विद्यालय एनटीपीसी बदरपुर को कथित रूप से बंद करने के खिलाफ याचिका दायर की थी।

इससे पहले अदालत ने स्कूल को बंद नहीं करने का आदेश दिया था।

सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि पांच साल पहले बिजली संयंत्र के बंद होने के बाद वहां कार्यरत अधिकारियों के बच्चे अब स्कूल में नहीं पढ़ रहे हैं और जमीन भी केंद्र को सौंप दी गई है।

अदालत ने टिप्पणी की कि स्कूल को बंद नहीं किया जा सकता, क्योंकि आसपास के इलाकों के बच्चे विद्यालय में पढ़ते हैं और एनटीपीसी स्कूल बंद करने की मांग नहीं कर सकता। मामले की अगली सुनवाई आठ नवंबर को होगी।

नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला इलाके के स्वतंत्र नगर में एक नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि नाबालिग पर बदमाशों ने करीब दर्जन बार हमला किया। घटना बुधवार देर रात की है। मृतक की पहचान राहुल उर्फ डमरू (17) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। वहीं नरेला थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर उक्त मामले में नाबालिग समेत दो लोगों को पकड़ा है। जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब हुई, जब राहुल उर्फ डमरू अपने एक दोस्त के साथ घर के पास ही खड़ा था, तभी दीपक और उसका नाबालिग भाई उसके पास आए और उससे झगड़ने लगे। इसके बाद नाबालिग और दीपक दोनों ने ही डमरू पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया। ऐसे में बीच-बचाव करने के लिए जब डमरू के दोस्त आए तो वह भी इस चाकूबाजी में घायल हो गए। आरोपितों ने डमरू पर चाकू से करीब दर्जन बार हमला किया गया और मौके से फरार हो गए। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को नजदीकी हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मृतक के परिजनों को इस बात की जानकारी दी गई।

स्वामी विवेकानन्द सम्मान से सम्मानित किया गया विपिन शर्मा को : मुकेश पांचाल

नई दिल्ली। रोहताश नगर ब्लॉक कॉन्ग्रेस कमेटी ने पूर्व विधायक विपिन शर्मा का जन्मदिन राजकुमार शर्मा की अध्यक्षता में धूमधाम से मनाया इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार प्रमुख समाजसेवी अश्वनी कुमार भारद्वाज भी मौजूद रहे। अन्य मौजूद लोगो में पीतांबर जोशी, डॉ जय जय राम अरुण पाल, रामकिशन पांचाल, रवीश पांचाल, राजवीर सिंह, ईश्वर सिंह, जवाहर सिंह कुशवाहा, बिट्टू पंडित, पीतांबर शर्मा, रियाज अहमद, कृष्णा शांडिल्य, आरडी कौशिक, बृजेश कुमार, नत्थू राम, शिवदत्त शर्मा, राजेंद्र कुमार, राजू विश्वकर्मा, राजेश शर्मा, शिवकुमार शर्मा के अलावा अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश पांचाल ने कहा कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्व विधायक विपिन शर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया मुकेश पांचाल ने विपिन शर्मा के लिए भगवान से उनकी लंबी आयु की प्रार्थना की और कहा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी को जो भी कार्य दिल्ली प्रदेश या जिले से मिलते हैं वह हम करते हैं अश्वनी भारद्वाज ने विपिन शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश पांचाल की भूरी भूरी प्रशंसा की सभी ने मिलकर विपिन शर्मा को शॉल एवं पगड़ी पहनाकर के सम्मानित किया। इस अवसर पर विपिन शर्मा को स्वामी विवेकानंद सम्मान से सम्मानित किया गया विपिन शर्मा ने कहा रोहतास नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का मैं हृदय से धन्यवाद करता हूं जिन्होंने पूरी टीम के साथ मिलकर मुझे सम्मानित किया। विपिन शर्मा ने सभी को धन्यवाद कहा मुकेश पांचाल ने सभी आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया जन्मदिन पर विपिन शर्मा को जय जय राम अरुण ने अपनी पुस्तक भेंट की।

सराफा कारोबारी की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। मध्य जिले के करोल बाग के बीडनपुरा इलाके में बुधवार रात को बदमाशों ने एक सराफा कारोबारी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना देर रात 11 बजे की बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र के रहने वाले प्रताप जाधव नामक के व्यक्ति को कुछ लोगों ने चाकू मारकर फरार हो गए। प्रताप जाधव की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक प्रताप जाधव घर से सोने का कारोबार करते थे और सोना कारोबारियों को यहीं से सोने की सप्लाई का काम किया करते थे। पड़ोस में रहने वाले लोगों ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस व एफएसएल की टीम सहित क्राइम इंवेस्टिगेशन की टीम को बुलाकर जांच की गई। शुरूआती जांच में पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को चेक किया तो उसमें चार लोग दिखे। पुलिस के अनुसार मृतक प्रताप जाधव के पास दो कर्मचारी भी काम कर रहे थे, जिनकी पहचान गणेश और सुदीप के रूप में हुई है। पुलिस ने फिलहाल कर्नाटक के रहने वाले सुदीप नामक कर्मचारी को हिरासत में ले लिया है और उससे लगातार पूछताछ की जा रही है।

विधायक दुर्गेश पाठक के नेतृत्व में राजेंद्र नगर विधानसभा में एक और मोहल्ला क्लीनिक बनाने का काम हुआ शुरू

- ओल्ड राजेंद्र नगर और न्यू राजेंद्र नगर के निवासियों के लिए शंकर रोड पर नए मोहल्ला क्लीनिक का निर्माण शुरू हो गया है- दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आप विधायक दुर्गेश पाठक के नेतृत्व में राजेंद्र नगर विधानसभा में एक और मोहल्ला क्लीनिक बनाने का काम शुरू हो गया है। दुर्गेश पाठक ने कहा कि ओल्ड राजेंद्र नगर और न्यू राजेंद्र नगर के निवासियों के लिए शंकर रोड पर नए मोहल्ला क्लीनिक का निर्माण शुरू हो गया है। पिछले चार महीनों में राजेंद्र नगर में बनने वाला यह चौथा मोहल्ला क्लीनिक है। निवासी जल्द ही यहां मुफ्त इलाज करा सकेंगे। जनता से किए वादे के अनुसार राजेंद्र नगर में अभी और मोहल्ला क्लीनिक बनाए जाएंगे, जिनका निर्माण जल्द शुरू होगा। उन्होंने कहा कि यह सब दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के बिना बिलकुल संभव नहीं था। मैं उनका दिल से धन्यवाद करता हूं।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता, एमसीडी प्रभारी एवं राजेंद्र नगर के विधायक दुर्गेश पाठक ने गुरुवार को कहा कि आम आदमी पार्टी ने हमेशा ही स्वास्थ्य और शिक्षा को सबसे ज्यादा महत्व दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने पर लगातार काम किया जाता है। इसी के तहत दिल्ली में आए दिन नए अस्पतालों और मोहल्ला क्लिनिकों का उद्घाटन होता है। इस कड़ी में ओल्ड राजेंद्र नगर और न्यू राजेंद्र नगर के निवासियों के लिए शंकर रोड पर एक और मोहल्ला क्लीनिक का निर्माण शुरू हो गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले चार महीनों में राजेंद्र नगर में तीन मोहल्ला क्लीनिक बनकर तैयार हो चुके हैं। अब यह चौथा मोहल्ला क्लीनिक भी जल्द बनकर तैयार हो जाएगा। ओल्ड राजेंद्र नगर और न्यू राजेंद्र नगर के निवासी जल्द ही यहां मुफ्त इलाज करा सकेंगे। जब राजेंद्र नगर की जनता ने मुझे अपना विधायक चुना था, मैंने बड़े स्तर पर मोहल्ला क्लीनिक बनवाने का वादा किया था, जिसपर लगातार काम जारी है। राजेंद्र नगर निवासियों के लिए अभी और मोहल्ला क्लीनिक बनाए जाएंगे, जिनका निर्माण जल्द शुरू होगा। यह सब दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के बिना बिलकुल संभव नहीं था। इसके लिए मैं उनका दिल से धन्यवाद करता हूं।

घर पर फायरिंग करने पहुंचे दो लड़कों को दबोचा

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में तीन लड़के एक युवक के घर पर फायरिंग करने पहुंचे। इस दौरान युवक ने बालकनी से उन्हें देख लिया। वह शोर मचाने लगा तो आरोपी भागने लगे। इतने में पड़ोसियों ने दो को पकड़ लिया, जबकि एक फरार हो गया। पकड़े गए साहिल और अफताब से एक पिस्टल और दो कारतूस बरामद हुए। पीड़ित 25 वर्षीय मो. साहिल परिवार के साथ खजूरी खास की श्रीराम कॉलोनी में रहते है और घर पर ही फैक्टरी के लिए काम करते हैं। मो. साहिल के अनुसार, 25 जुलाई को वह अपने घर पर काम कर रहे थे, उन्होंने बालकनी से बाहर देखा तो तीन लड़के उनके घर के नीचे खड़े थे। उनके हाथ में पिस्टल थी और वह घर पर फायरिंग करने के लिए निशाना लगा रहे थे। इसे देखकर वह शोर मचाने लगे। तीनों वहां से भागने लगे तो पड़ोसियों ने दो को पकड़ लिया। जबकि एक भाग गया। प्राथमिक पूछताछ में आपसी रंजिश की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है।

दिल्ली - शहर में चार दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन

- चार दिवसीय मेले में 20+ से अधिक शैलियों की 10 लाख से अधिक नई पुस्तकें प्रदर्शित की जाएंगी।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

किताब लवर्स बुक फेयर को जो खास बनाता है, वह इसका अभिनव लोड द बॉक्स कॉन्सेप्ट है बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, चाहे ग्राहक रहस्य, स्व-सहायता, रोमांस या फिक्शन में हों, हमारे पास सभी के लिए किताबें हैं।

शहर में चार दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किताब लवर्स द्वारा सस्ती कीमत पर किताबें बेचने के लिए किया गया है। पुस्तक मेला आगा खान हॉल, भगवान दास लेन, मंडी हाउस, नई दिल्ली, में (27 जुलाई) से शुरू हो रहा है और 30 जुलाई को समाप्त होगा।

चार दिवसीय कार्यक्रम में 20+ से अधिक शैलियों की 10 लाख से अधिक नई और पहले से पसंद की गई पुस्तकें प्रदर्शित की जाएंगी।

किताब लवर्स बुक फेयर को जो खास बनाता है, वह इसका अभिनव लोड द बॉक्स कॉन्सेप्ट है, जिसमें मेले में आने वाले ग्राहक एक बॉक्स के लिए एकमुश्त भुगतान कर सकते हैं और बॉक्स में जितनी किताबें आ सकती हैं, उतनी किताबें भर सकते हैं। बॉक्स 1200 रुपये से लेकर 3000 रुपये तक तीन साइज में उपलब्ध हैं।

मेले के बारे में बात करते हुए, किताब लवर्स के सह-संस्थापक, राहुल पांडे ने कहा, हम दिल्ली में पुस्तक मेले की मेजबानी करके खुश हैं। शहर में यह हमारा चौथा कार्यक्रम है और हम वापस आकर बहुत खुश हैं। हमारा पुस्तक मेला सबसे सस्ती कीमत पर किताबें प्रदान करता है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पुस्तक पाठकों की एक विस्तृत श्रृंखला को सेवा प्रदान करता है। बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, चाहे ग्राहक रहस्य, स्व-सहायता, रोमांस या फिक्शन में हों, हमारे पास सभी के लिए किताबें हैं।

भारतीयों की पुस्तक पढ़ने की आदतों के बारे में बात करते हुए, राहुल ने कहा, विशेष रूप से आज के डिजिटल युग में, किताब पढ़ने की आदत में भारी गिरावट आई है। जबकि इंटरनेट और सोशल मीडिया हमें जबरदस्त मनोरंजन प्रदान करते हैं, वे कभी भी उस ज्ञान की संपत्ति को प्रतिस्थापित नहीं कर सकते जो एक अच्छी किताब पेश कर सकती है। हम अधिक लोगों, विशेष रूप से माता-पिता से हमारे पुस्तक मेले मे

शीर्ष अदालत के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए जारी किए गए अध्यादेशों में दिल्ली अध्यादेश नवीनतम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केंद्र ने उच्चतम न्यायालय के फैसलों को निष्प्रभावी बनाने के लिए समय-समय पर अध्यादेश जारी किए हैं और दिल्ली सरकार से सेवाओं पर नियंत्रण वापस लेने से संबंधित अध्यादेश इस कड़ी में नवीनतम है। केंद्र ने उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के बाद दिल्ली एनसीटी सरकार (संशोधन) अध्यादेश जारी किया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उस विधेयक को मंगलवार को मंजूरी दे दी जो दिल्ली में समूह-ए अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग के लिए एक प्राधिकरण के गठन के लिए घोषित अध्यादेश की जगह लेगा। गृह मंत्री अमित शाह अगले सोमवार को इस विधेयक को लोकसभा में पेश करेंगे। जब संसद का सत्र नहीं चल रहा हो तो महत्वपूर्ण मुद्दों पर न्यायिक घोषणाओं को निष्प्रभावी बनाने के लिए सरकार को अध्यादेश जारी करने का अधिकार है। आजादी के बाद से विभिन्न सरकारों ने अध्यादेश जारी करने के अधिकार का प्रयोग किया है। केंद्र ने 19 मई को दिल्ली में समूह-ए अधिकारियों के तबादले और पदस्थापन के लिए एक प्राधिकरण बनाने के वास्ते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश, 2023 जारी किया था। उससे एक सप्ताह पहले उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में पुलिस, लोक व्यवस्था और भूमि को छोड़कर विभिन्न सेवाओं का नियंत्रण निर्वाचित सरकार को सौंपने का आदेश दिया था।

उससे पहले, केंद्र ने दो अध्यादेश जारी किए थे जो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशकों के कार्यकाल को पांच साल तक बढ़ाने के प्रावधान से संबंधित थे।

ये अध्यादेश 2021 में सर्वोच्च अदालत के उस फैसले के बाद जारी किए गए कि सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर चुके अधिकारियों के कार्यकाल का विस्तार केवल विशेष मामलों में ही किया जाना चाहिए।

इसी प्रकार एक अन्य मामले में, केंद्र सरकार ने न्यायाधिकरण सुधार अध्यादेश, 2021 जारी किया जिसमें न्यायाधिकरण के सदस्यों के कार्यकाल, सेवानिवृत्ति की आयु और सेवा शर्तों को निर्धारित किया गया। अध्यादेश में न्यायाधिकरणों के अध्यक्षों और सदस्यों का कार्यकाल सर्वोच्च अदालत द्वारा निर्धारित पांच साल को कम कर चार साल कर दिया गया। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कानून के तहत की गई गिरफ्तारी के खिलाफ कुछ सुरक्षा उपायों पर सर्वोच्च अदालत के आदेश को निष्प्रभावी करने के लिए वर्ष 2018 में एक अध्यादेश जारी किया गया था। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक, सरकार सर्वोच्च अदालत के फैसलों को दरकिनार करने के लिए अध्यादेश जारी करती रही है। इस संबंध में पहला उदाहरण 1951 में चंपकम दोरैराजन मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए एक संशोधन विधेयक पारित किया गया था। यह मामला 1950 में मद्रास में कॉलेज में दाखिला में आरक्षण प्रणाली से संबंधित था जो मद्रास प्रेसीडेंसी द्वारा 1927 में जारी ह्यसांप्रदायिक सरकारी आदेशह्व (सीजीओ) पर आधारित था। इसके तहत सरकारी कॉलेजों में दाखिला और नौकरियों के लिए किसी व्यक्ति की जाति पर विचार किया जाता था। उच्चतम न्यायालय ने तब कहा था कि सीजीओ के आधार पर प्रवेश नहीं दिया जा सकता है।

इस फैसले को निष्प्रभावी करने के

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 28 जुलाई, 2023

जहां झुग्गी-वहीं मकान के तहत आवंटित फ्लैट्स में धांधली कर गरीबों को दिल्ली से भगा रही मोदी सरकार - राजेश गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की झुग्गियों में रहने वाले गरीब लोगों को आवंटित फ्लैट में हो रही धांधली पर आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। गुरुवार को आप विधायक राजेश गुप्ता ने कहा कि जहां झुग्गी-वहीं मकान के तहत आवंटित फ्लैट्स में धांधली कर केंद्र सरकार झुग्गियों में रह रहे गरीब लोगों को दिल्ली से भगा रही है। केंद्र की एजेंसी डीडीए ने इस योजना के तहत वजीरपुर विधानसभा क्षेत्र में कुछ फ्लैट्स बनाए हैं। जिनके आवंटियों को 1,76,400 रुपए जमा करने को कहा गया है, जबकि गरीबी के चलाते ये लोग इतना पैसा नहीं जमा कर सकते। डीडीए द्वारा लोन दिलाने का इंतजाम भी नहीं किया गया है। अब इसका फायदा उठाते हुए कुछ प्राइवेट कंपनियां 12 फीसद ब्याज पर होम लोन दे रही हैं। वहीं, जिन लोगों के पास पैसे का इंतजाम नहीं है, उनको डीलर्स बहला फुसला मात्र दो लाख रुपए उनके फ्लैट्स को खरीद रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक राजेश गुप्ता ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार दिल्ली से गरीबों को भगाना चाहती है। केंद्र सरकार ने होर्डिंग्स और विज्ञापनों में कहा था कि जहां झुग्गी, वही मकान मोदी जी दे रहे हैं, लेकिन सच्चाई कुछ और ही है। वजीरपुर विधानसभा क्षेत्र में डीडीए ने कुछ फ्लैट्स बनाएं है। उस फ्लैट्स में योग्य लोगों को धांधली करके अयोग्य करार दिया जा रहा है। इसको लेकर एलजी बीके सक्सेना और डीडीए को लगातार चिट्ठी लिखी गई, लेकिन उसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं आया और ना ही किसी ने इस पर बात करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि 20 सालों से उन झुग्गियों में रह रहे पात्र लोग आज भी धक्के खा रहे है। फ्लैट्स बनने से पहले ही वहां रहने वाली माताएं-बहने जिस शौचालय में जाती थी, लेकिन उसे भी बाग बनाने के नाम पर तोड़ दिया गया। जिसका उद्घाटन एलजी ने खुद किया था। वहीं जिन लोगों को फ्लैट्स का एलॉटमेंट हुआ, उनको केंद्र सरकार के डीडीए का कहना है कि सभी आवंटियों को 1,76,400 रुपए जमा करने होंगे, लेकिन घरों में काम करने वाली महिलाएं, पटरी लगाने वाले और रिक्शा चलाने वाले लोगों के लिए 1 लाख 76 हजार रुपए वैसे ही है, जैसे मध्यम वर्ग के लिए 1 करोड़ 76 लाख रुपया है, क्योंकि इनके घर में कुछ नहीं है।

विधायक राजेश गुप्ता ने पत्रकार वार्ता में मौजूद एक महिला का उदाहरण देते हुए कहा कि इस माताजी के पास कुछ भी नहीं है। इनके पास ना तो इनके बच्चे हैं और ना ही इनका कोई देखरेख करने वाला है। ये आज तक किसी प्रकार का फोन भी उपयोग नहीं करती हैं। ऐसे ही कई लोग हैं। ऐसी स्थिति में डीडीए को लोन कराने का निर्देश दिया गया, लेकिन डीडीए के पास लोन देने वाला कोई नहीं है। इसका फायदा कुछ प्राइवेट कंपनियों ने उठाया। ये कंपनियां जो सामान्य होम लोन 6 परसेंट से 8 प्रतिशत ब्याज पर देती है, वही लोन इन लोगों को 12 परसेंट ब्याज पर दिया जा रहा है, क्योंकि ये लोग गरीब है। उसमें भी जो लोग कहीं नौकरी करते हैं और उनके मालिकों ने ये कह दिया कि हमारे यहां ड्राइवर है तो उसको लोन मिल गया, लेकिन जो लोग अंगूठा छाप है और जिसका कोई नहीं है, उनको कोई लोन नहीं मिल रहा है, क्योंकि कंपनी का कहना है कि ये भरेंगे कैसे?

विधायक राजेश गुप्ता ने कहा कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि जिन झुग्गियों में ये लोग रहते हैं, उसको खाली कराया जाएगा और उन झुग्गियों को हटाकर वहां बहुत बड़ा कॉम्प्लेक्स बनाने की तैयारी की जा रही है। वही जब इन लोगों के पास पैसे की व्यवस्था नहीं हुई तो इन्होंने दो लाख रुपये में फ्लैट को बेचने का सोच लिया। तब इसका फायदा उठाने के लिए वहां बहुत सारे डीलर पहुंच गए। उन डीलर्स को 3 दिन पहले आम आदमी पार्टी के कुछ कार्यकताओं ने पकड़ लिया। उसके बाद उन डीलर्स ने बताया कि वे उन लोगों को बहला-फुसलाकर दो लाख में फ्लैट्स खरीद रहे हैं और उन्हें गांव भेजने के लिए टिकट कराने का भी झांसा दे रहे हैं। पूरे षड्यंत्र के तहत गरीब आदमी को दिल्ली से भगाया जा रहा है। जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी दिल्ली की सेवा में बिताई और उनके भाग्य में जो फ्लैट आया था, वो भी आज इनके भाग्य में नहीं है। क्योंकि पैसा नहीं भरने पर डीडीए उस आवंटन कैंसिल कर देगा। माहौल बनाकर केंद्र सरकार गरीबों से उनका फ्लैट छीन कर उन्हें दिल्ली से भगाने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली में फिर से उफान पर यमुना नदी, खतरे के निशान के ऊपर पहुंचा जलस्तर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

यमुना एक बार फिर से उफान पर है। मंगलवार शाम सात बजे जलस्तर खतरे के निशान 205.33 से जलस्तर नीचे पहुंचा था, लेकिन 24 घंटे भी यह स्थिति नहीं रही। बुधवार अपराह्न तीन बजे फिर से यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचा और उसके बाद इसमें आहिस्ता-आहिस्ता बढ़ोतरी हो रही है।

बुधवार की बारिश का यमुना पर असर बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे यह 205.75 मीटर तक पहुंच गया है। बुधवार को दिल्ली सहित उत्तर भारत के अन्य राज्यों में हुई वर्षा का असर यमुना में दिखने लगा है। इसके जलस्तर में वृद्धि हो रही है। बुधवार को दिन में हथनी कुंड से कुछ ज्यादा पानी छोड़ा गया था, लेकिन रात से इसमें कमी आई है।

बृहस्पतिवार को सुबह प्रति घंटे 40 हजार क्यूसेक से कम पानी छोड़ा जा रहा है। बाढ़ विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यमुना का जलस्तर मौसम पर निर्भर करेगा। यदि दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य राज्यों में ज्यादा बारिश हुई तो जलस्तर बढ़ता रहेगा और 206 मीटर के स्तर को पार कर जाएगा।

मौसम ठीक रहने पर आएगी कमी

मौसम ठीक रहने पर इसमें कमी आएगी। जलस्तर बढ़ने से निचले क्षेत्र में पानी भरने का खतरा बरकरार है, इसलिए लोगों को खादर क्षेत्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

समय-हथनी कुंड से छोड़ा गया पानी (क्यूसेक)

मध्यरात्रि एक बजे-39089
तड़के दो बजे36360
तड़के तीन बजे-41373
तड़के चार बजे-41373
तड़के पांच बजे-38499
सुबह छह बजे-37788

समय-यमुना का जलस्तर (मीटर)

मध्यरात्रि एक बजे-205.48
तड़के दो बजे-205.50
तड़के तीन बजे-205.52
तड़के चार बजे-205.58
तड़के पांच बजे-205.60
सुबह छह बजे-205.65
सुबह सात बजे-205.69
सुबह आठ बजे-205.75

दिल्ली में सगे भाइयों ने पड़ोसी की चाकू से गोद-गोदकर की हत्या, एक साल से चल रहा था विवाद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नरेला के स्वतंत्र नगर में बुधवार रात एक ही इमारत में रहने वाले भाइयों ने पड़ोसी युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। युवक की पहचान राहुल के रूप में हुई है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने इस मामले में नाबालिग समेत दो को पकड़ा है। आरोपित की पहचान दीपक के रूप में हुई है। दीपक और राहुल में काफी समय से थी अनबन चश्मदीद ने बताया कि दीपक व राहुल में काफी समय से अनबन रहती थी। बुधवार देर रात कहासुनी हुई और उसके बाद दीपक व उसके भाई ने चाकू से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। एक ही इमारत में पहली व दूसरी मंजिल पर रहते हैं दोनों पड़ोसी बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त रवि सिंह ने बताया कि नरेला थाना पुलिस को बुधवार रात जानकारी मिली थी कि एक आदमी को गर्दन व पेट में चाकू मार दिया गया है। पुलिस खून से लथपथ राहुल को सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच के दौरान पता लगा कि स्वतंत्र नगर के दीपक व उसके नाबालिग भाई का राहुल के साथ झगड़ा हुआ था। दोनों पड़ोसी हैं और एक ही इमारत में पहली व दूसरी मंजिल पर रहते हैं। उनके बीच में एक वर्ष से विवाद चल रहा था। बुधवार रात को उनका फिर से झगड़ा हुआ। इसके बाद नाबालिग ने राहुल को पकड़ा व उसके बड़े भाई दीपक ने उस पर चाकू से वार कर दिए। क्राइम टीम ने साक्ष्य जुटाए व चाकू जब्त किया। इसके बाद दोनों भाइयों को पकड़ लिया। मामले में आगे की जांच जारी है।

कंझावला हिट एंड रन मामला: अदालत ने सात आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी की एक सत्र अदालत ने इस साल के शुरू में हुए कंझावला हिट-एंड-रन मामले में सात आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का बृहस्पतिवार को निर्देश दिया।

नव वर्ष पर कंझावला इलाके में 20 वर्षीय युवती के कार में फंसने के बाद उसे काफी दूर तक घसीटा गया था जिससे उनकी मौत हो गई थी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नीरज गौड़ ने कार में सवार अमित खन्ना, कृष्ण, मनोज मित्तल और मिथुन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 120बी (साज़िश), 201 (सबूत मिटाना या अपराधी को शरण देने के लिए झूठी जानकारी देना), और 212 (आरोपी को शरण देना) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया।

अमित खन्ना पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का भी आरोप लगाया गया है। अदालत ने तीन अन्य सह आरोपियों- आशुतोष भारद्वाज, अंकुश और दीपक खन्ना को आपराधिक साज़िश के आरोप से मुक्त कर दिया, लेकिन उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 182 (झूठी जानकारी देना), 34 (साझा मंशा), 201 और 212 के तहत आरोप तय करने का निर्देश दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नीरज गौड़ ने आधिकारिक तौर पर आरोप तय करने के लिए मामले को 14 अगस्त के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

पुलिस ने दीपक खन्ना, अमित खन्ना, कृष्ण, मिथुन और मनोज मित्तल को दो जनवरी को गिरफ्तार किया था। सह आरोपी आशुतोष भारद्वाज और अंकुश को बाद में एक मेट्रोपोलिटिन मजिस्ट्रेट की अदालत ने जमानत दे दी थी जबकि मौजूदा अदालत ने दीपक खन्ना को 13 मई को राहत प्रदान कर दी थी।

दिल्ली पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ एक अप्रैल को 800 पन्नों का आरोप पत्र दायर किया था और बाद में मामला सत्र अदालत को भेजा दिया था।

दिल्ली के नरेला में 17 वर्षीय किशोर की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के नरेला इलाके में दो भाइयों ने एक 17 वर्षीय किशोर की कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी और पीड़ित दोनों एक ही इमारत में रहते थे और दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। उसने बताया कि पुलिस को बृहस्पतिवार देर रात दो बजकर 14 मिनट पर पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली कि एक लड़के के गर्दन और पेट पर चाकू से हमला किया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और एक लड़के को खून से लथपथ पाया, जिसकी पहचान पुलिस ने नरेला के स्वतंत्र नगर निवासी राहुल के रूप में की। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) रवि कुमार सिंह ने बताया राहुल को एसआरएचसी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात दो भाइयों का राहुल से झगड़ा हुआ था और झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया था। दोनों आरोपी भाइयों में एक नाबालिग है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झगड़े के दौरान दोनों भाइयों में से छोटे भाई ने राहुल को पकड़ लिया और दूसरे ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।

दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर दिल्लीवासियों के लिए यूपी तक टोल फ्री यात्रा की मांग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी की सीमा में दिल्ली-सहारनपुर हाईवे 709बी का निर्माण कार्य 60 प्रतिशत पूरा हो चुका है। लोग मांग कर रहे हैं कि इस हाईवे पर दिल्लीवासियों के लिए उत्तर प्रदेश तक का सफर टोल टैक्स मुक्त रखा जाए। साथ ही सोनिया विहार जी- ब्लाक के सामने अंडरपास बनाने की मांग की है। सोनिया विहार एवं करावल नगर सुधार समितियों ने उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी के समक्ष कुछ मांगें रखीं थी। उनके संबंध में सांसद ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के अधिकारियों के साथ बैठक कर हाईवे के निर्माण कार्य की जानकारी ली और समितियों द्वारा रखी गई कुछ मांगों पर विचार विमर्श किया। समितियों के पदाधिकारियों ने सोनिया विहार जी- ब्लाक के सामने अंडरपास बनाने और दिल्लीवासियों को यूपी से घूमकर दिल्ली में ही आने पर टोल टैक्स में छूट की मांग की। सभापुर के पार्षद बृजेश सिंह ने पानी निकासी के लिए नाला बनाने का प्रस्ताव रखा। वहीं, करावल नगर पश्चिम के पार्षद मास्टर सतपाल सिंह ने हाईवे निर्माण के बीच में आने वाले निगम के डलावघर को तोड़े जाने के बाद उसका पुनर्निर्माण करने की मांग की। 60 प्रतिशत पूरा हो चुका है हाईवे का निर्माण कार्य सांसद मनोज तिवारी ने एनएचएआइ के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार को मांगों पर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए तो अधिकारियों ने हर संभव प्रयास कर समस्याओं के निदान का भरोसा दिलाया। इस मौके पर सांसद ने जानकारी दी की हाईवे का निर्माण कार्य 60 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस बैठक में करावल नगर के विधायक मोहन सिंह बिष्ट, भाजपा के उत्तर पूर्वी जिला उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी, पूर्वांचल मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनुपम पांडे आदि मौजूद रहे।

हम मणिपुर के लोगों के साथ खड़े - राघव चड्ढा

- केंद्र को अनुच्छेद 355 और 356 लागू करने के साथ ही सीएम एन बीरेन सिंह को बर्खास्त कर मणिपुर में शांति सुनिश्चित करनी चाहिए- राघव चड्ढा
- मणिपुर में भाजपा सरकार की विफलताओं के विरोध में काले कपड़े में संसद पहुंचे इंडिया गठबंधन के सदस्य- राघव चड्ढा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मणिपुर में भाजपा सरकार की विफलताओं के विरोध में गुरुवार को काले कपड़े पहन कर इंडिया गठबंधन के सभी सांसद संसद पहुंचे। इस दौरान आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने मणिपुर में जारी हिंसा को रोकने में असफल रहने के लिए भाजपा की राज्य व केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए हमला बोला। उन्होंने कहा कि मणिपुर भारत का अभिन्न अंग है और वो अशांति का सामना कर रहा है। लेकिन मोदी सरकार मणिपुर में शांति बहाल करने और अपने संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने में लगातार विफल हो रही है।

गुरुवार को इंडिया गठबंधन से जुड़े सांसदों ने मणिपुर के लोगों पर हो रहे अत्याचारों और क्रूरता के विरोध में संसद में काले कपड़े पहनकर पहुंचे। इस दौरान राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने कहा कि यह संकट के समय में मणिपुर के लोगों के साथ एकजुट होकर खड़े होने का एक प्रतीकात्मक विरोध है। उन्होंने आगे कहा कि इसका उद्देश्य सरकार को यह बताना है कि मणिपुर के लोगों की पीड़ा पर चुप्पी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं है और केंद्र को हर हाल में निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए।

राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने खासकर अनुच्छेद 355 और 356 का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संविधान के अनुसार मणिपुर में हस्तक्षेप करना और उसकी रक्षा करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार को तत्काल भंग करने और मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को बर्खास्त करने की मांग की।

विकास कार्यों को लेकर उपाध्यक्ष से मिले मनोज तिवारी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र में डीडीए को प्रस्तावित एवं लंबित कार्यों की समीक्षा करने के लिए सांसद मनोज तिवारी ने आज दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुभाशीष पांडा एवं संबंधित विभागों के मुख्य अधिकारियों के साथ बैठक की एवं कार्य प्रगति की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली इस अवसर पर डीडीए के योजना, भूमि प्रबंधन, उद्यान विभाग, अभियांत्रिकी विभाग खेल विभाग, विद्युत विभाग सहित सभी संबंधित विभाग के विभाग प्रमुख एवं सांसद प्रतिनिधि आनंद त्रिवेदी मौजूद रहे। मनोज तिवारी ने स्वयं द्वारा प्रस्तावित एवं लंबित शास्त्री पार्क कन्वेंशन सेंटर मिनी स्पोर्ट्स कंपलेक्स शास्त्री पार्क यमुना रिवर फ्रंट मुकुंदपुर में 24 एकड़ जमीन पर झील पार्क एवं खेल का मैदान झड़ौदा माजरा में 13 एकड़ जमीन पर मिनी स्पोर्ट्स कंपलेक्स केंद्रीय विद्यालय भूमि आवंटन बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम पार्क एवं दिव्यांगों के दो छात्रावास गोपालपुर गांव में 10 एकड़ का पार्क पांच समुदाय भवन एवं प्रस्तावित नए पार्क बनाने और डीडीए जमीनों की सुरक्षा करने के लिए खाली पड़ी जमीनों की चारदीवारी करने का मामला दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुभाशीष पांडा के समक्ष रखा और उन्हें शीघ्र कार्य निपटाने की मांग की तो दिल्ली विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने संबंधित विभाग प्रमुखों को लंबित कार्यों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए।

दिन दोगुनी रात चौगुनी कमाई कर रहे सेक्सटॉर्शन रैकेट्स, पुलिस बोली- सख्त कानून की जरूरत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- मेवात का इलाका सेक्सटॉर्शन रैकेट चलाने वाले गिरोहों का सबसे बड़ा केंद्र बनता जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले बड़ी संख्या में लोग आए दिन सेक्सटॉर्शन गिरोहों के शिकार हो रहे हैं। बदनामी के डर से बहुत कम लोग पुलिस में शिकायत करते हैं। शिकायत करने पर अगर आरोपित पकड़े भी जाते हैं तो उन्हें लचर कानून के कारण तुरंत आसानी से जमानत मिल जाती है, जिससे वे फिर से वही अपराध करना शुरू कर देते हैं। मेवात का इलाका एपीसेंटर पुलिस का कहना है कि साइबर ठग की तरह सेक्सटॉर्शन गिरोहों का भी धंधा तेजी से फलता-फूलता जा रहा है। इस तरह के धंधे पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून की जरूरत है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि मेवात का इलाका सेक्सटॉर्शन रैकेट चलाने वाले गिरोहों का सबसे बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। यूपी, हरियाणा व राजस्थान के मेवात इलाके के कई गांवों में रहने वाले लोग अपने-अपने गांवों में बैठकर ही सेक्सटॉर्शन गिरोह चला रहे हैं, जहां से उन्हें पकड़ पाना बहुत मुश्किल होता है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल को काल करने वाले सेक्सटॉर्शन गिरोह के सदस्यों को पकड़ने में क्राइम ब्रांच को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। क्यों नहीं मिलते सबूत? दो सदस्यों को पकड़ कर जेल भेजे एक सप्ताह भी नहीं हुआ था उन्हें मंगलवार को जमानत भी मिल गई।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि सुप्रीम की ओर से अर्नेश कुमार के जजमेंट में जो कहा गया है कि वैसा क्राइम, जिसमें सात साल से कम की सजा है, उसमें आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार न किया जाए। उससे पहले आरोपितों को सेक्शन 41 के तहत नोटिस भेजकर पूछताछ की जाए। सेक्सटॉर्शन गिरोहों को नोटिस भेजने पर वे पहले ही मोबाइल नष्ट कर देते हैं या उसका डाटा डिलीट कर देते हैं, जिससे सबूत न मिल पाने के कारण उन्हें तुरंत जमानत मिल जाती है। कुछ माह पहले सेक्सटॉर्शन गिरोह ने आइटीबीपी के कमांडेंट को ब्लैकमेल कर 1.5 करोड़ रुपये वसूल लिया था।

खराब ई-बसों के लिए समिति गठित करने के दिए निर्देश : कैलाश गहलोत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने परिवहन विभाग को राष्ट्रीय राजधानी में इलेक्ट्रिक बसों के बार-बार खराब होने के कारणों का विश्लेषण करने के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया है।

ये निर्देश विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा के लिए विभाग के अधिकारियों के साथ हुई गहलोत की बैठक के दौरान जारी किए गए। बैठक में प्रमुख तौर पर विभिन्न बस डिपो के निर्माण की प्रगति की समीक्षा पर चर्चा की गई। इलेक्ट्रिक बसों के साथ उत्पन्न होने वाले तकनीकी मुद्दों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई।

मंत्री ने अधिकारियों को इलेक्ट्रिक बसों में तकनीकी खराबी का विश्लेषण करने के लिए एक समिति बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि वे बेड़े में कोई भी नई इलेक्ट्रिक बसें शामिल न करें जब तक कि यह पूरी तरह से सुनिश्चित न हो जाए कि इनमें कोई तकनीकी खराबी नहीं होगी।

मंगलवार को सड़क पर चलते समय 12 बसों में कम बैटरी की समस्या उत्पन्न हो गई। इस महीने की शुरूआत में गहलोत ने परिवहन आयुक्त को निर्देश दिया था, जिसके बाद इलेक्ट्रिक बसों में तकनीकी खामियां दूर नहीं की गईं हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कई मौकों पर कह चुके हैं कि 2025 तक दिल्ली में 10,000 से अधिक बसें चलेंगी और इनमें से 80 प्रतिशत बसें बिजली से चलने वाली होंगी।

एसी बंद करने से नाराज शराबी बेटे ने मां को पीट-पीटकर मार डाला, पहले भी की थी क्रूरता की हदें पार

- दीपक ने कुछ वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था, लेकिन पिटाई से परेशान होकर उसकी पत्नी ने घर छोड़ दिया था
- हरिद्वार स्थित गुरुकुल से 12 वीं की पढ़ाई करने के बाद उसकी संगत खराब हो गई और वह शराब का आदी हो गया।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उत्तरी जिले के सब्जी मंडी इलाके में मंगलवार सुबह एक युवक ने अपनी मां की डंडे से पीट पीटकर हत्या कर दी। वारदात के की सूचना के बाद पुलिस ने आरोपित दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला है कि मां ने एसी बंद कर दिया था, जिससे आरोपित नाराज हो गया था।

दीपक अपनी 58 वर्षीय मां इंदू देवी के साथ शोरा कोठी स्थित मकान में रहता था। हरिद्वार स्थित गुरुकुल से 12 वीं की पढ़ाई करने के बाद उसकी संगत खराब हो गई और वह शराब का आदी हो गया। इसके बाद वह अपने घर रहने लगा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दीपक बचपन से क्रोधी स्वभाव का था। वह लोगों की पिटाई करता था और रोते हुए देखकर खुश होता था। वह अपने बड़े भाई और दो बहनों की भी पिटाई करता था। दीपक ने कुछ वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था, लेकिन पिटाई से परेशान होकर उसकी पत्नी ने घर छोड़ दिया था। अमीरों की जिंदगी जीना चाहता था दीपक को विलासितापूर्ण जीवन जीने की ख्वाहिश थी। उसने बुराडी स्थित जमीन को बेचकर कार और बड़ी स्क्रीन वाली टीवी खरीदी थी। अब वह मकान बेचना चाहता था जिसे इंदू देवी ने विरोध किया। इस बात पर भी उसने अपनी मां की पिटाई की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार रात को शराब पीकर उसने मां को बुरी तरह से पीटा। इस बीच नांगलोई स्थित ससुराल में रहने वाली बहन चारू देवी ने वीडियो काल पर बात की। इस पर इंदू देवी ने बेटी से पिटाई की शिकायत की। फोन कटने के बाद दीपक शिकायत से बेहद नाराज था। रात करीब एक बजे मां ने एसी बंद करने को कहा तो दीपक नाराज हो गया। उसने टीवी की आवाज तेज कर अपनी मां की जमकर पिटाई की इससे उनकी मौत हो गई,फिर शव को दूसरे कमरे में घसीट कर रख दिया। तभी रात को चारू ने दीपक को वीडियो काल की तो उसने अपनी मां को जमीन पर गिरा हुआ पाया। उसने स्क्रीन शाट ले लिया। उधर, दीपक शराब पीने के बाद मां के शव के बगल में सो गया।

सुबह दीपक की दोनों बहनें पहुंचीं और पुलिस को सूचना दी। इस बीच दीपक मौका देखकर घटनास्थल से फरार गया। उधर, सूचना मिलने पर एसएचओ राम मनोहर मिश्रा की टीम ने आरोपित को इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पिटाई को हमेशा छिपाती रही

शराब के नशे में दीपक अपनी मां की अक्सर पिटाई करता था, लेकिन इंदू देवी कभी किसी को पता चलने नहीं देती थी कि बेटा उनकी पिटाई करता है। उसकी हर गलतियों को छिपाने वाली मां अब उसका शिकार हो रही थीं, लेकिन पड़ोसियों और बहनों के कहने के बाद भी उन्होंने कभी पुलिस को कॉल नहीं किया। बताया जा रहा है कि 22 जुलाई को बेटे की पिटाई से बचने के लिए वह मकान के पहली मंजिल से कूद भी गई थीं, लेकिन बाल बाल बच गईं।

आई फ्लू को लेकर स्कूलों को एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। स्कूली बच्चों में आई फ्लू (आंखों का संक्रमण) के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए शिक्षा निदेशालय की स्कूल शाखा (स्वास्थ्य) ने आई फ्लू की रोकथाम को लेकर एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली में बीते दिनों हुई भारी बरसात, जलभराव और बाढ़ के कारण अचानक आई फ्लू के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। आई फ्लू से बचाव के लिए स्वच्छता रखना जरूरी है। आंखों को गंदे हाथों से छूने से बचना चाहिए। तौलिए, लेंस या चश्मा जैसी निजी चीजों को साझा करने से बचें। जिस जगह रहते हैं, वहां पर साफ रखें। बता दें कि निजी स्कूल पहले ही अभिभावकों को परामर्श जारी कर चुके है, जिसमें संक्रमित बच्चे को स्कूल न भेजें। आई फ्लू के लक्षण : आंख में लालपन, आंख में दर्द, रोशनी से परेशानी, आंख से पीला पानी निकलना, आंखों में गंदगी जमा होना, पलकों का लाल होना, पलके सूजी दिखना, आंख में खुजली और जलन

आई फ्लू के जोखिम : संक्रमित लोगों के संपर्क में आने, दूषित सतह को छूने, दूषित पानी में तैरने से आई फ्लू से बचाव : बार-बार हाथों को धोना, आंखों को छूने या रगड़ने से बचना, बचाव के लिए चश्मा लगाना, डॉक्टर को दिखाना।

पानी के 50 मीटर अंदर क्या है बताएगी ये तकनीक, लाखों के इस उपकरण से पुलिस-गोताखोरों का काम होगा आसान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

प्रगति मैदान में चल रहे अंतरराष्ट्रीय पुलिस एक्सपो में आंतरिक सुरक्षा और आपात स्थिति में राहत बचाव कार्य के लिए लिए एक से बढ़कर एक हथियार, तकनीक और उपकरण प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें से सोनार आधारित उपकरण पानी के अंदर 50 मीटर फंसे किसी भी इंसान का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पानी की सतह पर रखकर इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इस उपकरण को कनाडा की कंपनी ने बनाया है। इस उपकरण को खरीदने के लिए भारतीय पुलिस और अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने रुचि दिखाई है। भारत इस उपकरण को मुंबई की श्री ललिता सेफ्टी नामक कंपनी के द्वारा बेचा जा रहा है।

कैसे काम करती है यह तकनीक?

कंपनी के निदेशक हरसिल लालाजी ने बताया कि सोनार आधारित उपकरण में मुख्य रूप पानी के अंदर तीन चीजों की पहचान करने के लिए बनाया गया है। मानव, पानी में जीव-जंतू और धातू। पानी में डूब रहे मानव या उसके शव को सोनार तकनीक त्वचा की जांच से पहचान करेगी। यदि पानी में मानव डूब रहा या फिर शव है तो उपकरण की स्क्रीन में गुणा का निशान बनेगा। यदि पानी में कोई धातु हैं तो उसमें गोल का निशान बनेगा। अगर कोई जीव-जंतू है तो उसमें अलग तरह का निशान बनेगा।

उपकरण से अभी तक कई तरह के परीक्षण किए गए हैं जिसमें 99 प्रतिशत परिणाम सही आएं हैं। यही कारण है कि इस उपकरण को खरीदने के लिए आपातकालीन स्थिति में राहत बचाव का काम करने वाली एजेंसियां रूचि दिखा रही हैं। इस उपकरण की कीमत 10 लाख रुपये के करीब है। हरसिल लालाजी, निदेशक, श्री ललिता सेफ्टी कंपनी डूब रहे लोगों को बचाएगा मानव रहित रोबोटिक बोट...

पानी में डूबने से देश में हर वर्ष हजारों लोगों की मौत होती है। यदि तुरंत राहत बचाव का कार्य शुरू किया जाए और डूबते लोगों तक तुरंत मदद मिल जाए तो उनकी जान बचाई जा सकती है। तुर्किये की एक कंपनी द्वारा बनाई गई रोबोटिक बोट डूबते लोगों की जान बचाएगी। इसे रिमोट से चलाया जा सकता है। यह बोट छोटी और हल्की है लेकिन 200 किलोग्राम वजन आसानी से उठा सकती है। पानी डूब रहे दो लोगों को यह बोट आसानी से बचा सकती है। 800 मीटर की दूरी पर यह बोट 18 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पहुंच सकती है। छोटी होने के कारण इसे कोई एक व्यक्ति कहीं भी ले जा सकता है। रिमोट के साथ ही यह बचाव कर्ता के साथ पीड़ित तक पहुंच सकता है और पीड़ित को सुरक्षित रूप से किनारे पर वापस ला सकता है। इसे विशेष रूप से भारतीय तट रक्षक बल और भारतीय नौसेना सहित समुद्री बचाव के लिए बनाया गया है साथ ही यह बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में भी मूल्यवान हो सकता है।

संक्षिप्त खबरें

स्कॉर्पियो सवार लोगों ने किया युवती का अपहरण, प्राथमिकी दर्ज

भोरे। भोरे थाना क्षेत्र के तिलक डूमर गांव में स्कॉर्पियो सवार कुछ लोगों ने खेत में काम कर रही एक युवती का अपहरण कर लिया। घटना के बाद गायब हुई युवती की मां के बयान पर चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बताया जा रहा है कि तिलक डूमर गांव के जगीलाल सिंह की पत्नी बिगनी देवी अपनी पुत्री ममता कुमारी के साथ खेत में काम कर रही थी कि तभी एक स्कॉर्पियो गाड़ी से उसी गांव के अनूप यादव, अरुण यादव, रवि यादव और मुन्नी कुमारी आए और जबरन ममता कुमारी को गाड़ी में बैठा कर ले कर चले गए। काफी खोजबीन के बाद भी जब कहीं पता नहीं चला, तो स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है

जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले में प्राथमिकी दर्ज

भोरे। भोरे थाना क्षेत्र के डूमर नरेंद्र गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में प्राथमिकी दर्ज की गई है। कोर्ट के आदेश पर दर्ज की गई प्राथमिकी में आठ लोगों का आरोपी बनाया गया है। बताया जाता है कि डूमर नरेंद्र गांव के हृदयानंद चैहान की पत्नी मुनिया देवी अपने दरवाजे पर बैठी थी कि जमीनी विवाद को लेकर उसी गांव के नंदू चैहान, मुन्नी देवी, नथुनी चैहान सहित आठ लोग मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन कर रही है।

सब्जी तोड़ रही महिला के साथ छेड़खानी, कोर्ट के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज

भोरे। भोरे थाना क्षेत्र के खलवा गांव में सब्जी तोड़ रही एक महिला के साथ उसी गांव के कुछ लोगों ने छेड़खानी की विरोध करने पर मारपीट भी की गई। मामले में कोर्ट के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि खलवां गांव की एक महिला अपने खेत में सब्जी तोड़ रही थी। कि उसी गांव के बिट्टू मिश्रा, रोहित मिश्रा, रामाकांत मिश्रा, दिलीप मिश्रा, अक्षय मणि मिश्रा, अरविंद मिश्रा वहां जाकर उसके साथ छेड़खानी करने लगे। उसने इसकी जानकारी अपने परिवार में दी तो मधु मंगल सुनार और मंगल सुनार आरोपितों से पूछने गए जिनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई।

नीलाम पत्र वाद का एक वारंटी गिरफ्तातर

थावे। थावे पुलिस ने नीलाम पत्र वाद में जारी किए गए वारंट के आधार पर छापेमारी कर एक वारंटी को घर से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित हरदिया गांव के मंजूर आलम के पास बैंक का रुपये बकाया है। पूछताछ के बाद गिरफ्तार वारंटी को गुरुवार को न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया। छापेमारी के दौरान एसआई पिंटू कुमार आदि पुलिस बल मौजूद थे।

शराब पीने के आरोप में दो गिरफ्तार

विजयीपुर प्रातः किरण संवाददाता शराब पीकर अपने घर में शोर मचा रहे विजयीपुर थाना क्षेत्र के मठिया मुसहर टोली से एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार शराबी पुजारी मंडल बताया गया है। वही दूसरी तरफ यूपी से शराब पीकर आ रहे चिकवलिया गांव के संतोष तुरहा को पुलिस ने विजयीपुर नवतन मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। दोनों का मेडिकल चेकअप कराने के पश्चात गुरुवार को गोपालगंज कोर्ट में प्रस्तुत किया गया।

थावे बाजार में किसानों ने सुनी पीएम के मन की बात

थावे । गुरुवार को थावे बाजार में किसानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण सुना। जिसमे काफी संख्या में किसान एव भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। किसान सभा का आयोजन थावे बाजार में अदिति फर्टिलाइजर द्वारा किया गया। लाइव प्रसारण में पीएम ने यूरिया गोल्ड (सल्फर कोटिड यूरिया) का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा करोड़ों किसान जिसका इंतजार कर रहे थे व आज पूरी हो गई है। पीएम किसान निधि की 14वीं किस्त के रूप में 8 ।5 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 17,500 करोड़ से अधिक राशि का हस्तांतरण किया गया है। पीएम ने कहा कि आज देश के किसानों की मुश्किलों को हल करने के लिए 1, 25 लाख किसान समृद्धि केंद्रों को समर्पित किया जा रहा है। इनके जरिये खेती से जुड़ी सूचना उसका लाभ आदि बताया जाएगा। लाइव प्रसारण के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप कुमार गिरी, ओमप्रकाश राय, सुदामा मांझी, मनीष कुमार गुप्ता, भरत सिंह, विजय सिंह व लालबाबू प्रसाद सहित किसान एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

मारपीट व 151 के मामले में चार गिरफ्तार

बरौली । बरौली थाने की पुलिस ने मारपीट में 151 के मामले में चार लोगो को गिरफ्तार कर ली पुलिस गिरफ्त में आये चारों बरौली के स्वर्गीय जलेस्वर गुप्ता के पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता, रामबाबू गुप्ता, प्रेमनाथ प्रसाद का पुत्र मनीष कुमार व संतोष कुमार का पुत्र प्रतीक राज शामिल है। गिरफ्तार चारो से पुलिस ने पूछताछ करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मंत्री ने किया गावों का दौरा, समस्याओं की ली जानकारी

भोरे प्रात: किरण संवाददाता

भोरे विधायक सह सूबे के मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री सुनील कुमार गुरुवार को भोरे प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर वर्तमान हालात की जानकारी ली। इसी क्रम में मंत्री ने धरहरा गांव निवासी अमित मिश्र के घर पहुंचे थे। ग्रामीणों से चर्चा कर पानी-बिजली, लोक स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति सहित अन्य विषयों पर चर्चा की। उनकी समस्याएं जानी तथा उनके समयबद्ध निस्तारण का आश्वासन दिया। मंत्री ने ग्रामीणों को प्रदेश सरकार के विकास कार्यों से अवगत करवाया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने गावों के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी है। शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल सहित समस्त विभागों में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। वहीं लगातार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए योजनाएं बनाई जा रही ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास लगातार जारी रह सके। उन्होंने बताया कि समस्या समाधान के लिए सरकार ने बेहतर कार्यप्रणाली विकसित की है जिसमें निर्धारित समयावधि में समस्या का निस्तारण और शिकायतों का समाधान किया जाता है। मंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे के दौरान प्रदेश सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार किया। सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। लामीचैर पंचायत के लक्ष्मीपुर में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। जाति और धर्म की राजनीति का आरोप लगाते हुए केंद्र की सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार रहते आपसी भाईचारा कायम नहीं रह सकता है। सबका साथ और सबका विकास अगर चाहिए तो महागठबंधन पर आप लोग भरोसा करें। जिस तरह बिहार में महागठबंधन विकास की गंगा बहा रहा है उसी प्रकार केंद्र में सरकार आने पर विकास के पथ पर यह देश अग्रसर रहेगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी सरकार निजी अस्पताल से बेहतर सुविधाएं देने के लिए शिद्दत से प्रयास कर रही है। मौके पर शत्रुघ्न गुप्ता, उप प्रमुख दीपू मिश्रा, राम अवधेश यादव, लामीचैर पंचायत के मुखिया मोहन सिंह, शिक्षक मुन्नू पांडेय, शत्रुघ्न गुप्ता, विनोद सिंह, मुख्तार मास्टर, सत्येंद्र सिंह, बिंदा प्रसाद सिंह, मनोज तिवारी, अवध बिहारी सिंह, वीरेंद्र चैरसिया, शेख इकरामुद्दीन, अबुल हसन आदि लोग मौजूद रहे।

उचकागांव थाना क्षेत्र से अपराधियों का बचकर निकल पाना होगा मुश्किल

उचकागांव प्रात: किरण संवाददाता

उचकागांव थाना क्षेत्र से अपराध की घटना को अंजाम देकर आसानी से बच कर निकल जाना अब अपराधियों के लिए आसान नहीं होगा। उचकागांव थाना अब जन सहयोग से 32 ट्रैफिक ट्राली से लैस हो चुका है। जिसका उद्घाटन बुधवार की शाम एसपी स्वर्ण प्रभात ने फीता काटकर किया। उचकागांव थाना क्षेत्र में अपराध की घटना को अंजाम देने के बाद अपराधियों को संसाधन के अभाव में थाना क्षेत्र के अंदर ही घेर लेना पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी। उचकागांव थाने की स्थापना काल से ही ट्रैफिक ट्राली के कमी के कारण सड़कों पर वाहन जांच करने में भी पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। ट्रैफिक ट्राली के लिए सरकारी स्तर पर सीधे थाने को कोई राशि उपलब्ध नहीं रहने की स्थिति में थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने पहल की तो थाना क्षेत्र के कुछ समृद्ध एवं जनप्रतिनिधियों ने ट्रैफिक ट्राली का निर्माण करवाने के लिए कदम आगे बढ़ाया। जिसके बाद जन सहयोग से अपने ही थाना क्षेत्र में ट्रैफिक ट्राली का निर्माण करा कर 32 ट्रैफिक ट्राली पूरी तरीके से तैयार हो गया। जिसका उद्घाटन उचकागांव थाना परिसर में पहुंचकर बुधवार की शाम एसपी स्वर्ण प्रभात और हथुआ एसडीएम राकेश कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह के इस पहल और पहल में सहयोग करने वाले थाना क्षेत्र के समृद्धि एवं जनप्रतिनिधियों के इस कदम की सराहना की। अब इन ट्रैफिक ट्रालियों को थाना क्षेत्र के विभिन्न बाजारों, चैक-चैराहों एवं मुख्य पथो पर अपराधियों की धरपकड़ व वाहन जांच के लिए किया जाएगा। जन सहयोग करने वालों में उचकागांव इंडेन गैस एजेंसी के प्रबंधक इंजीनियर सुदामा मांझी, पवन कंस्ट्रक्शन मकसूदपुर के संवेदक राजेश तिवारी, समाजसेवी अमित कुमार सिंह, आर सेवन ईट उद्योग के संचालक सह मुखिया अकलू यादव, वीआईपी ईट उद्योग परसौनी खास के संचालक समाजसेवी मुन्ना सिंह, बीएचवाई ईट उद्योग परसौनी खास के संचालक सह पूर्व मुखिया अच्छेलाल यादव, हरिओम फेब्रिकेशन खरहरवां के संचालक शामिल थे।

बीपीएस कॉलेज के सत्रारंभ का मंत्री ने किया शुभारंभ

भोरे प्रात: किरण संवाददाता

भोरे प्रखंड मुख्यालय स्थित भोला प्रसाद सिंह महाविद्यालय में नए नामांकित छात्रों का सत्रारंभ समारोह आयोजित हुआ। सत्रारंभ समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित मद्यनिषेध उत्पाद एवं निबंधन मंत्री सुनील कुमार के द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ऊंचा लक्ष्य एवं नियमित अध्ययन सफलता का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि जो छात्र जिस क्षेत्र में भी रुचि रखते हैं उन्हें पुरे लगन से लगना चाहिए। आज भले ही पहले के मुकाबले चुनौतियां बड़ी है लेकिन इसके साथ अवसरों में भी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे समय में अपना लक्ष्य तय कर आगे बढना हीं श्रेयस्कर होगा। अपने संबोधन के दरम्यान मंत्री ने छात्रों के प्रश्नों का जबाब देते हुए उन्हें इस बात के प्रति आश्वस्त किया की शीध्र ही महाविद्यालय में कला और विज्ञान से संबंधित करीब आधा दर्जन से से अधिक विषयों की पढ़ाई प्रारंभ हो जाएगी। वहीं जरुरत के हिसाब से महाविद्यालय में आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ उदय शंकर पाण्डेय ने मुख्य अतिथि सहित आगंतुक अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। वहीं अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ उदय शंकर पांडे ने छात्रों को अनुशासित रहने एवं महाविद्यालय परिसर को पवित्र बनाए रखने की प्रेरणा दी ।साथ ही नए छात्रों को महाविद्यालय की परंपराओं से भी अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ शंकर दयाल सिंह ने किया। वही मौके पर मुख्य रूप से जदयू नेता मनोज तिवारी,उप प्रमुख दीपू मिश्र, सत्येन्द्र सिंह, मुख्तार अंसारी, शत्रुघ्न गुप्ता, जितेन्द्र द्विवेदी, विनोद सिंह के अलावे महाविद्यालय के शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मियों के साथ साथ काफी संख्या में छात्र छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

घर की छत पर सो रही किशोरी की गला रेतकर हत्या

बैकुंठपुर थाने के खैरा आजम गांव की वारदात, एफएसएल की टीम कर रही मामले की जांच

गोपालगंज प्रात: किरण ब्यूरो

जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के खैरा आजम गांव में बुधवार की देर घर की छत पर सो रही एक किशोरी की गला रेतकर हत्या कर दिए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सूचना पाकर पंहुची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृत किशोरी विरेन्द्र प्रसाद की पुत्री उषा कुमारी बतायी गयी है। बताया जाता है कि खैरा आजम गांव के विरेन्द्र प्रसाद की पुत्री उषा कुमारी बुधवार की देर रात खाना खाने के बाद छत पर सोने के लिए चली गयी। देर रात अपराधियों ने गला रेत कर निर्मम हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने के बाद बैकुंठपुर थाने की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। इस संबध में एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि प्रथम दृष्टया किसी सगे संबंधी की संलिप्तता नजर आ रही है। मृत किशोरी का अपरहण पडोस के एक युवक के द्वारा किया गया था। जिसमें पुलिस आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पूरे मामले की जांच के लिए एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। वही सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया है। गठित एसआइटी घटना के सभी बिन्दुओ पर पर जांच कर रही है। जांच के दौरान कुछ अहम जानकारी भी मिली है। जल्द ही मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

रोजगार मेला में 310 छात्रों को मिला नियुक्ति पत्र

हथुआ प्रात: किरण संवाददाता

हथुआ अनुमंडल के मीरगंज शहर के मुकुल प्राइवेट आई टी आई में प्रशिक्षण प्राप्त युवकों को रोजगार मिल सके इसके लिए संस्थान ने रोजगार मेला का आयोजन किया। जिसमें गुजरात के सुजुकी मोटर प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी ने अखिल भारतीय व्यवसायिक परीक्षा 2023 के सफल छात्रों का इंटरव्यू लिया। जिसमें 310 छात्रों ने सफलता हासिल किया। जिनको ऑन द स्पॉट ऑफर लेटर कम्पनी के एच आर जितेंद्र कुमार शर्मा ने दिया।

इस अवसर पर आई टी आई के डायरेक्टर मुकुल कुमार श्रीवास्तव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि होनाहार छात्रों का दरवाजा हमेशा खुला हुआ है। वैसे जिन्होंने सफलता हासिल नहीं किया उनके लिए फिर से रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। यह संस्थान प्रशिक्षण के साथ साथ रोजगार की भी गारंटी देती रही है। इधर प्राचार्य मधुकर श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों का कैंपस सेलेक्शन गुजरात की सुजुकी कम्पनी ने किया। कम्पनी ने संस्थान से इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, डिप्लोमा मैकेनिकल का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 355 छात्रों का लिखित परीक्षा लिया। लिखित परीक्षा के बाद सभी छात्रों का इंटरव्यू लिया।

जिसमें 310 छात्रों ने सफलता प्राप्त किया। जिनको चयन पत्र दिया गया। चयनित सभी छात्रों को कम्पनी ने ऑफर लेटर दे दिया है। ऑफर लेटर मिलने के बाद चयनित छात्रों के चेहरे पर खुशी नजर आ रही थी। इस मौके पर कुंदन बाला, शिल्पी श्रीवास्तव फोरमैन सुधीर कुमार श्रीवास्तव, संतोष कुमार श्रीवास्तव, मृत्युंजय कुमार, जितेंद्र कुमार, उपेन्द्र कुमार, नकुल साह, रमाकांत सिंह, नितेश कुमार, अनुराग वैभव, नकुल साह सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी आदि थे।

जुलूस में धारदार हथियार के साथ प्रदर्शन करने पर होगी प्राथमिकी: एसपी

प्रात: किरण संवाददाता

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के नवादा परसौनी पंचायत भवन पर मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि मोहर्रम पर्व के अवसर पर जुलूस निकालने के लिए प्रशासन ने जुलूस के लाइसेंसधारियों के नाम पर लाइसेंस निर्गत किया है। लाइसेंसधारी की यह जिम्मेदारी है कि जुलूस में उसके साथ चलने वाले लोग लाइसेंस के नियमों का पालन करें।

जो लाइसेंस के नियमों को मानने को तैयार नहीं है उन्हें लाइसेंसधारी जुलूस में न जाने दें। लाइसेंस के नियमों को लाइसेंसधारी, समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि क्षेत्र के नवयुवकों को समझाएं। अस्त्र-शस्त्र, तलवार, भाला आदि पारंपरिक धारदार हथियारों पर भी प्रशासन ने पूरी तरीके से रोक लगा दी है। धारदार हथियार के साथ प्रदर्शन व करतब दिखाने पर भी पुलिस कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि करतब दिखाने वाले लोग लाठी या बनावटी तलवार, भाला आदि का प्रयोग कर सकते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से नवादा परसौनी में पिछले वर्ष मुहर्रम जुलूस के दौरान हुए पथराव की घटना के बारे में भी जानकारी ली। हथुआ एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि क्षेत्र में मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकले इसके लिए प्रशासन पूरी तरीके से मुस्तैद रहेगी।

जुलूस के रास्ते में पडने वाले मंदिर व विवादित स्थलों पर प्रशासन बैरिकेडिंग कराएगी। उन्होंने कहा कि परंपरागत धारदार हथियार के बगैर केवल लाठी के साथ शांतिपूर्ण ढंग से आदर्श जुलूस निकालने पर प्रशासन जुलूस को सम्मानित करेगी। मौके पर थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह, सीओ रामेश्वर राम, मुखिया अकलू चैधरी, सरपंच सोहराब आलम, पूर्व मुखिया करीमन मियां, अच्छेलाल यादव, समाजसेवी रंजीत यादव आदि उपस्थित थे।

प्रतिकुलपति ने की वर्चुअल मीटिंग

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। जय प्रकाश विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति ने सभी स्नातकोत्तर विभागके अध्यक्ष, सभी प्राचार्य (अंगीभूत महाविद्यालय और सम्बद्ध महाविद्यालय) के साथ भर्चुअल मोड पर मीटिंग किये। इधर कई दिनों से कुछ प्राचार्य एवं स्नातकोत्तर विभागाध्यक्ष समय से अपना अटेंडेंन्स नहीं भेज रहे हैं। प्रभारी कुलपति प्रोफेसर लक्ष्मी नारायण सिंह ने बताया कि सम्बद्ध महाविद्यालय के प्राचार्य अब यदि अपने महाविद्यालय से उपस्थिति समय पर नहीं भेजते हैं तो उनके ऊपर विधिसम्मत कार्यवाई की जायेगी। विद्या भवनमहाविद्यालय की प्राचार्य ने कहा कि उनके महाविद्यालय में वनस्पतिविज्ञानविभाग और होमसाइंस में शिक्षक नहीं हैं। इसी प्रकार गोपेश्वर महाविद्यालय हथुआ के प्राचार्य ने बताया कि उनके महाविद्यालय में बाटनी ,उर्दूऔर संस्कृत में कोई भी शिक्षक नहीं हैं। एलएम भी महाविद्यालय के प्राचार्य ने प्रतिकुलपति से अपने महाविद्यालय में खाता संचालन नहीं होने की बात किया। मीटिंग के प्रारंभ में प्रभारी कुलसचिव सह सी सी डी सी ने सबका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रोफेसर हरिश्चंद्र समायोजक महाविद्यालय विकास परिषद सह प्रभारी कुलसचिव, डॉ. धनंजय आजाद आइटी सेल प्रभारी प्रतिकुलपति के साथ मौजूद थे। प्राचार्य एवं स्नातकोत्तर विभागाध्यक्ष के अध्यक्ष भी इस आनलाइन भर्चुअल मोड की मीटिंग में उपस्थित हुए।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी द्वारा दिये गये आवश्यक निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में सारण समाहरणालय सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति के बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी को सड़क सुरक्षा के नियमों को आमजमानस के बीच प्रचार प्रसार करने का निदेश दिया गया ताकि आमजनमानस के बीच सड़क सुरक्षा की जानकारी मिल सके। बताया गया कि सड़क सुरक्षा के नियमों को पालन करने मात्र से ही असामयिक दुर्घटनाओं में निश्चित रुप से कमी आयेगी। बैठक में सर्वप्रथम वर्ष 2019 से अब तक कि सड़क दर्घटनाओं में मृतकों और घायलों की संख्या पर समीक्षा की गयी। समीक्षा में पाया गया कि पूर्व की वर्षो की अपेक्षा सड़क दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की गयी है। जिलाधिकारी के द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी को सड़क सुरक्षा हेतु आवश्यक नियमों का अनुपालन कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि वाहनों के फिटनेश का सघन जाँच करना, सीट बेल्ट की अनिवार्यता का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। स्कूली वाहनों की चेकिंग, चालक अनुज्ञप्ति का निरस्तीकरण, रद्दीकरण से संबंधित कार्रवाई की जाय। नाबालिक चालक एवं वाहन चलाते समय मोबाईल के उपयोग पर सघन जाँच अभियान के अंतर्गत करायी जाय। पुलिस विभाग द्वारा यातायात नियमों का पालन करवाना सुनिश्चित करें तथा नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु निदेश दिया गया। पुलिस पदाधिकारियों द्वारा भी गलत पार्किंग पर कार्रवाई करने की बात कही गयी। जिलाधिकारी के द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी को निदेशित करते हुए कहा गया कि सभी स्कूली बच्चों के बीच यातायात नियमों का अनुपालन हेतु पाठशाला आयोजित कराना ताकि बड़े पैमाने पर इसका प्रचार-प्रसार हो सके। महाविद्यालयोंध्विद्यालयों में युवाओं के बीच यातायात नियमों सड़क सुरक्षा संबंधित जानकारियों का प्रचार-प्रसार करना तथा सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता से अवगत कराते हुए अमुल्य मानव जीवन की मूल्यों की जानकारी उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।

साथ ही नुक्कड़ नाटक, पेटिंग स्लोगन प्रतियोगिता कराना। निजी एम्बुलेंसों में जीवन रक्षक उपकरण तथा प्रशिक्षित पारामेडिक्स का व्यवस्था, सभी सरकारी, निजी एम्बुलेंसों की मैपिंग एवं एकल आपातकालीन नम्बर से जोड़ने हेतु सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया। अस्पतालों द्वारा गुड सेमेरिटन की सूची तैयार करना, ट्रॉमा सेन्टरों की स्थापना करना, खासकर वैसे मार्गो पर जहाँ दुर्घटना ज्यादा होती है। वैसे स्थलों पर गोल्डेन आवर दुर्घटना के दौरान समुचित चिकित्सीय व्यवस्था करने हेतु निदेशित किया गया। नगर विकास एवं आवास विभाग को जेब्रा क्रॉसिंग का पेन्टिंग, स्ट्रीट लाईट का स्थापन, सी.सी.टी.भी. कैमरा का अधिष्ठापन, वेन्डिंग जोन का स्थापना करने हेतु निदेशित किया गया। ग्रामीण कार्य विभाग, पथ निर्माण विभाग को स्पीड लिमिट साईन बोर्ड का स्थापना एवं अन्य प्रकार के साईन बोर्ड की लगाने, स्ट्रीट लाईट लाईन लगाने, क्रेश बेरियर का अधिष्ठापन, क्षतिग्रस्त पुल-पुलिया, सड़कों की मरम्मति का निदेश जिलाधिकारी के द्वारा दिया गया। इसके साथ ही जिलाधिकारी के द्वारा गुड सेमेरिटन को प्रोत्साहित करने, मोटर वाहन प्रशिक्षण संस्थान प्रोत्साहन योजना की जानकारी आमजन के बीच पहुँचाने हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देशित किया गया।

मेयर राखी गुप्ता के द्वारा कराया गया 70 लोगों का नि:शुल्क आँख का ऑपरेशन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। उषा श्रीप्रकाश मेमोरियल एजुकेशनल एवं वेलफेयर ट्रस्ट और क्लियर दृष्टि आई केयर के द्वारा 70 लोगों का निशुल्क आंख का ऑपरेशन कराया गया। रविवार के दिन निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर के माध्यम से लगभग बारह सौ लोगों को चिकित्सीय परामर्श पाया। दवा और चश्मा निशुल्क लोगों को दिया गया था। इससे पहले भी लगातार पांच रविवार को कैंप लगाकर सात हजार से अधिक लोगों को परामर्श दिया गया था। इससे पहले 500 लोगों का निःशुल्क आंख का ऑपरेशन कराया जा चुका है। छपरा नगर निगम की मेयर राखी गुप्ता ने बताया कि यह पहली बार नहीं है कि जनता की सेवा के लिए कैंप लगाकर परामर्श के बाद आंख का ऑपरेशन कराया गया था। मेरे द्वारा चुनाव से पहले और चुनाव के बाद भी लगातार आम जनता के लिए कैंप लगाकर लोगों को सेवा प्रदान किया जा रहा है। अब तक लगभग 500 से अधिक लोगों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन निशुल्क कराया जा चुका है।

जिन लोगों को मेजर प्रॉब्लम आंखों से है उन लोगों का ऑपरेशन भी प्राइवेट अस्पताल में कराया गया है। जनता की सेवा में हम तत्पर हैं। आम जनता के हितों के लिए छपरा नगर निगम की बैठक में कई निर्णय लिए गए हैं। छपरा नगर निगम के कई भागों में रोड नाला निर्माण का कार्य शुरू कराया जा चुका है। कल रोड नाला का उद्घाटन हाल ही में मेरे द्वारा किया भी गया है। उन्होंने कहा कि मानसून को देखते हुए सभी ज्यादा जलजमाव वाली जगहों को चिन्हित कर रोड एवं नाला बनाने का कार्य टेंडर प्रक्रिया में है। विभागीय प्रक्रिया में समय लगता है लेकिन अति आवश्यक कार्यो में इन सभी रोड एवं नालों का कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। आम जनता के हितों के लिए सारे निर्णय लिए गए हैं। सभी वार्डो में एक-एक कर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य भी किया जा रहा है। आम जनता से अपील है लोगों ने मुझे सर्वाधिक मतों से चुनकर मेयर बनाया है। लोगों की अपेक्षाएं बहुत अधिक है। सभी की अपेक्षाओं पर खड़ा उतरने की कोशिश कर रही हूं। श्री प्रकाश ओनार्मेंट्स के ओनर वरुण प्रकाश राजा ने कहा कि लगातार जनता की सेवा हम लगे हुए है। जनता की सेवा ही मेरा धर्म हैं। जनता की सेवा की बदौलत ही जनता ने हमें छपरा नगर निगम की जिम्मेदारी सौंपी हैं। 25 जुलाई को आंख का ऑपरेशन के लिए लोगों को अखंड ज्योति मस्ती चख आँख अस्पताल भेजा जाएगा। आने वाले दिनों में भी आंख का कैंप लगाया जाएगा, इसकी जानकारी जल्द ही दी जाएगी।

सांसद रूडी के सौजन्य से लगाया नि:शुल्क कार्ड पंजीयन कैंप

छपरा। परसा प्रखण्ड के बंनौता पंचायत के सामुदायिक भवन पर प्रधानमंत्री जन आरोगय योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने का कैंप सांसद राजीव प्रताप रूडी के सौजन्य से निःशुल्क कार्ड का पंजीकरण कराया गया। इस अवसर पर 165 लोगो का कार्ड बनाने के लिए पंजीकरण कराया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह, क्षेत्रीय प्रभारी अनिल सिंह, लोकसभा विषतारक दिलीप सिंह, मुखिया संजीव सिंह ,मंडल अध्यक्ष भूलन जी, महामंत्री संतोष शर्मा, भाजपा नेता मोनू सिंह, राजविकाश, रामबाबू राय, कामेश्वर गुलाम, रितेश, चंदन सहित अनेक लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री जी का सोच है की अब कोई पैसा के आभाव मे भी वह अब अपना इलाज इस आयुष्मान कार्ड से करा सकता है।

सरकार के अपर मुख्य सचिव के के पाठक ने अमनौर के आधा दर्जन विद्यालय का किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। पटना से चलकर सिवान जाने के दौरान बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव के के पाठक ने गुरुवार को एसएच-73 सोनहो-अमनौर पथ के निकट मिलने वाले आधा दर्जन से अधिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। सोनहो तख्त ढोरलाही अभिमान ढोरलाही कैथल ढोरलाही नारा हाई स्कूल अमनौर बिद्यालय में मुख्य सचिव पहुँच बिद्यालय के शैक्षणिक गतिविधि बिद्यालय के व्यवस्था साफ सफाई छात्र छात्राओं शिक्षको की उपस्थिति भवन शौचालय आदि का निरीक्षण किया। एक बिद्यालय में लगभग 15 से बीस मिनट तक समय दे रहे थे ।वर्ग कक्ष में प्रवेश होकर बच्चों से मिल कर बिद्यालय के पठन पाठन के सम्बंध में पूर्ण जानकारी ले रहे थे ।बिद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति पूर्ण रूप से था पर छात्रों की उपस्थिति कम थी। कही कही साफ सफाई बढ़िया नही दिखा ।मुख्य सचिव के आगमन की खबर मिलते ही शिक्षा विभाग में अधिकारियों कर्मियों व शिक्षको में हड़कम्प मंच गया ।शिक्षको का ध्यान ज्यादा अधिकारियों के मार्ग से जुड़ा रहा कि आखिर वे है कहा। शिक्षको ने कहा कि सर जिस रूप में जाने जा रहे है वैसा बिल्कुल नही है जिस बिद्यालय के ब्यवस्था बढ़िया दिख रहा वहां उन शिक्षको सराहना भी कर रहे है। निरीक्षण के दौरान अन्य अधिकारियों के साथ जिला शिक्षा पदाधिकारी कौशल किशोर ने कहा कि बिद्यालय में शिक्षक छात्र की शत प्रतिशत उपस्थिति शौचालय साफ सफाई गुणवत्तापूर्ण पठन पाठन पर बिशेष जोड़ है।

सम्पादकीय

अविश्वास प्रस्ताव के निहितार्थ

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव एक राजनीतिक पैंतरा साबित हो सकता है। विपक्ष जानता है और उसे लगातार एहसास रहा है कि लोकसभा में भाजपा-एनडीए को करीब 335 सांसदों का प्रचंड बहुमत हासिल है, जबकि सामान्य बहुमत के लिए 272 सांसदों का समर्थन ही पर्याप्त है। अविश्वास प्रस्ताव के बावजूद न तो मोदी सरकार का पतन होगा और न ही मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य बदलेगा। अलबत्ता अविश्वास प्रस्ताव के कारण प्रधानमंत्री को कमोबेश लोकसभा में अपना वक्तव्य देने को बाध्य जरूर होना पड़ेगा। जाहिर है कि वह मणिपुर पर जरूर बोलेंगे, लेकिन राजस्थान, बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ में भी महिलाओं के अलावा नौजवानों को निर्वस्त्र होने को विवश किया गया, दूसरे यौन अपराध भी किए गए, प्रधानमंत्री उन पहलुओं को भी जरूर सदन में रखेंगे। विपक्ष की कुल राजनीति यह है कि प्रधानमंत्री मणिपुर समेत पूर्वोत्तर राज्यों के हालात पर अपनी सरकार का पक्ष रखें, ताकि उसके पलटजवाब में विपक्ष अपनी दलीलें और अपने तथ्य पेश कर प्रधानमंत्री की घेराबंदी कर सके और 2024 की राजनीति को जिंदा रखा जा सके। विपक्ष का मणिपुर के प्रति अचानक आकर्षण बढ़ा है, जबकि इतिहास गवाह है कि उग्रवाद के चरम दौर में हालात इतने विस्फोटक और हिंसक थे कि भारत की वायुसेना को हस्तक्षेप करना पड़ा था।

तब देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। मणिपुर में म्यांमार, थाईलैंड आदि देशों के ड्रग सिंडिकेट और अवैध हथियारों के सौदेबाज सक्रिय रहे हैं। अभी तीन दिन पहले म्यांमार से 718 घुसपैठियों ने मणिपुर में अवैध प्रवेश किया है। विपक्ष ने यह मुद्दा कभी, क्यों नहीं उठाया। शायद अविश्वास की बहस के दौरान विपक्ष को याद आ जाए कि इंडिया के एक हिस्से की स्थितियों का सच यह भी है। दरअसल मणिपुर के जरिए विपक्ष सियासी बिसात बिछा कर प्रधानमंत्री मोदी और उनकी भाजपा को शिकस्त देना चाहता है, जो फिलहाल संभव नहीं लगता। कांग्रेस नेतृत्व के ही विपक्ष ने 20 जुलाई, 2018 को भी मोदी सरकार के खिलाफ पहला अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन सत्ता-पक्ष को 325 और विपक्ष को 126 वोट मिले थे। अविश्वास का निष्कर्ष सामने था। यदि विपक्ष इस बार भी अविश्वास प्रस्ताव लाता है, तो पहला विशेषाधिकार स्पीकर का है कि वह प्रस्ताव को स्वीकृति दें अथवा नहीं। यह किसी संवैधानिक, तकनीकी आधार पर ही अस्वीकृत किया जा सकेगा। विपक्ष की रणनीति यह है कि नवगठित इंडिया गठबंधन को लेकर प्रधानमंत्री ने जो तुलनाएं की हैं, उसके मद्देनजर भी प्रचार किया जाए कि प्रधानमंत्री ने परोक्ष रूप से भारत देश की निंदा की है। अपमान किया है। हालांकि गठबंधन का संक्षिप्त नामकरण इंडिया या भारत का पर्यायवाची नहीं है, लेकिन विपक्ष इस मास्टर स्ट्रोक नामकरण के जरिए भी भावुक राजनीति करना चाहता है।

इसका कोई व्यापक राष्ट्रवादी प्रभाव पड़ेगा, हमें ऐसा नहीं लगता। हालांकि इस शब्द और मुद्दे पर विपक्ष को सत्ता-पक्ष और खासकर प्रधानमंत्री की ओर से तार्किक प्रहार झेलने पड़ सकते हैं। बहरहाल विपक्ष के विभिन्न 50 लोकसभा सांसद अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस देंगे अथवा दे दिए होंगे! कांग्रेस ने तीन लाइन का व्हिप भी जारी कर दिया है। पूर्व यूपीए-कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का बुधवार को संसदीय दल की बैठक को संबोधित करना भी तय किया गया है। अविश्वास की राजनीति को शिद्दत से खेलने की पूरी तैयारी है। अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में ही प्रभावी होता है, क्योंकि सभी सांसद प्रत्यक्ष तौर पर जनता के वोट से निर्वाचित होकर सदन में आते हैं। राज्यसभा देश के विभिन्न राज्यों का सदन है। अक्सर केंद्र सरकारों का राज्यसभा में बहुमत नहीं होता। भाजपा-एनडीए का भी नहीं है, लेकिन उनके सांसदों की संख्या सर्वाधिक है। उच्च सदन में किसी भी प्रस्ताव पर बहुमत या अल्पमत से सरकार का निर्धारण नहीं होता, लिहाजा अब भी पूरी ताकत लोकसभा में झोंकी हुई है। अविश्वास महज एक राजनीतिक कोशिश है।

गरीब, अमीर और विकास

पीके खुराना

भारत एक विकासशील देश है, और यह बहस का मुद्दा है कि हम अभी तक विकासशील देश ही क्यों हैं? हमारे देश में गरीबी रेखा से नीचे के लोगों की संख्या बहुत बड़ी है, समृद्धि इनके लिए एक सपना मात्र है। एक औसत भारतीय के मुकाबले में एक अमरीकी नागरिक 30 गुना ज्यादा, दक्षिण कोरिया का निवासी 15 गुना ज्यादा, पुर्तगाल और ग्रीस का निवासी 10 गुना ज्यादा और चीनी नागरिक 5 गुना ज्यादा कमाता है। ऐसा क्यों है? इस पर गंभीर मनन की आवश्यकता है। आज हम विकसित देश बनने का प्रयत्न कर रहे हैं। सरकार इसके लिए तरह-तरह की योजनाएं बनाती है, लेकिन इतनी योजनाओं के बावजूद देश से गरीबी दूर नहीं हुई। आज जब हमें एक स्मार्ट कंट्री होना चाहिए था, हम सिर्फ कुछ स्मार्ट शहरों से ही संतुष्ट होने के लिए विवश हैं। दरअसल, हमारे देश के पिछड़ेपन का एक बड़ा कारण हमारी शिक्षा प्रणाली है। हमारे शिक्षाविद, शिक्षा सुधार के नाम पर इसे और बोझिल बनाए दे रहे हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली अक्षम है क्योंकि यह असुरक्षा की भावना जागृत करती है। बच्चा जब बड़ा होने लगता है तो वह दुनिया को उत्सुकता से देखता है और हर चीज फटाफट सीखने की जल्दी में होता है। हमारी शिक्षा प्रणाली उसकी उत्सुकता का जवाब बनने के बजाय उसकी उत्सुकता को दबाने का प्रयास करती है। दुनिया का कोई भी काम हम बिना गलतियां किए नहीं सीख सकते, तो भी हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को गलतियां करने पर सजा देती है और उनमें हमेशा के लिए असुरक्षा की भावना भर देती है।

हमारी शिक्षा प्रणाली में वित्तीय शिक्षा शामिल नहीं है। वित्त के नाम पर हमारे देश में एकाउंटिंग, यानी लेखा-जोखा और उसके विश्लेषण की ही शिक्षा दी जाती है। हमारी शिक्षा प्रणाली में उस वित्तीय दृष्टि का अभाव है जो व्यक्ति को अपने समय, योग्यता और धन का उपयोग करना सिखाए। उदाहरणार्थ, यदि किसी कंपनी का कर्मचारी अथवा मैनेजर एक निश्चित समय के बाद भी अपने काम पर नहीं आएगा तो उसकी आय बंद हो जाएगी, परंतु कंपनी के मालिक का हाल भी इससे अलग नहीं है। यदि कंपनी का मालिक कंपनी के व्यवसाय की ओर ध्यान नहीं देगा तो न केवल उसकी कंपनी बंद हो जाएगी बल्कि उस पर कर्ज भी चढ़ जाएगा। वस्तुतः कंपनी का मालिक भी एक ऐसा मजदूर है जिसे अन्य कर्मचारियों की अपेक्षा सिर्फ ज्यादा वेतन मिलता है। हमारी शिक्षा हमें शारीरिक श्रम से मुक्त नहीं करती, हमें पैसे से पैसा बनाना नहीं सिखाती। सच्चे उद्यमी को अपना व्यवसाय चलाने के लिए शारीरिक रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं पड़ती। बहुराष्ट्रीय कंपनियां एक साथ कई-कई देशों में चलती हैं लेकिन उनके मालिकान हर जगह नहीं बैठते, वहां व्यवसायी एक निवेशक के रूप में अपने पैसे से पैसा कमाता है। व्यवसाय में छोटे से छोटे स्तर पर भी इसे लागू किया जा सकता है। उसके लिए सिर्फ धीरज, साहस और कल्पना की आवश्यकता होती है।

इसे कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है। मकान या दुकान किराये पर देकर, रिक्शा या वाहन किराये पर देकर, घर अथवा दुकान की छत पर टावर लगवा कर, हम हर माह सुनिश्चित आय प्राप्त कर सकते हैं और इसके लिए हमें पूरा महीना किसी एक स्थान पर बंध कर रहने की आवश्यकता नहीं होती। यह निष्क्रिय आय है और यही वह आय है जिसके दम पर आप सदैव कार्यमुक्त जीवन बिता सकते हैं। समृद्धि का यह एक निश्चित रास्ता है। समृद्ध लोगों का देश ही विकसित देश या स्मार्ट कंट्री बन सकता है, पर पहले हमें गरीबी, अमीरी और समृद्धि के अंतर को समझना आवश्यक है। शायद आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि बहुत से करोड़पति लोग भी गरीबी का जीवन जीते हैं। विरासत में मिले कीमती मकान में रह रहा कोई व्यक्ति अपनी कम मासिक आय के कारण आर्थिक रूप से कठिनाई में हो सकता है। राशन का खर्च, बच्चों की शिक्षा का खर्च, चिकित्सा पर होने वाला खर्च आदि आवश्यक खर्च हैं। ऐसा हर व्यक्ति गरीब है जो अपनी रोजाना की आवश्यकताओं की पूर्ति में परेशानी महसूस करता है। गरीबी से अमीरी और अमीरी से समृद्धि की यात्रा आसान नहीं है, इसका कोई तुरत-फुरत इलाज का नुस्खा भी नहीं है। लेकिन समृद्धि के लक्ष्य की प्राप्ति असंभव नहीं है। वह हर व्यक्ति अमीर होता है जिसका मासिक खर्च उसकी नियमित मासिक आय से कम हो, लेकिन यदि वह व्यक्ति लंबी छुट्टी पर चला जाए, किसी गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए और काम करना बंद कर दे तो उसकी आय बंद हो जाएगी और वह शीघ्र ही गरीबों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। इसके विपरीत निष्क्रिय आय ऐसी आय है जिसमें हमारी शारीरिक उपस्थिति की आवश्यकता न हो। ऐसी आय जब हमारे मासिक खर्च से अधिक हो जाए, यानी निष्क्रिय आय इतनी बढ़ जाए कि केवल उसी आय से हमारे मासिक खर्च पूरे होने लग जाएं तो हम समृद्ध बन जाते हैं और हमें काम करने की विवशता समाप्त हो जाती है। फिर यदि हम काम करें भी तो वह हमारी इच्छा पर निर्भर करता है। देश का विकास तभी संभव है जब देश की अधिकांश जनता समृद्ध हो। पाठ्यक्रमों में शुरू से ही बच्चों को गरीबी, अमीरी और समृद्धि का अंतर शामिल होना चाहिए। समृद्ध व्यक्ति अपने स्वास्थ्य की देखभाल कर सकता है।

हर जगह हो रहा हंगामा संसदीय लोकतंत्र पर सवाल खड़े कर रहा

भारत की संसदीय प्रणाली दुनिया में लोकप्रिय एवं आदर्श है, बावजूद इसके सत्ता की आकांक्षा एवं राजनीतिक मतभेदों के चलते लगातार संसदीय प्रणाली को धुंधलाने की घटनाएं होते रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब संसद की कार्रवाई को बाधित करना एवं संसदीय गतिरोध आमबात हो गयी है। न केवल संसद बल्कि राज्यों की विधानसभाओं में समुचित रूप से विधायी कार्य न हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण है। संसद एवं विधानसभाएं ऐसे मंच हैं जहां विरोधी पक्ष के सांसद एवं विधायक आलोचना एवं विरोध प्रकट करने के लिये स्वतंत्र होते हैं, लेकिन विरोध प्रकट करने का असंसदीय एवं आक्रामक तरीका, सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तकरार और इन स्थितियों से उत्पन्न संसदीय गतिरोध लोकतंत्र की गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अपने विरोध को विराट बनाने के लिये सार्थक बहस की बजाय शोर-शराबा और नारेबाजी की स्थितियां कैसे लोकतांत्रिक कही जा सकती है? दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की विधायिकाओं में जो दृश्य देखने को मिल रहे हैं।

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की विधायिकाओं में जो दृश्य देखने को मिल रहे हैं, वे सचमुच चिंताजनक हैं। हालत यह है कि हंगामे व शोर-शराबों के दौर में न संसद का सत्र चल पा रहा है और न ही राज्यों की विधानसभाएं।

भारत की संसदीय प्रणाली दुनिया में लोकप्रिय एवं आदर्श है, बावजूद इसके सत्ता की आकांक्षा एवं राजनीतिक मतभेदों के चलते लगातार संसदीय प्रणाली को धुंधलाने की घटनाएं होते रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब संसद की कार्रवाई को बाधित करना एवं संसदीय गतिरोध आमबात हो गयी है। न केवल संसद बल्कि राज्यों की विधानसभाओं में समुचित रूप से विधायी कार्य न हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण है। संसद एवं विधानसभाएं ऐसे मंच हैं जहां विरोधी पक्ष के सांसद एवं विधायक आलोचना एवं विरोध प्रकट करने के लिये स्वतंत्र होते हैं, लेकिन विरोध प्रकट करने का असंसदीय एवं आक्रामक तरीका, सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तकरार और इन स्थितियों से उत्पन्न संसदीय गतिरोध लोकतंत्र की गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अपने विरोध को विराट बनाने के लिये सार्थक बहस की बजाय शोर-शराबा और नारेबाजी की स्थितियां कैसे लोकतांत्रिक कही जा सकती है? दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की विधायिकाओं में जो दृश्य देखने को मिल रहे हैं, वे सचमुच चिंताजनक हैं। हालत यह है कि हंगामे व शोर-शराबों के दौर में न संसद का सत्र चल पा रहा है और न ही राज्यों की विधानसभाएं। संसद से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक तस्वीर एक जैसी सामने आ रही है। राज्यसभा के सभापति ने आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को अमर्यादित आचरण के आरोप में पूरे सत्र के लिए, तो राजस्थान में भी तीन दिन पहले तक मंत्री रहे राजेन्द्र गुढ़ा और विपक्षी दल भाजपा के विधायक मदन दिलावर को शेष सत्र के लिए निलम्बित कर दिया गया। संसद में हुड़दंग मचाने, अभद्रता प्रदर्शित करने एवं हिंसक घटनाओं को बल देने के परिदृश्य बार-बार उपस्थित होते रहना भारतीय लोकतंत्र की गरिमा से खिलवाड़ ही माना जायेगा। सफल लोकतंत्र के लिए सत्ता पक्ष के साथ ही मजबूत विपक्ष की भी जरूरत होती है। लेकिन पक्ष एवं विपक्ष दोनों ही लोकतंत्र को दूषित करने में लगे हैं।

यह देखना दुखद, दयनीय और शर्मनाक है कि मणिपुर को लेकर देश-दुनिया में तो चर्चा हो रही है, लेकिन भारत की संसद में नहीं। यह चर्चा न हो पाने के लिए जिम्मेदार है क्षुद्र राजनीति और एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने की प्रवृत्ति। संसद के तीन दिन बर्बाद हो गए, लेकिन मणिपुर पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी। विपक्ष गृहमंत्री से पहले प्रधानमंत्री का वक्तव्य चाहता है। यह जिद चर्चा से बचने का बहाना ही अधिक जान पड़ती है, क्योंकि एक तो प्रधानमंत्री मणिपुर की घटना पर पहले ही बोल चुके हैं और दूसरे, सत्तापक्ष की ओर से यह नहीं कहा गया कि वह आगे इस विषय पर कुछ नहीं कहने वाले। लेकिन विपक्ष ने ठान लिया है कि वही होना चाहिए, जो उसकी ओर से कहा जा रहा है। जबकि सत्तापक्ष की ओर से बार-बार यह कहा जा रहा है कि मणिपुर सहित अन्य जरूरी मुद्दों पर यदि चर्चा के लिए समय कम पड़ा और उसे बढ़ाने की आवश्यकता पड़ी तो यह काम किया जा सकता है, इससे यही प्रतीत होता है कि विपक्ष संसद में ऐसा माहौल बना देना चाहता है कि आम जनता को लगे कि सरकार मणिपुर पर चर्चा करने से बच रही है। शायद इसीलिए विपक्षी नेता संसद परिसर में प्रदर्शन करने और दोनों सदनों में नारेबाजी को अतिरिक्त प्राथमिकता दे रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां मध्य प्रदेश और राजस्थान की विधानसभाओं में देखने को मिल रही हैं। मध्यप्रदेश और राजस्थान दोनों ही राज्यों में चार माह बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं। मध्यप्रदेश में तो विधानसभा के आखिरी सत्र में पांच बैठकें होनी थीं लेकिन शोर-शराबे के हालात ऐसे रहे कि दो बैठकों के बाद ही मानसून सत्र समाप्त कर दिया गया। वैसे तो यह कोई नई बात नहीं है। देश की अधिकांश विधानसभाएं हंगामे और शोरगुल में ही डूबी रहती हैं, बिना कामकाज किये सम्पन्न हो जाती हैं। ऐसे में सवाल यही उठता है कि क्या यह सबसे बड़े लोकतंत्र की निशानी है? राजनीतिक दल और राजनेता यह अच्छी तरह से जानते हैं कि देश की संसद और विधानसभाएं राजनीति करने का मंच नहीं हैं। कानून बनाने, विकास की योजनाओं को लागू करने और उनको मजबूती देने के साथ जनसमस्याओं पर चर्चा कर उनका समाधान निकालने के लिए बने लोकतंत्र के ये पवित्र मंदिर हैं। सत्तारुढ़ दल और विपक्षी दल एक-दूसरे को नीचा दिखाने की होड़ में रहते हैं और इसी में सदनों का कीमती समय एवं जनता की गाढ़ी कमाई के अरबों रुपए हर साल खर्च एवं बर्बाद हो जाता है। जनता के पैसे से ही विधायक-सांसदों के वेतन-भत्ते और सुविधाएं उठाने वाले जनप्रतिनिधि उसी जनता की आवाज सदन में नहीं उठाएं तो क्या यह जनता के साथ धोखा नहीं?

कितना दुखद प्रतीत होता है जब कई-कई दिन संसद में ढंग से काम नहीं हो पाता है। विवादों का ऐसा सिलसिला खड़ा कर दिया जाता है कि संसद में सारी शालीनता एवं मयार्दा को ताक पर रख दिया जाता है। विवाद तो संसद में भी होते हैं और सड़क पर भी। लेकिन संसद को सड़क तो नहीं बनने दिया जा सकता? वैसे, भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसे अवसर बार-बार आते हैं, जब परस्पर संघर्ष के तत्व ज्यादा और समन्वय एवं सौहार्द की कोशिशें बहुत कम नजर आती है। स्पष्ट है कि यदि दोनों पक्ष अपने-अपने रवैये पर अडिग रहते हैं तो संसद का चलना मुश्किल ही होगा। यदि वह चलती भी है, चर्चा होती है तो भी लगता नहीं कि वह स्तरीय और देश को आश्वस्त करने वाली होगी, क्योंकि सभी राजनीतिक दल राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकने के फेर में दिख रहे हैं। फिर विधानसभा चुनाव एवं आम चुनाव सामने होने की वजह से सभी कोई एक-दूसरे पर दोषारोपण कर जनता को गुमराह करना चाहते हैं। लेकिन राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप लगाने में चाहे जितनी ऊर्जा खपाएं, वे देश को निराश करने का ही काम कर रहे हैं। वास्तव में संसद में गंभीरता जताने के नाम पर जो कुछ हो रहा है, वह किसी तमाशे से कम नहीं।

यह तमाशा देश को लज्जित एवं शर्मसार करने वाला है। आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह- इसी से भारतीय राजनीति ग्रस्त हैं, ऐसे राजनेता गिनती के मिलेंगे जो इन तीनों स्थितियों से बाहर निकलकर जी रहे हैं। पर जब हम आज राष्ट्र की विधायी संचालन में लगे अगुओं को देखते हैं तो किसी को इनसे मुक्त नहीं पाते। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद लोकतंत्र के सारथियों में परिपक्वता नहीं पनप पा रही हैं, साफ चरित्र जन्म नहीं ले पाया है, लोकतंत्र को हांकने के लिये हम प्रशिक्षित नहीं हो पाये हैं। उसका बीजवपन नहीं हुआ या खाद-पानी का सिंचन नहीं हुआ। आज आग्रह पल रहे हैं-पूर्वाग्रहित के बिना कोई विचार अभिव्यक्ति नहीं और कभी निजी और कभी दलगत स्वार्थ के लिए दुराग्रही हो जाते हैं। कल्पना सभी रामराज्य की करते हैं पर रचा रहे हैं महाभारत। विपक्षी दल अनावश्यक आक्रामकता का परिचय देंगे तो सरकार उन्हें उसी की भाषा में जवाब देगी- कैसे संसदीय गरिमा कायम हो सकेगी? इसका सीधा मतलब है कि संसद में विधायी कामकाज कम, हल्ला-गुल्ला ज्यादा होता रहेगा। कायदे से इस अप्रिय स्थिति से बचा जाना चाहिए। यह एक बड़ा सच है कि संसदीय प्रक्रिया एक जटिल व्यवस्था है और इसे बार-बार परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। लोकतंत्र पहले भी बड़ी परीक्षाओं से गुजरकर निखरा है और लोगों को यही उम्मीद है कि अमृतकाल में भारतीय लोकतंत्र को हांकने वाले लोग परिवक्व होंगे, भारतीय लोकतंत्र इन दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण त्रासदियों से बाहर आयेगा। संसदीय लोकतंत्र की अपनी मयार्दाएं हैं, वह पक्ष-विपक्ष की शर्तों से नहीं, आपसी समझबूझ, मूल्यों एवं आपसी सहमति की राजनीति से चलता है। एक तरह से साबित हो गया, भारतीय राजनीति में परस्पर विरोध कितना जड़ एवं अव्यावहारिक है। राजनीति की रफ्तार तेज है, लेकिन कहीं ठहरकर सोचना भी चाहिए कि लोकसभा, राज्यसभा एवं विधानसभाओं में थोड़ा सा समय विरोध-प्रतिरोध के लिए हो और ज्यादा से ज्यादा समय देश एवं प्रांतों के तेज विकास एवं देश निर्माण की चचाओं एवं योजनाओं में लगें।

सिर्फ दिल्ली में बैठ कर अपील करने से शांत नहीं होगा मणिपुर, केंद्र को कई कदम उठाने होंगे

मणिपुर देश के पूर्वोत्तर में स्थित एक महत्वपूर्ण राज्य है। जिसकी सीमा पड़ोसी देश म्यांमार से लगती है। पिछले 3 महीनों से मणिपुर राज्य अंदरूनी हिंसा से जूझ रहा है। यहां की आबादी के दो प्रमुख समुदाय मैतई व कुकी जनजाति के मध्य जातीय संघर्ष छिड़ा हुआ है। जिसमें अब तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार 160 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है व 450 लोग घायल हो चुके हैं। तीन महीने बीत जाने के बाद भी आपसी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मणिपुर में 2017 से भाजपा के एन बीरेन सिंह मुख्यमंत्री हैं। लेकिन इस समय एन बीरेन सिंह की सरकार वहां की हिंसा पर नियंत्रण करने पर पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। हर दिन हो रही आपसी मारकाट के चलते मणिपुर का जनजीवन पूरी तरह से ठप्प हो गया है। हाल ही में एक पुरानी घटना का वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ महिलाओं के साथ बलात्कार कर उनको नंगा घुमाया गया था। इस घटना के सामने आने के बाद पूरा देश खुद को शर्मसार महसूस कर रहा है।

राकेश कुमार वर्मा
स्वतंत्र पत्रकार/स्तम्भकार

मणिपुर में चल रही अशांति के चलते मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह कुछ समय पूर्व राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने जा रहे थे तो रास्ते में महिलाओं के समूह ने एकत्रित होकर उनके इस्तीफे को छीनकर फाड़ दिया था। मणिपुर देश के पूर्वोत्तर में स्थित एक महत्वपूर्ण राज्य है। जिसकी सीमा पड़ोसी देश म्यांमार से लगती है। पिछले 3 महीनों से मणिपुर राज्य अंदरूनी हिंसा से जूझ रहा है। यहां की आबादी के दो प्रमुख समुदाय मैतई व कुकी जनजाति के मध्य जातीय संघर्ष छिड़ा हुआ है। जिसमें अब तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार 160 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है व 450 लोग घायल हो चुके हैं। तीन महीने बीत जाने के बाद भी आपसी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मणिपुर में 2017 से भाजपा के एन बीरेन सिंह मुख्यमंत्री हैं। लेकिन इस समय एन बीरेन सिंह की सरकार वहां की हिंसा पर नियंत्रण करने पर पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। हर दिन हो रही आपसी मारकाट के चलते मणिपुर का जनजीवन पूरी तरह से ठप्प हो गया है। हाल ही में एक पुरानी घटना का वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ महिलाओं के साथ बलात्कार कर उनको नंगा घुमाया गया था। इस घटना के सामने आने के बाद पूरा देश खुद को शर्मसार महसूस कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस घटना पर स्वतः प्रसंज्ञान लेते हुए केंद्र व राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि मणिपुर में शांति बहाली की दिशा में त्वरित कार्यवाही की जाए। विपक्षी दलों के नेता लंबे समय से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं। प्रदेश में चल रही अशांति के चलते मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह कुछ समय पूर्व राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने जा रहे थे तो रास्ते में महिलाओं के समूह ने एकत्रित होकर उनके इस्तीफे को छीनकर फाड़ दिया था। विपक्ष द्वारा उस घटना को सरकार द्वारा प्रायोजित घटना बताया गया। वहीं उस घटना के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह प्रदेश को आपसी संघर्ष की आग में जलता हुआ छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के प्रसंज्ञान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मणिपुर की घटनाओं की निंदा करते हुए गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। मणिपुर की पुलिस भी आपसी जातीय गुटों में बंट चुकी है। पुलिस के जवान पुलिस थानों से आधुनिक हथियार छीनकर एक दूसरे के खिलाफ उपयोग कर रहे हैं। राज्य सरकार शांति बहाली की प्रक्रिया में पूरी तरह असफल रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को त्वरित कार्रवाई करते हुए मणिपुर में शांति बहाली की दिशा में तेजी से काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वयं आगे आकर सभी विपक्षी दलों के नेताओं से मणिपुर की स्थिति को लेकर चर्चा कर उनके सुझाव लेने चाहिए। मणिपुर से म्यांमार की 350 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। जिसके ज्यादातर हिस्से में किसी तरह की फेंसिंग नहीं होने के कारण लोगों का बिना किसी डर के आना जाना लगा रहता है। म्यांमार में सेना द्वारा तख्ता पलटने के बाद बड़ी संख्या में वहां से शरणार्थियों ने पलायन कर मणिपुर में घुसपैठ कर ली है। जिससे भी मणिपुर की स्थिति और अधिक खराब हो गयी है। म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों का मणिपुर के कुकी लोगों के साथ जुड़ाव होने के चलते मैतई लोगों में भय है कि शरणार्थियों के कारण कुकी लोगों की आबादी बढ़ने से वह बहुसंख्यक बन जाएंगे। मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय मैतेई, कुकी और नगा हैं। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। कुकी-नगा ईसाई हैं व एसटी वर्ग में आते हैं। मैतई आबादी करीब 55 प्रतिशत है जो इम्फाल घाटी में रहते हैं। वहीं कुकी-नगा आबादी करीब 45 प्रतिशत है। जो ज्यादातर पहाड़ों में रहते हैं। मैतई समुदाय ने मणिपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाकर उन्हें भी जनजाति का दर्जा देने की मांग की थी। उनकी दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय होने से पहले उन्हें जनजाति का दर्जा मिला हुआ था। इसके बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से सिफारिश की थी कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए। नगा-कुकी दोनों जनजाति मैतई समुदाय को आरक्षण देने के विरोध में हैं। आदिवासी समूहों को डर है कि यदि मैतई को विशेष दर्जा मिलता है तो उनका पहाड़ी क्षेत्रों पर भी कब्जा हो जाएगा। इनका कहना है कि राज्य की 60 में से 40 विधानसभा सीट पहले से मैतई बहुल इम्फाल घाटी में हैं। ऐसे में मैतई को एसटी का आरक्षण मिलने से उनके अधिकारों का बंटवारा होगा। मणिपुर के 60 में से 40 विधायक मैतई और 20 विधायक नगा-कुकी जनजाति से हैं। अब तक 12 में से दो ही मुख्यमंत्री नगा, कुकी जनजाति से रहे हैं।

मैतई और कुकी कि अलग-अलग संस्कृति और परंपरा है। विवाद के मूल कारण पहाड़ी बनाम घाटी की पहचान का संघर्ष और समान विकास नहीं होना है। मैतई राजनीतिक प्रभुत्व वाला समुदाय है जिनके कारण राज्य का विकास घाटी तक ही सीमित है। सरकारी नौकरियों में भी मैतई समुदाय का प्रभुत्व अधिक है। राज्य के कानून के कारण मैतई समुदाय के लोग पहाड़ों में जमीन नहीं खरीद सकते हैं। जबकि कुकी सहित अन्य जनजाति समूह के लोग राज्य के किसी भी हिस्से में जमीन खरीद सकते हैं। इसी कारण से मैतई लोगों को लगता है कि राज्य के कानून में जनजातियों को उनकी आबादी की तुलना में अधिक लाभ प्रदान किए गए हैं। मणिपुर में चल रहे आपसी जाति युद्ध को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार को मणिपुर के सभी समुदायों में विश्वास पैदा करना होगा। केंद्र सरकार को वहां के लोगों को यह बताना होगा कि किसी भी जाति, धर्म, समुदाय के लोगों के साथ भेदभाव नहीं होगा। उनके अधिकारों का किसी भी सूरत में हनन नहीं होने दिया जाएगा। केंद्र सरकार के बड़े नेताओं को मणिपुर जाकर शांति बहाली के प्रयास करने चाहिए। आज मणिपुर में हिंसा की आग इतनी तेज हो गई है कि कोई भी राजनीतिक दल या नेता दिल्ली में बैठकर मणिपुर में शांति बहाल नहीं कर सकता है। अब तो मणिपुर के पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्री भी मणिपुर में चल रही हिंसा को लेकर चिंता जाहिर करने लगे हैं। उन्हें भी डर है कि यदि मणिपुर में भड़की हिंसा पर शीघ्र ही काबू नहीं पाया गया तो धीरे-धीरे उसका असर पड़ोसी राज्यों के लोगों पर भी पड़ने लगेगा। जिससे वहां भी कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो हमेशा शांति व भाईचारे की बातें करते हैं। वह पिछले तीन महीने से मणिपुर को लेकर चुप क्यों हैं। प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर की हिंसा को रोकने के लिए मणिपुर का दौरा कर वहां के लोगों से बात करनी चाहिए। उन्हें विश्वास देना चाहिए कि केंद्र सरकार वहां के लोगों के अधिकारों में किसी भी तरह की कटौती नहीं होने देगी। गृह मंत्री अमित शाह मई महीने में मणिपुर का दौरा कर विभिन्न समुदायों के लोगों से मिल चुके हैं।

मोदी को कितनी टक्कर देगा विपक्ष का इंडिया

रमेश सर्राफ धमोरा

पिछले नौ वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को चुनौती देने के लिए कांग्रेस सहित देश के 26 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक नए राजनीतिक गठबंधन बनाने की घोषणा की है। बेंगलुरु में आयोजित विपक्षी दलों की बैठक में शामिल हुए दलों ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए के स्थान पर इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के नाम पर एक नया गठबंधन बनाया है। विपक्ष के इंडिया गठबंधन के संयोजक की घोषणा अभी तक नहीं हो पाई है। विपक्ष का कहना है कि उनका इंडिया गठबंधन पहले के यूपीए की तुलना में अधिक मजबूत है। इसमें ऐसे राजनीतिक दल भी शामिल है जो अभी तक आपस में एक दूसरे के विरोधी रहे हैं। कांग्रेस के धुर विरोधी रहे अरविंद केजरीवाल इंडिया गठबंधन में शामिल है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के कट्टर विरोधी वामपंथी दल व कांग्रेस भी इंडिया गठबंधन में एक साथ शामिल हुए है। केरल में आमने-सामने चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस व वामपंथ

संक्षिप्त खबरें

जन समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जन समस्यायों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को पांच कालीदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन में आए 180 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सबकी समस्याएं सुनीं और उनके गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही हरगिज ना करें। मिली जानकारी के मुताबिक, योगी एक-एक करके सबके पास खुद गए और सभी की समस्याओं को विस्तार से जाना। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने प्रार्थना पत्रों को विषयानुसार प्रशासन व पुलिस के अफसरों को हस्तगत करते हुए जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए थे। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए भरपूर सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं भूमि और संपत्ति विवाद के मामलों को संबंधित अधिकारियों को भेजकर जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश दिए।

बुजुर्ग दंपति ने जहर खाकर की आत्महत्या

सहारनपुर जिले के मंडी क्षेत्र में एक बुजुर्ग दंपति ने कथित तौर पर जहर खाकर आत्महत्या कर ली। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) अभिमन्यु मांगलिक ने बृहस्पतिवार को बताया कि मंडी थाना क्षेत्र में स्थित मातागढ़ कालोनी निवासी पवन (62) और उसकी पत्नी पदमा (60) ने बुधवार देर रात जहर खा लिया। आज सुबह दंपति का पुत्र हार्दिक उन्हें अस्पताल ले गया जहां चिकित्सको ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिये भिजवा दिया है। वारदात के कारणों का तत्काल पता नहीं लग सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक ने खुद को गोली मारकर की खुदकुशी

सहारनपुर जिले के नानौता क्षेत्र में एक युवक ने अज्ञात कारणों से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) सागर जैन ने बृहस्पबतिवार को बताया कि नानौता थाना क्षेत्र के ठस्का गांव निवासी 25 वर्षीय सचिन ने बुधवार देर रात तमंचे से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली चलने की आवाज सुनकर सचिन के परिजन और पड़ोस के लोग एकत्र हो गये। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जैन ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भिजवा दिया है। आत्महत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं लग सका है। मामले की जांच की जा रही है।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक चन्दनपुर खादर में आयोजित

- पुरानी पेंशन को बहाल कराकर ही दम लेंगे:रामवीर
- जल्द से जल्द हो बेसिक शिक्षकों का प्रमोशन : यशपाल
- राज्य कर्मचारियों की तर्ज पर शिक्षकों को भी कैशलेस सुविधा से लाभान्वित किया जाये:प्रदीप

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा/रहरा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की एक बैठक ब्लॉक संसाधन केंद्र चन्दनपुर खादर में आयोजित की गई। प्रांतीय नेतृत्व द्वारा आगामी होने वाले धरना प्रदर्शनों की सफलता के बारे में ठोस रणनीति बनाई गई और 18 सूत्रीय मांगों को शिक्षकों के सम्मुख रखा गया। सभी शिक्षकों से धरना प्रदर्शनों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने की अपील भी की गई।बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन हमारे बुढ़ापे की लाठी है इसको पाकर ही दम लेंगे। पुरानी पेंशन से कम कुछ भी मंजूर नहीं है, चाहे इसे पाने के लिए कितने भी धरने प्रदर्शन करने पड़े उससे पीछे नहीं हटेंगे। बताया कि पुरानी पेंशन सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर पूरे प्रदेश में डॉक्टर दिनेश चंद्र शर्मा जी के नेतृत्व में आंदोलन का बिगुल बज चुका है। अपनी मांगों को मनवाने के लिए स्कूलों में कार्य शिक्षक धरने प्रदर्शनों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करेंगे और सरकार को अपनी ताकत का एहसास करा कर ही दम लेंगे।प्रदेश सरकार बेसिक शिक्षकों की मांगों को अनदेखी कर रही है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक मंत्री प्रदीप भाटी ने कहा कि प्रांतीय नेत्रों से जो भी दिशा निर्देश मिले हैं उनका पूर्ण रूप से पालन किया जाएगा और आगामी धरना प्रदर्शनों में हजारों की तादात में सिस्को को लेकर प्रतिभाग करेंगे किसी भी सूरत में पीछे हटने वाले नहीं हैं सरकार की दमनकारी नीतियों का डटकर मुकाबला करेंगे।बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि प्रांतीय नेतृत्व से जो दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं उन्हीं के निर्देश पर मजबूती के साथ हम सबको मिलकर कार्यक्रम सफल बनाने हैं। कहा 18 सूत्रीय मांगों को मनवाने के लिए हमें अभी से कमर कसनी हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 10 अगस्त को प्रत्येक विधानसभा पर माननीय विधायक जी को ज्ञापन सौंपा जाएगा, 4 सितंबर को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन होगा और सितंबर के अंतिम सप्ताह में लखनऊ में धरना प्रदर्शन होगा।इस अवसर पर ब्लॉक मंत्री प्रदीप भाटी,कोषाध्यक्ष वैभव गुप्ता,वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, संगठन मंत्री अनिल कुमार,सुधीरचंद कटारिया,अनिल कुमार, विकास राहुल,मनोहर यादव, वीरपाल नागर, इद्रेश यादव,विकास शर्मा,सुरेश सिंह,शीशपाल सिंह,अशोक कुमार,सुरेन्द्र व्यास,इदरीश अली,मदनपाल,मो. असलम,आकाश त्यागी, चतर सिंह,कमल दीपेंद्र सिंह,दिवेश कुमार,अशोक कुमार, अमित कुमार,मदनपाल,ओमप्रकाश सिंह, नरेश सिंह, मिथुन सिंह,अरुण कुमार,अजीत सिंह,प्रमोद कुमार,दिग्विजय सिंह,विपिन कुमार,मनीष जैन,दीपक कुमार,पंकज कुमार,बादल चौहान, दिनेश भड़ाना, प्रदीप कुमार, नरेश सिंह,विजयपाल सिंह,राजीव कुमार,दीपचंद गौतम,सचिन सैनी,अंशुल कुमार,मोनू,प्रीति, रश्मि आदि मौजूद रहें।

धूमधाम से मनाया गया वेंक्टेश्वरा समूह का 24वां स्थापना दिवस एवं समूह चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि का जन्मोत्सव

जन्मदिवस, स्थापना दिवस आदि उत्सवो पर सामूहिक भोज अथवा पार्टी करने के बजाय रक्तदान एवं पौधारोपण की संस्कृति करें विकसित: डॉ0 सुधीर गिरि

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान के 24वें स्थापना दिवस (27 जुलाई) को बहुत ही धूमधाम तरीके से मनाया गया। इसी दिन समूह चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि ने अपने जन्मदिवस पर अमरोहा, मेरठ समेत वेस्ट यू0पी0 के गरीब लोगो के लिए शिक्षा एवं स्वास्थय से सम्बन्धित एक दर्जन से अधिक कल्याणकारी योजनाओ का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर, रूद्राभिषेक, सांस्कृतिक संध्या, वृक्षारोपण, भण्डारा समेत एक दर्जन से अधिक आयोजन किये गये।वेंक्टेश्वरा समूह के स्थापना दिवस एवं समूह चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि के जन्मदिवस समारोह का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, प्रधान सलाहकार डॉ0 वी0पी0एस0 अरोड़ा, सी0ई0ओ0 अजय श्रीवास्तव, कुलपति डॉ0 राकेश यादव आदि ने सरस्वती माँ के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।अपने सम्बोधन में समूह चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि ने कहा कि वेंक्टेश्वरा समूह पिछले दो दशक से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं स्वाास्थय सेवाओ में अग्रणी रहा है। आज इसके 24वें स्थापना दिवस पर हम आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी एवं यशस्वी मुख्यमंत्री योगी जी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बी0पी0एल0 कार्डधारक दो सौ गरीब गर्भवती महिलाओ की अपने हॉस्पीटल में निशुल्क डिलीवरी कराने का संकल्प लेत हुए इसके अलावा साठ साल से ऊपर आयु के गरीब बुजुर्गो की आँखों का निशुल्क ऑपरेशन, निशुल्क चश्मा समेत बी0कॉम0, बी0बी0ए0, बी0सी0ए0 पाठयक्रमों में प्रतिवर्ष दो दर्जन गरीब बच्चियों को निशुल्क शिक्षा देंगे। इसके साथ ही उन्होने एक दर्जन से अधिक चिकित्सा एवं शिक्षा की निशुल्क कल्याणकारी योजनाओ का शुभारम्भ किया।इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 पीयूष पाण्डे, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह, डॉ0 राजेश सिंह, डीन मेडिकल डॉ0 संजीव भट्, मुख्य प्रबन्धक विम्स एम0ए0 चैधरी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 डॉ0 आई0बी0 राजू ,एडीशनल लीगल डायरेक्टर देवप्रताप सिंह, डॉ0 ईकराम इलाही, डॉ0 संजय तिवारी, डॉ0 मोहित शर्मा, डॉ0 विवेक सचान, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 एस0एन0 साहू, आन्नद नागर, डॉ0 राजवर्धन, डॉ0 एना ऐरिक ब्राउन, नीतूश्रीपाल, सी0एफ0ओ0 विकास भाटिया, सी0ए0 दशमीत बग्गा, गुरूदयाल सिंह कटियार, ब्रजपाल, दीपक कुमार, अलका सिंह, मारूफ चैधरी, विशाल शर्मा, राजीव सिंह, अरूण गोस्वामी, सतेन्द्र सिंह बघेल, फरहीन जहां, दीपक कुमार, संजीव राजपूत, नीरज गिरि, प्रीतपाल मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

...जब चले यसरिब से सिब्ते मुस्तफा सूए ईराक

अजखानों में हुआ जंजीर का मातम, गमे हुसैन में लहुलूहान हुए अजादार

- इमामबाड़ा चांदसूरज से बरामद हुए हुसैनी काफिले मे शामिल हुई अमारियां..

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। वक्ते अस्त्र कर्बला से आ रही थी ये सदा, ऐ हुसैन मरहबा, ऐ हुसैन मरहबा..शहर में आठ मोहर्रम का मातमी जुलूस अजाखाना चांद सूरज से बरामद किया गया। गमे हुसैन में डूबे अजादारों ने कई अजाखानों में अंजुमन अब्बासिया ने जंजीर का मातम बरपा कर खुद को लहुलूहान कर लिया। फिजा में देर रात या हुसैन-या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं। जिससे माहौल गमगीन बना रहा। पुरानी रिवायत के मुताबित मोहल्ला काजीजादा स्थित अजाखाना चांदसूरज से हुसैनी काफिले की शुरूआत सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुई। सफदर रजा व हमनवा ने मरसिया..जब चले यसरिब से सिब्ते मुस्तफा सूए ईराक पढ़ा। जुलूस और दिन के जुलूसों से जुदा था। सबसे आगे ऊंटों का काफिला था। जनाबे जैनब, उम्मे कुलसूम और उनके परिवार के लोगों कि दस ऊंटों पर शबिहे आमारी सजी हुई थी। ये दस अमारियां रिवायेति है इसके बाद रौशन चौकियां और अराईश थी। पीछे हुसैनी बाजे के साथ लगभग पचास जोड़ी कमनटे के अलम चल रहे थे। बता दें कि सात मोहर्रम को इमाम हुसैन के काफिले पर कर्बला में पानी बंद कर दिया गया था। बच्चे भूखे और प्यासे थे, लेकिन उन्होंने यजीद की बेअत कुबूल नहीं की और अपनी शहादत देकर इस्लाम को जिंदा कर दिया। इसी मंजर को याद कर जुलूस में शामिल अजादार या हुसैन या हुसैन की सदाएं बुलंद करते हुए चल रहे थे। जुलूस में अलमों की तादाद काफी थी, जो आज के जुलूस की रिवायत का हिस्सा है। इस हुसैनी काफिले के अजाखाना दानिशमंदान पहुंचने पर अजादारों ने जंजीर का मातम कर खुद लहुलूहान कर लिया। इसके बाद जुलूस के दौरान अजाखाना बगला, शफातपोता, गुजरी, दरबारे कलां, सट्टी व हक्कानी में जंजीरो से मातम बरपा किया। जुलूस अपने तयशुदा रास्तों से गुजरते हुए देर शाम अजाखाना चांदसूरज पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में शामिल अजादारों के लिए कई स्थानों पर सबील व चाय का एहतमाम किया गया। उवैस मुस्तफा रिजवी ने साठ वर्षो से चली आ रही आली जान मंज़िल मे भाई चारे कि मिसाल को जिंदा रखते हुए अजादारों के लिए चाय का इंतेजाम किया। खैमाये अब्बास मे मास्टर गुलजार ने भी अकीदत का इजहार करते हुए सभी अजादारों का खेर मकदम किया।और भाजपा नेता अतुल कुमार जैन भी गमे हुसैन में शरीक हुए। अंजुमन तहफ्फुजे अजादारी के जुलूस में जिलाधिकारी अमरोहा द्वारा जुलूस अजा के लिए नामित अंजुमन तहफ्फुजे अजादारी की तदर्थ समिति के सदस्य ज़िया एजाज नकवी, लियाकत अली, बाकर रजा, नदीम नकवी, शेजाद रजा, कासिम जैदी ने पुलिस प्रशासन का बेहतर व्यवस्था के लिए धन्यवाद अदा किया और कहा कि एक बार फिर से अमरोहा ने एकता की मिसाल पेश की है। अजादारी में सभी धर्मो के लोग शामिल रहे हैं। इसी का नाम अमरोहा है। जुलूस का संचालन अंजुमन रजाकाराने हुसैनी ने किया। रजाकारान काईद गुलाम जनरल सेक्रेटरी खुर्शीद हैदर जैदी, अख्तर अब्बास अप्पू, डॉ. चन्दन नकवी, वसीम जैदी, सलीम जैदी, डॉ.शारिक, नवैद असगर, इमदाद आब्दी, मोहम्मद हैदर, सिराज गालिब हुसैनी, नजीर हैदर आदि ने किया। उधर, देर रात तक अजाखानों में मजलिसों का दौर चला। उलेमाओं ने वाक्या-ए-कर्बला बयां किया। जिसे सुनकर अजादारों की आंखे नम हो गई।

गठित होगा उत्तर प्रदेश अन्तदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण : योगी

लखनऊ, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश में जलमार्गों के विकास पर विमर्श किया और अन्तदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण के गठन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में जलमार्ग परिवहन का तेजी से विस्तार हो रहा है। प्रयागराज से हल्दिया तक राष्ट्रीय जलमार्ग क्रियाशील है। अंतदेर्शीय जल परिवहन में यात्रियों और कार्गो दोनों के लिए परिवहन के एक साधन के रूप में प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। हमें इसे विस्तार देना होगा। उत्तर प्रदेश सदानीरा नदियों का प्रदेश है। यहां अधिकांश नदियों में हर समय पर्याप्त जल उपलब्ध रहता है। प्रदेश में जल परिवहन की प्राचीन परंपरा रही है। एक समय था कि जब अयोध्या की राजकुमारी जलमार्ग से ही दक्षिण कोरिया गई थीं। बदलते समय के साथ इस सेक्टर को उपेक्षित कर दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश में जलमार्गों के सृजन, विकास और उन्हें यातायात व माल ढुलाई के लिए प्रयोग में लाने के लिए ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। इसे नियोजित रूप देते हुए प्रदेश में अन्तदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण का गठन किया जाना चाहिए। इस संबंध में राष्ट्रीय जलमार्ग प्राधिकरण और अन्य राज्यों में प्रचलित व्यवस्था का अध्ययन कर आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें। यह प्राधिकरण नोडल अथॉरिटी के रूप में भारतीय अंतदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण के साथ समन्वय का कार्य करेगा। प्राधिकरण द्वारा अंतदेर्शीय जल परिवहन एवं पर्यटन संबंधित समस्त गतिविधियों का रेगुलेशन किया जाएगा, साथ ही, जल परिवहन से संबंधित पर्यावरण एवं सुरक्षा कानूनों का अनुपालन, जलमार्गों के विकास एवं बेहतर उपयोग हेतु हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण एवं जांच की जिम्मेदारी का निर्वहन भी करेगा। प्राधिकरण द्वारा अंतदेर्शीय जल यातायात डेटा का अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाना चाहिए। अंतदेर्शीय जल परिवहन, पर्यटन एवं शिपिंग तथा नेविगेशन संबंधित गतिविधियों के संबंध में वैज्ञानिक अनुसंधान किया जाए। अंतदेर्शीय जल परिवहन से संबंधित स्टेकहोल्डर्स एवं अधिकारियों और कर्मचारियों का तकनीकी प्रशिक्षण भी कराया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अन्तदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण में परिवहन मंत्री को पदेन अध्यक्ष के रूप में नामित किया जाना चाहिए, जबकि उपाध्यक्ष के रूप में जल परिवहन क्षेत्र में सुदीर्घ अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ की तैनाती की जानी चाहिए। प्रदेश के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को प्राधिकरण के सीईओ की भूमिका दी जानी चाहिए। इसके अलावा, वित्त, संस्कृति, सिंचाई तथा वन सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को बतौर सदस्य सम्मिलित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नदियों के कैचमेंट एरिया में अवैध खनन व बसाहट कतई न हो। इसके लिए सतर्क रहें। नदियों के चैनेलाइजेशन, सिल्ट सफाई का कार्य समय से किया जाए।

बंद घरों में चोरी करने वाले गैंग का पदार्फाश

लखनऊ, एजेंसी

थाना मोहनलालगंज पुलिस टीम द्वारा बन्द घरों में चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो शातिर चोरों व हिस्ट्रीशीटर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी के कीमती जेवरात, एक लाख 15 हजार रुपए नगद, एक मोटरसाइकिल व एक अवैध देशी तमन्चा 315 बोर मय तीन जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम शिवकुमार, बुद्धीलाल है। दोनों थाने के एचएस है। डीसीपी मध्य अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि 16 व 17 जुलाई की रात्रि मोहनलालगंज क्षेत्र के ग्राम जैतीखेड़ा में स्थित प्रमोद सिंह उर्फ पप्पू सिंह पुत्र स्व. जंगबहादुर सिंह निवासी ग्राम जैतीखेड़ा सहित कुल तीन घरों से अज्ञात चोरों द्वारा सोने-चांदी के जेवरात व नगद रुपए चोरी कर लिये गये थे। जिसके सम्बन्ध में 17 जुलाई को मुकदमा मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। जिसके क्रम में गुरुवार को थाना पुलिस द्वारा उपरोक्त दोनों अभियुक्तों को बेलहनी मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त तीनों चोरी की घटना में अभियुक्तगण शिवकुमार व बुद्धीलाल के साथ अभियुक्त राजेन्द्र पासी पुत्र दुखीलाल निवासी ग्राम गौरा थाना मोहनलालगंज व महेश पुत्र औसन निवासी ग्राम पल्टिहा मजरा गौरा थाना मोहनलालगंज भी शामिल थे। अभियुक्त शिवकुमार व राजेन्द्र पासी के द्वारा 20 जुलाई को थाना निगोहा क्षेत्र से भी चोरी किया गया था। जिसमें अभियुक्त राजेन्द्र पासी को थाना निगोहा पुलिस द्वारा 22 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया था एवं अभियुक्त शिवकुमार मौके से फरार हो गया था। गिरफ्तार शुदा अभियुक्तों शिवकुमार व बुद्धीलाल के कब्जे से चोरी के एक लाख 15 हजार रुपए नगद व सोने-चांदी के जेवरात, एक मोटरसाइकिल व एक अवैध तमन्चा मय तीन जिन्दा कारतूस बरामद किया गया है। ये अभियुक्त शातिर किस्म के चोर हैं, जो कि थाना स्थानीय के हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त हैं। जिनके विरुद्ध जनपद के विभिन्न थानों में चोरी से सम्बन्धित कई अभियोग पंजीकृत हैं। इनके द्वारा चोरी करने से पहले किसी एक गांव को चिन्हित किया जाता था तथा अभियुक्त बुद्धीलाल के द्वारा गांव के एकान्त में स्थित घरों में रेकी किया जाता था।

नौगावां सादात में आठ मुहर्रम का जुलूस मौहल्ला कटकुई से बरामद

ऐ नहरे अल कामा अब्बास है कहां अब्बास है कहां

प्रात : किरण ब्यूरो, इकरामुद्दीन मलिक

नौगावां सादात। आठ मुहर्रम का जुलूस अंजुमने अबिदिया के सदर सिक्रेटरी और ओहदेदारों ने पीर तबारक हुसैन के मकान मोहल्ला कट्कुई से 1 बजे दिन में बरामद किया कजलूस की शुरूआत मे आगे मातमी धुन या हुसैन या हुसैन पर जनाब अब्बास अली ने ढोल ताशा से शुरूआत की इसके बाद मौलाना मौहममद अली ने शहादत हजरत अब्बास अलमदार बयान किया।इसके बाद परचम इस्लाम,शबीह जुल्जनाह ,हजरत इमाम हुसैन,हजरत अब्बास,ताबूत जनाबे अली अकबर,ताबूते जनाबे अली असगर,जनाबे कासिम ,ताबूते जनाबे औनो मुहम्मद ,ताबूते बरादराने जनाबे अब्बास ,और दीगर ताबूत बरामद किये गए।और इसके बाद यह जुलूस हुसैनी चौक ,थाना नौगावां सादात,से होता हुआ राधा बीडी कम्पनी पहुंचा जहां मौलाना मौहममद अली ने जनाबे औनो मौहम्मद की शहादत के मसायब बयान किये।और हजारों अजदारों ने या हुसैन या हुसैन या अब्बास या अब्बास के नारों के साथ ब्लेड और छुरियों से मातम करके अपने आप को खून से तर ब तर कर लिया।यह मातम नौहे ह्ल नजरे शाहे दीं नूरे नजर करती है जैनब , दो लाल बरादर पे फिदा करती है जैनब ह्वपर हुआ। यह जुलूस इमाम बारगाह शाह्फरीद पर पहुँचा यहाँ पर जनाबे अब्बास की रवानगी का सफर और खेमों में वापस अलम आना और बच्चों की अल अतश अल अतश की आवाजों का बुलंद होना की मन्जर कशी पेश की गयी।इसको मौलाना मसरूर अब्बास इमामे जुमा शिया जामा मस्जिद ने और मौलाना मौहममद अली ने जनाबै अली अकबर का मैदान में जाना जग लडना और शहीद होना की मनजरकशी ब्यान की।इस जुलूस में नौहा अली अब्बास, मन्जर अब्बास,आशु,शबाब हैदर ,अली आबिद , जहीर अब्बास,अली नवाज ,मुबारक नौहे पढ़ते हुए चल रहे थे।मैन बाजार में पहुंचकर नौजवानों ने सकाए हरम कै शैदा है शबबीर का मातम करते हैं अब्बास का परचम लहराकर जंजीर का मातम करते हैं रुबाई पर जंजीर का मातम किया यह जुलूस पापड़ी अली चोक अली नगर अबू तालिब चौक बुध बजार गुला तालाब हफ्ता बाजार दौलत शहीद होता हुआ इमामबरगाह कट्कुई पर वापस आकर तमाम हुआ जुलूस का सचालन हुसैन अब्बास हुमायूं ,मास्टर अली हैदर , करामत अली आदि कर रहे थे।जुलूस में अंजुमन के सदर शाह रजा शाही सिक्रेटरी अब्बास जिया , मेहर अब्बास , राजा , इकराम हैदर , नूर अब्बास राणा ,गौहर नौगांवी,बाबर,मजहर अब्बास, मुशर्रफ अली शिबाल हैदर न नदीम अब्बास ,नासिर अब्बास अहसान हैदर, साकी अब्बास और ओहदेदार ने दुसरे ओहदेदारों ने इन्तेजामात को हुस्नो खुबी के साथ समाप्त कराया।

बॉस्केट ऑफ च्वाइस के सभी साधनों की दी गई जानकारी

परिवार नियोजन में निजी अस्पतालों की भूमिका अहम:डॉ राजेश कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। परिवार नियोजन कार्यक्रम में निजी क्षेत्र के अस्पताल अहम भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे परिवारों के योग्य दंपति को ह्यबॉस्केट ऑफ च्वाइसह्ल के सभी साधनों की जानकारी देने के साथ उन्हें सेवा दिलाई जाए।परिवार नियोजन के नोडल अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गंगवार ने निजी क्षेत्र के अस्पतालों संचालकों के साथ सीएमओ ऑफिस के विवेकानंद सभागार में आयोजित बैठक में कही। बताया कि जिले के सभी निजी अस्पतालों को परिवार नियोजन के लिए तैयार किया जा रहा है। साथ ही शहरी क्षेत्रों में आशा और एएनएम को निर्देश दिए गए हैं कि घर-घर जाकर दंपती से संपर्क करें और पात्र लाभार्थी को नसबंदी, आईयूसीडी और त्रैमासिक अंतरा इंजेक्शन सेवा लेने के लिए तैयार करें। शहरी स्वास्थ्य में पीएसआई इंडिया, टीसीआई प्रोग्राम तकनीकी सपोर्ट कर रहा है। उन्होंने सभी प्राइवेट डॉक्टर को रवटअठ -ङ के बारे में जानकारी दी।शहरी स्वास्थ्य समन्वयक एहसान अली ने बताया कि 100 में से 70 महिलाएं व पुरुष परिवार नियोजन के साधन अपनाने के लिए प्राइवेट अस्पताल में जा रही हैं। जिसमें प्राइवेट अस्पताल की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएचएफएस)-पांच के आंकड़ों के अनुसार 40.3 महिलाएं परिवार नियोजन के साधन बाद में इस्तेमाल करना चाहती हैं। 35.3 महिलाएं परिवार नियोजन अपनाना नहीं चाहती है।मतलब हर 100 में 14 से 15 महिला या पुरुष ऐसे हैं, जो परिवार नियोजन का साधन अपनाना चाहते हैं।इस दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अश्वनी कुमार,पीसीआई इंडिया के अकबर अली खान, मोहम्मद रिजवान,नवीन बंसल, फैसल अनवर,सरिता कनौजिया,याकूब अली,विपुल कुमार, एहसान अली, व प्राइवेट हॉस्पिटल के डॉक्टर से मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

रहरा। ब्लॉक सभागार गंगेश्वरी जनपद अमरोहा मै जल जीवन मिशन ,हर घर जल योजना के अनतर्गत विकास खण्ड स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम मै ब्लॉक अमरोहा क्षेत्र के ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य, ने प्रति भाग किया ठक्क्क्ढफहैदराबाद से सैरटीफाईड प्रशिक्षक - श्री महेश सिहं ने प्रशिक्षण कार्यक्रम मै प्रतिभागी यो को जानकारी दी कि जल जीवन मिशन योजना की शुरूआत हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा की गयी है यह योजना भारत सरकार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों के लिए शुरू की गयी है जिसके माध्यम से उन्हें पानी की सुविधा घर-घर में उपलब्ध कराई जाएगी।15 अगस्त 2019 को मोदी सरकार के द्वारा सभी नागरिकों तक पानी की व्यवस्था उपलब्ध करवाने के लिए खखट मिशन का शुभारंभ किया गया। योजना के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार के द्वारा 3,50 लाख करोड़ रूपए का बजट निर्धारित किया गया है।जल ही जीवन मिशन के माध्यम से सभी नागरिकों तक पीने के लिए स्वच्छ जल की सुविधाएँ उपलब्ध की जाएगी। यह जल जीवन मिशन (ग्रामीण) का पूरक है जिसके तहत वर्ष 2024 तक कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (ऋ्रळ्ळउ) के माध्यम से सभी ग्रामीण घरों में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर जल की आपूर्ति की परिकल्पना की गई है।प्रशिक्षण कार्यक्रम मै पानी टेस्टिंग व गुणवत्ता परक की जानकारी दी।इस अवसर पर यू0 पी0 इन्डस्ट्रीयल कन्सलटेन्टस लि0 लखनऊ से रोहित कुमार ,सुमित कुमार,कमल कुमार तथा सीवीएन्टी जावेद खान, ग्राम विकास अधिकारी कृपाल सिंह सत्य प्रकाश आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

वेंडर्स संघ की एक विशेष बैठक हुई आयोजित

भागलपुर। विगत कुछ दिन पूर्व भागलपुर प्रशासन व नगर निगम के द्वारा तिलकामांझी चौक पर बने वेंडिंग जोन को हटा दिया गया था। जिससे फुटपाथ विक्रेता संघ के लोग काफी आक्रोशित दिखाई दे रहे हैं, जबकि प्रशासन द्वारा उक्त क्षेत्र इलाके में वेंडिंग जॉन बनाया था, और सभी फूटकर व्यवसाय करने वाले दुकानदार को बजापते रजिस्ट्रेशन नंबर और कार्ड भी जारी कर दिया गया था, फिर भी निगम व जिला प्रशासन लोगों ने उक्त इलाके में अवस्थित सभी फूटकर दुकानदारों को उक्त स्थल से हटा कर उनके व्यपार व रोजगार से वंचित कर दिया है। मामले को लेकर भागलपुर फुटपाथ विक्रेता संघ की एक विशेष बैठक हटिया रोड के बैंक कॉलोनी तिलकामांझी स्थित नासवी कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक कर संघ द्वारा फुटपाथ विक्रेताओं के विरुद्ध दुर्व्यवहार, अत्याचार प्रशासन द्वारा किये जाने के रवैये को लेकर प्रशासन के विरुद्ध एक बड़ा निर्णय लेते हुए विरोध आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है।

भाजयुमो ने नीतीश सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

भागलपुर। भाजपा युवा मोर्चा के भागलपुर इकाई के कार्यकताओं द्वारा आपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत नीतीश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के आदेशानुसार पूरे बिहार में भाजपा युवा मोर्चा (भाजयुमो) के द्वारा दस लाख सरकारी नौकरी, शिक्षकों के नियुक्ति नियमों के बदलाव मुद्दों और 13 जुलाई को पटना में विधानसभा घेराव के दौरान भाजपा के नेता व कार्यकताओं पर हुए लाठीचार्ज को लेकर सभी जिला एवं मंडल मुख्यालय स्तर पर नीतीश कुमार की सरकार के अत्याचार का प्रदर्शनी लगाकर हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

पीजी सेमेस्टर 2 की परीक्षा 2 अगस्त से होगी

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय द्वारा सेशन 2021- 2023 पीजी सेमेस्टर 2 परीक्षा की तिथि जारी कर दी गई है जो 02 अगस्त से 14 अगस्त तक ली जाएगी। इसको लेकर मुंगेर विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा शेड्यूल और केंद्रों की जानकारी से जुड़ी अधिसूचना जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार सत्र 2021 और 2023 सत्र परीक्षा 5 परीक्षा केंद्रों पर प्रतिदिन दो पारियों में संपन्न कराई जाएगी। जिसमें प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वाहन 10:00 बजे से अपराहन 1:00 बजे तक होगी और दूसरी पाली की परीक्षा अपराहन 2:00 बजे से 5:00 बजे तक होगी।

एम यू के कॉलेज के निरीक्षण के लिए बनी कमेटी

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय द्वारा अपने क्षेत्र अधीन आने वाले 5 जिलों में स्थित सभी अंग भूत एवं संबद्धता प्राप्त महाविद्यालयों में सेशन 2023 2027 स्नातक सेमेस्टर वन में महाविद्यालय कक्षा संचालन विद्यार्थियों के साथ शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की उपस्थिति को सुनिश्चित करने और उसकी मॉनिटरिंग के लिए दो अलग अलग कमेटी बनाई गई है। दोनों कमेटी मुंगेर,लखीसराय, खगड़िया ,जमुई और शेखपुरा जिले में स्थित अंगीभूत एवं संबद्धता प्राप्त महाविद्यालयों के निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है जिसे लेकर कुलपति प्रोफेसर श्यामा राय के आदेश पर कुलसचिव कर्नल विजय कुमार ठाकुर द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

मुंगेर। खड़गपुर अनुमंडल के प्राचीन काली मंदिर परिसर में बुधवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व संघ कार्यवाह मदन दास देवी के देवलोक गमन पर कार्यकताओं ने उनके तैल्य चित्र पर श्राद्धांजली अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर आर एस एस के खंड कार्यवाह देवनारायण ने मदन दास देवी जी के जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा कि वे अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय देकर एबीवीपी संगठन को काफी मजबूती प्रदान किया था।

हेल्थ एंड बैलेंस सेंटर का किया गया औचक निरीक्षण

मुंगेर। नौवागढ़ी उतरी पंचायत के हेल्थ एंड बैलेंस सेंटर चडौन एवं नया टोला भगत चौकी का औचक निरीक्षण सदर पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुशील कुमार झा ने बुधवार को किया। इस दौरान उन्होंने दवा जांच ओपीडी सहित अन्य पंजी का निरीक्षण किया पंजी में कई खामियां मिली जिसे दूर करने के लिए सी एच ओ औ आरती कुमारी को निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि शनिवार को महादलित टोले में स्वास्थ्य केंद्र को सुचारू ढंग से संचालित करें जिससे आम लोगों को कैंप के माध्यम से सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सके निरीक्षण के दौरान उनके साथ प्रबंधक रवि कुमार सहित स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद थे।

स्ट्रीट वेंडर्स के लिए ब्याज मुक्त ऋण शिविर का किया आयोजन

50 से अधिक लभूकों ने किया आवेदन हुआ ऋण पास, कई आवेदक के पास बैंक खाता नही है उपलब्ध

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। प्रधानमंत्री स्वनिधि आत्मनिर्भर योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स (पथ विक्रेताओं) को बिना ब्याज के दस हजार रूपए ऋण मिलेगा। बकायदा ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसके लिए कवायद शुरू हो चुकी है।

इसी कड़ी में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की ओर से शहरी क्षेत्र के आसपास के इलाके में स्ट्रीट वेंडरों को ब्याज मुक्त कर्ज देने के लिए हबीबपुर थाना क्षेत्र इलाके में अवस्थित साईं मंदिर परिसर में साईं बाबा के वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में बुधवार को ऋण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 50 की संख्या में आए महिला और पुरुष वेंडरों ने ब्याज मुक्त ऋण के लिए आवेदन किया। इस दौरान बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बीसी सत्यदेव कुमार ने बताया कि लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए और अपने छोटे व्यापार को बढ़ावा देने के लिए फिलहाल दस हजार रूपए का ब्याज मुक्त कर्ज का तत्कालीन लाभ मिलेगा साथ ही उन्होंने कहा कि इस रकम को तय समय में चुकाने के बाद पुनः इससे अधिक राशि का ऋण लेने के लिए वह लाभान्वित हो सकेंगे। वहीं कार्यक्रम के क्रम में भाजपा नेता मनीष यादव ने बताया कि सब्जी बेचने वाली गरीब महिला, ठेला पर समान बेचने वाले, छोटे वेंडर और कई मजदूर वर्ग की महिलाओं और पुरुषों ने उनसे अपने व्यापार को बढ़ाने और कई लोगों ने स्वरोजगार करने के लिए बैंक से ऋण उपलब्ध करवाने के लिए उनसे संपर्क किया था। जिसके बाद उन्होंने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बड़े अधिकारियों से संपर्क कर यहां के क्षेत्र इलाके में अवस्थित ग्रामीण लोगों के बीच ऋण शिविर का कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया है, वही उन्होंने कहा कि अधिकतर लोगों के पास बैंक का खाता उपलब्ध नहीं था बकायदा 50 लोगों ने अपना खाता खुलवाया है, जबकि करीब सैकड़ों आवेदन अभी शिविर के माध्यम से ऋण के लिए प्राप्त हुए हैं।

वही भाजपा नेता मनीष यादव की मानें तो सभी लोगों के ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाने के लिए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इससे पूर्व विगत तीन दिनों से मंदिर परिसर में ही आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर का आयोजन किया गया था। वही आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से कई लोगों का कार्ड बनवाया गया था। वहीं कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने आगामी 28, 29 और 30 जुलाई को साईं मंदिर परिसर में होने वाले वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने हेतू साईं भक्तों से अपील भी की है। वही ऋण शिविर कार्यक्रम में आई ग्रामीण महिला ने बताया कि वह काफी समय से सिल्क कारखाना में कपड़ा रंगायी का काम करती आ रही है, अल्प मजदूरी में गुजारा करना टेढ़ी खीर साबित होती दिख रही है। उन्होंने कहा कि अगर ऋण मिल जाए तो खुद का रोजगार करने की तमन्ना साकार हो पाएगी। वहीं करेला गांव से आए ग्रामीण सुबोध ठाकुर ने बताया कि ऋण मिलने के बाद वह स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने का सपना सपना पूरा कर सकेंगे। वही कार्यक्रम में भाजपा नेता पवन यादव समेत बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कई कर्मी और स्थानीय लोग मौजूद थे।

एक मनचले युवक नेएक महिला के साथ गलत करने की कोशिश

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र से एक विचित्र घटना घटित होने का मामला सामने आया है। जहां एक महिला अपने घर के पशु का चारा लाने के लिए बहीयार गई थी, इसी क्रम में उसे जोड़ की प्यास लगी और वह पानी की प्यास बुझाने के लिए वही पास के चल रहे पानी की मोटर के पास पानी पीने लगी तभी मनोहरपुर के रहने वाले मनचले युवक बजरंगी यादव ने उक्त महिला को अकेला देख जबरन पकड़ लिया और गलत काम करने की कोशिश करने लगा, जब वह महिला शोर मचाने लगी तभी उसकी आवाज सुनकर गांव के कुछ लोग मौके पर पहुंचे तो तबतक बजरंगी यादव वहां से फरार होने में सफल रहा वही उक्त घटना को लेकर पीड़ित महिला अपनी जान माल की रक्षा की गुहार ले न्याय की मांग को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार के कार्यालय पहुंची। जहां पीड़ित महिला ने बताया कि मैं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की गुहार ले आवेदन को लेकर मधुसुदनपुर थाना पहुँची थी, लेकिन वहां पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने हमें डांटते हुए यह कहकर भगा दिया गया कि ऐसे केस रोज आते हैं, यहां से जाओ तब जाकर मैं आज थक हारकर अपनी न्याय की फरियाद ले वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय पहुंची हूं। वही पीड़ित महिला ने बताया कि घटना विगत 25 जुलाई की दिन घटित हुई है, वही वरीय पुलिस अधीक्षक ने पीड़ित महिला की फरियाद को सुनकर उक्त मामले में संज्ञान लेते हुए कहा है जल्द दोषियों पर विधिसंबत कार्रवाई की किये जाने की बात कहते हुए पीड़िता को आश्वस्त किया है।

सती बिहुला व माँ विषहरी से जुड़ी है चम्पानगरी की गाथा

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। अंग की धरती पर चर्चित व प्रसिद्ध बाला- बिहुला व विषहरी की पूजा प्रारंभ हो गया है। माँ विषहरी को छोटी डलिया चढ़ने का दौर जारी होने लगी है, यह पूजा पूरे अंग क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ विधिवत रूप से मनाया जाता है। लोगों की इसमें अपार श्रद्धा देखी जा सकती है। आपको बता दें कि इस पूजा का भागलपुर जिला अंग क्षेत्र से खास नाता जुड़ा हुआ है, ऐसा कहा जाता है कि बाला बिहुला पूजा का चंपा नगरी में उद्भव स्थल सबसे चर्चित है। यहीं से इस पूजा की शुरूआत हुई थी, ऐसा कहा जाता है कि माँ विषहरी को सती बिहुला के कारण ख्याति प्राप्त हुई है और जिसके कारण चंपा नगर में भव्य मंदिर व उनकी विशेष पूजा की शुरूआत हुई थी। लोगों की मान्यता के मुताबिक कहा ये भी जाता है कि भगवान शंकर की पुत्री विषहरी सृष्टि के सभी देवी देवताओं की भांति अपनी पहचान के साथ पूजा अर्चना में ख्याति प्राप्त करने के लिए अपने पिता से बोली थी, तो तभी उनके पिता ने बताया कि अंग क्षेत्र चम्पानगरी में मेरा एक भक्त चांदो सौदागर रहता है। अगर वो तुम्हारी पूजा प्रारंभ करेगा तो तुम्हे ख्याति प्राप्त हो जाएगी और सृष्टि में अन्य देवताओं की तरह तुम्हें भी जानने लगेंगे। जिससे बाद मां विषहरी ने अपनी पूजा अर्चना की गुजारिश चांदो सौदागर से अपनी पूजा करने के लिए कहा था, लेकिन चांदो सौदागर ने पूजा करने से मना कर दिया था, तभी माँ विषहरी क्रोधित हो गई और चांदो सौदागर के परिवार को मृत्यु की सजा से दण्डित कर उसे पूजा करने के लिए मजबूर करने लगी थी, तभी चांदो सौदागर के अडिग फैसले को कोई फर्क नहीं पड़ा और वो भगवान शिव की आराधना में डटे रहे इसी क्रम में उनका सबसे छोटा पुत्र बाला लखेंद्र बचा हुआ था जिसकी शादी तय कर दी थी, जिसके विवाह संपन्न होने के बाद उसे कोई क्षति न हो इसके लिए उन्होंने भगवान विश्वकर्मा से अपील कर एक लोह से निर्मित घर का निर्माण कर बेहतरीन तरीके से तैयार कर बनवाया गया। उक्त घर के निर्माण में सुई भर मात्र का छिद्र रखवाया गया था. ताकि उससे हवा प्रवेश कर सकें। बाला लखेंद्र की शादी बिहुला से विधिवत रूप से संपन्न होने के बाद से नवनिर्माण लौह भवन में दोनों रहने के लिए लेजाया गया था, जब दोनो नवविवाहित जोड़ी उक्त निर्माण किए बंद घर में जब सोए हुए थे. तभी मां विषहरी उक्त बंद घर के अंदर प्रवेश कर गई और बाला लखेंद्र को एक मच्छर ने काटा जिसके बाद उसने अपने हाथ को जब झटका देते हुए फेंका तो हांथ विषहरी को जा लगी, जिसके बाद विषहरी ने बाला लखेंद्र को दंश कर लिया था, जिसके बाद पत्नी बिहुला ने अपने पति को लेकर केले के थम्ब पर अपने पति को रखने के साथ ही अपने पति के प्राणों की रक्षा के लिए स्वर्ग यात्रा को निकल पड़ी थी, इसी बीच भगवान शिव के वक्तव्यों पर माँ विषहरी की पूजा प्रारंभ की नींव स्थापित कर उसकी पूजा अर्चना शुरूआत की जिसके बाद देवी रूपी सती बिहुला को जब देवताओं द्वारा वरदान प्राप्त कर स्वर्ग पहुंच अपने पति के जीवन दाई प्राणों को लेकर वापस लौटी थी, तभी से अंग क्षेत्र के चम्पानगरी में माँ विषहरी की पूजा गाथा प्रारंभ होने लगी है। जिसे पूरे जिला क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जाता है।

दहेज प्रताड़ना से तंग एक महिला न्याय की गुहार ले पहुंची एसएसपी कार्यालय

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। एक तरफ जहां बाल विवाह दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए कई तरह की योजनाओं को लेकर बिहार सरकार व केंद्र सरकार द्वारा अरबों रुपए खर्च कर रही है। वहीं दूसरी ओर इसके नतीजे ढाक के तीन पात साबित होते दिख रहे हैं। इसी कड़ी में एक और मामला सबौर थाना क्षेत्र इलाके से सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि सबौर के बड़ी हटिया की रहने वाली एक महिला की शादी विगत 2 वर्ष पूर्व हिंदू धर्म के मुताबिक विधिवत रूप से सम्पन्न हो चुकी थी, वही महिला को उसके ही अपने पति द्वारा दहेज के लोभ में उसे घर से बेदखल कर दिया है। वही उससे उसके पति ने तीन लाख की रकम और एक बाइक की डिमांड कर दी है, और पति का कहना है जब तक यह डिमांड पूरा नहीं होता है तब तक मेरे घर नहीं चाढ़ोगी, अब लाचार महिला काफी बेबस है और वह अपनी दुखड़ा ले थाने पहुंच गई, लेकिन थाने में भी उसकी फरियाद अनसुनी कर रही है। वही पीड़ित महिला अपनी फरियाद को ले बरिय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय अपनी न्याय की गुहार ले पहुंच गई है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर इसकी बातें कौन सुनेगा, क्या दहेज से प्रताड़ित की शिकार हुए महिला इसी तरह दर-दर की ठोकरें खाती रहेगी। वही मामले को लेकर पीड़ित महिला ने बताया कि मेरा पति दिलखुश उर्फ बीरबल जो पेसे से नृत्य प्रशिक्षक है, वह किसी और लड़की के साथ रहता चला आ रहा है, मामले की जानकारी मिलने के बाद विरोध करने पर उसने मुझसे दहेज देने की बात कही है, और वो कहता है जब तक दहेज नहीं दोगी, तब तक इस घर में तुम्हारे लिए कोई जगह नहीं है।

तीन बच्चे की माँ को इश्क का चढ़ा बुखार बच्चे छोड़ प्रेमी के साथ हुई फरार

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज परिक्षत्र इलाके से एक ऐसी घटना सामने आई है कि जिसे सुनकर आप चौंक जाएंगे। घटना को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक एक तीन बच्चे की माँ को इश्क का चढा बुखार चढ़ गया है। माँ ने अपने तीनों बच्चे को छोड़कर अपने प्रेमी के साथ फरार चल रही है। मामला सुलतानगंज प्रखण्ड के भीरखुंद पंचायत के वार्ड 3 के गांव इलाके से उजागर हुआ है। मामले को लेकर भीरखुंद पंचायत के रहनेवाले ग्रामीण दिलिप कुमार रंजन ने बताया है कि 2009 साल में खडिया पिपडा गाँव के रहनेवाले स्व.अर्जुन मंडल की पुत्री कविता कुमारी के साथ सर्वसम्मति से हिन्दू रिति रिवाज के मुताबिक विवाह हुई थी। जिसमें तीन बच्चे हैं, एक बच्चे का नाम अभीषेक कुमार उम्र 11वर्ष, दुसरा बच्चा आकांक्षा कुमारी उम्र 8 वर्ष, तिसरा बच्चा ओम कुमार उम्र 4 वर्ष शामिल होने की जानकारी बतायी जा रहा है। वही पीड़ित पति दिलीप ने बताया कि शादी के बाद से ही हमारी पत्नी कविता कुमारी फोन पर अपने प्रेमी के साथ बातचीत करती रहती थी उसे जब बातचीत करने को लेकर मना करने पर वो बात करना नहीं छोड़ी और आए दिन घरेलू विवाद होने पर हमारी पत्नी दो वर्ष पूर्व घर छोड़कर अपने प्रेमी के साथ फरार हो गयी है। वही फरारी पत्नी कविता कुमारी द्वारा पूर्व में थाना पहुंच कर एक झुठे केस के आवेदन देकर प्रताड़ित किया गया, वही जब स्थानीय थाना पुलिस के द्वारा दोनों पति पत्नी को साथ रहने की बात कहने पर भी पत्नी कविता घर में नहीं रहने लगी तो मामले को लेकर गाँव स्तर पर मुखिया, सरपंच के द्वारा पंचायत भी हुई जिसके समझाने के बावजूद तब पर भी बात नहीं मानने पर उक्त महिला ने कोर्ट में आवेदन भी दे दिया, जहां पर न्यायालय द्वारा जारी निर्देशित आदेश पर भी हमारी पत्नी कविता कुमारी बात नहीं मान रही, तभी अजीज होकर कहा कि जब हमारी पत्नी जब दुसरे के साथ रंगरेलियां मनाईगी, तो ऐसे पत्नी को रखने के लिए तैयार नहीं हूं, की बात कही है। अब देखने वाली बात यह है कि एक पिता अपने तीन बच्चे को दादा, दादी के सहारे कैसे स्कूल की शिक्षा व परवरिश कर रहे हैं। वही मामले को लेकर पीड़ित तीनों बच्चों के दादा, दादी का कहना है कि पति, पत्नी की लड़ाई में तीन बच्चे को कौन भविष्य देखेगा, एक माँ को ऐसा नहीं करना चाहिए की बात कही ।

ठेकेदार की अपनी मनमानी, दलदली जमीन पर बिना छड़ की ढाली नीव : ग्रामीण

प्रात : किरण ब्यूरो

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज नगर परिषद परिक्षेत्र स्थित भीरखुंद पंचायत स्थित बिहार सरकार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र इलाके के बच्चों के उज्जवल भविष्य को देखते हुए ग्रामीण इलाके के बच्चों की उच्च शिक्षा मार्ग की दिशा में एक हाई स्कूल के नवनिर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है। उक्त स्कूल भवन के नवनिर्माण भवन का कार्य शुरूआत होने पर स्थानीय इलाके के ग्रामीणों ने स्कूल भवन निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार पर भ्रष्टाचार किये जाने का आरोप लगा दिया है। ग्रामीणों के अनुसार ठेकेदार द्वारा अपने मनमानी करते हुए भवन निर्माण स्थल दलदली होने पर भी उक्त जमीन स्थल पर बिना लोह के ढलाई किये जाने को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि हाई स्कूल भवन का नवनिर्माण कार्य ठेकेदार बबलू कुमार के द्वारा किया जा रहा है, जिनके द्वारा उक्त जमीन स्थल दलदली होने पर भी भवन की नींव रखने की दिशा में जमीन ढलाई कर भवन का नवनिर्माण किया जा रहा है, जो दो मंजिल भवन बनने है, उनके निर्माण कार्य किये जाने के बाद कभी भी स्कूल की भवन धाराशाही होकर गिर जाएगा, इसकी शिकायत को लेकर शिक्षा विभाग के पदाधिकारी एंव विधायक को भी सुचना देने के बावजूद भी ठेकेदार द्वारा अपनी मनमानी करते हुए स्कूल भवन निर्माण किया जा रहा है, ऐसे में भवन निर्माण होने पर कभी भी भवन छतिग्रस्त हो उक्त स्कूल के बच्चे की जान माल नुकसान का खतरा बना रहेगा। इस दौरान तमाम ग्रामीणों की भीड़ स्कूल भवन निर्माण कार्य स्थल पर मौजूद थे।

अप्रहृत लड़की को संग्रामपुर पुलिस ने मुंगेर से किया बरामद

संग्रामपुर (मुंगेर)। थाना क्षेत्र अन्तर्गत चंदनिया गांव से शादी की नियत से एक लड़की का अपहरण करने के मामले में संग्रामपुर पुलिस ने मुंगेर से बरामद कर लिया है।विदित हो की इस मामले में अपहृत लड़की के पिता सिध्दु पासवान ने संग्रामपुर थाना में 21 जुलाई को लडकी के अपहरण करने का मामला दर्ज कराया था। जिसमें बेलहर थाना क्षेत्र के गोरगांवा गांव के मिथुन शेख व अन्य को बेटी के अपहरण करने का आरोपी बनाया गया था।

थाना में दिए आवेदन में अपहृत लड़की के पिता ने कहा था कि मेरी पुत्री काल्पनिक नाम सुषमा को बेलहर थाना क्षेत्र के गोरगांवा गांव के मिथुन शेख व अन्य ने शादी की नियत से अपहरण कर लिया है। उक्त आरोपी कहीं मेरी बेटी की हत्या न कर दे। आवेदन मिलने के साथ ही पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दिया। जिसमें दो नामजद आरोपी मुन्नी खातून व एजाजुल आलम को पहले ही गिरफ्तार कर मुंगेर जेल भेजा दिया था। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में स्पेशल टीम तेयार किया।

मणिपुर में महिलाओं पर हुए अत्याचार से आज देश कराह रहा है : जिला अध्यक्ष राजद

राजद ने आक्रोश मार्च निकालकर किया प्रधानमंत्री का पुतला दहन

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)।असम अशांत है कश्मीर कराह रहा है मणिपुर का मियाज आज खराब है जहां बहू बेटियों की इज्जत सरेआम लूटी जा रही है दिनदहाड़े उनकी हत्या की जा रही है हमारे प्रधानमंत्री जुमलेबाज है यह कहने में कोई शर्म नहीं है। जो गरीबों को न्याय नहीं दिला सके गरीबों को इंसाफ नहीं दिला सके गरीबों के दुख सुख में जो शामिल ना हो सके वैसे सरकार को उखाड़ फेंक देना हमारा कर्तव्य बनता है उक्त बातें राजद के जिलाध्यक्ष त्रिलोकी शर्मा ने संग्रामपुर प्रखंड के पतघाघर में आयोजित आक्रोश मार्च के दौरान कही।उन्होने कहा कि मणिपुर में आदिवासी महिलाओं पर हुए अत्याचार से आज देश कराह रहा है। मणिपुर में महिलाओं एवं दलित आदिवासियों पर बढ़ते अत्याचार एवं केंद्र की भाजपा सरकार के विरुद्ध राजद कार्यकर्ता जमकर बरसे ।राजद के एसटी जिलाध्यक्ष संजय बेसरा ने कहा मणिपुर में महिलाओं के साथ बर्बरता का वीडियो देखकर देश कॉप उठा है महिलाओं को नग्न अवस्था में परेड करवाया उनका सरेआम कैमरे पर यौन शोषण किया गया वीडियो वायरल होने के बाद लोगों को मणिपुर की भयावह स्थिति का अंदाजा हुआ लोग कहने लगे कि राज की कानून और व्यवस्था पंगु हो चुकी है महिलाओं के शरीर को खूब इस्तेमाल हुआ कभी दुश्मन को सुरक्षा के लिए खतरा बताने के लिए कभी किसी अपनों और बाहरी के लिए राजनीतिक हदें तय करने के लिए कभी भारतीय सेना या पैरा मिलिट्री फोर्सेज को दखल देने से रोकने के लिए महिलाओं को ढाल बनाया गया 24 मई को 4 महिलाओं को एक गाड़ी से जबरन उतारा गया उसके कपड़े फाड़ देंने और सामान तहस-नहस कर दिया इसी कारण से मणिपुर में कुछ लोगों का राज्य सरकार पर से भरोसा उठ चुका है कि वह न्याय करेगी। जबकि मुंगेर जिला के उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि केन्द्र की सरकार को सिर्फ सत्ता से मतलब है,कहां क्या हो रहा है यह दिखाई नही दे रहा केन्द्र की सरकार अंधा और बहरा हो चुका है।इस आक्रोश मार्च में राजद के असरगंज प्रखंड प्रभारी धर्मेंद्र सिंह,जयदेव बेसरा,नवल किशोर बास्के ,शिवराज सोरेन,मनोज टूडू सुभाष सोरेन,कैलाश शर्मा ,अर्जुन शर्मा आदि ने भी केन्द्र सरकार पर प्रहार किया।इस कार्यक्रम का संचालन प्रखंड के पूर्व राजद प्रखंड अध्यक्ष कंचन कुमार ने की।

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

धमदाहा /पूर्णिया । सैनिक कल्याण निदेशालय के सौजन्य से झण्डा दिवस कोष में धन संग्रह हेतु देश भक्ति गीत शास्त्रीय संगीत गीत गजल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन धमदाहा प्लस 2 माध्यमिक उच्च विद्यालय परिसर में आयोजित सरकारी कार्यक्रम का उद्घाटन पटना गृह विभाग के प्रशानिक अधिकारी व धमदाहा अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार, अनुमंडल पुलिस उपाधीक्षक रमेश कुमार, भूमि उपसमाहर्ता विनय कुमार, अंचालाधिकारी रवि प्रसाद, प्रखंड पंचायतीराज पदाधिकारी चंदन कुमार, राजस्व अधिकारी कमल कांत सिंह के संयुक्त में दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्ता हमारा गीत-संगीत से किया। देश भक्ति गीत-संगीत पर तालियां के गड़गड़ाहट से गूंजते रहे। पटना दूरदर्शन एवं रेडियो स्टेशन के कलाकारों ने लोगों का मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं हास्य कलाकारों के द्वारा लोगों को हंसी से लोटपोट करते रहे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों को जन जन तक पहुंचाना पहली प्राथमिकता : प्रदेश महासचिव

जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव बनी रीता राज बधाइयों का लगा तांता

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

जदयू महिला प्रकोष्ठ की बिहार प्रदेश अध्यक्ष स्वेता विश्वास ने मुंगेर निवासी जदयू नेत्री रीता राज को प्रकोष्ठ का प्रदेश महासचिव मनोनीत किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने रीता राज के मनोनयन पर आशा और उम्मीद जताया है कि इनके मनोनयन से पार्टी संगठन मजबूत होगा। जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव बनने पर रीता राज को विभिन्न प्रकोष्ठ के जदयू नेताओं ने बधाई दी है। बधाई देने वालों में जदयू जिलाध्यक्ष नचिकेता मंडल, जदयू प्रदेश महासचिव सौरभ निधि, जिला जदयू महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पूनम देवी, मुंगेर जिला जदयू के पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष साहनी, युवा जदयू के जिलाध्यक्ष विक्की गुप्ता, जदयू नगर अध्यक्ष गुड्डू राईन, नगर उपाध्यक्ष बच्चन राज पासवान, जदयू नेत्री नेहा देवी, सरिता कुमारी, कोमल राज, पायल देवी, ज्योति कुमारी, जदयू अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मिथिलेश मंडल तथा सुरेश मंडल सहित आदि शामिल हैं। बधाई देने वाले जदयू नेताओं ने कहा कि जदयू महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव रीता राज के बनने से पार्टी संगठन और अधिक मजबूत होगा। जदयू महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव मनोनयन पर मीडिया से बातचीत करते हुए रीता राज ने कहा कि जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्वेता विश्वास ने जो आशा और उम्मीद उन पर जताया है, उस विश्वास पर खरा उतरने के लिए वह हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत बनाना तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा किए गए विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूरे बिहार से भगाना है। बिहार में भाजपा जीरो पर आउट हो जाएगी। बताते चलें कि रीता राज जदयू महिला प्रकोष्ठ की तीसरी बार प्रदेश महासचिव मनोनीत हुई है। इससे पहले रीता राज समाज सुधार वाहिनी की मुंगेर जिलाध्यक्ष पद को भी शुभ शोभित कर चुकी है।

शिवशिष्या के जन्मोत्सव पर हरींद्रानंद संगठन ने किया पौधारोपण

रूपौली (पूर्णिया) । रूपौली प्रखण्ड क्षेत्र के कोयली सिमड़ा पश्चिम पंचायत में शिवशिष्यता की जननी एवं प्रेरणास्रोत पूज्य दीदी नीलम आनंद के 71वें जन्मदिवस के मौके पर पूरे विश्व में जारी 21 से 27 जुलाई तक पौधरोपण अभियान के तहत गुरूवार को सपाहा गांव के हरींद्रानंद फाउंडेशन के तत्वावधान में शिवशिष्य बालकृष्ण कुमार, शिव शिष्य डाक्टर रमण कुमार, डाक्टर दयानंद मंडल की अगुवाई में सैकड़ों शिवशिष्यों ने जन्मोत्सव मनाया गया। जनजागरण के लिए सैकड़ों फलदार पौधों के साथ झांकी निकाली गई। इस मौके पर सांसे हो रही है कम, आओ वृक्ष लगाएं हम, वृक्ष है धारा का भुषण-आओ दुर करें प्रदुषण, तपति धरती मांग रही - वृक्ष लगाए वृक्ष लगाए आदि के गगनभेदी नारे लगाए गए। वहीं प्रखण्ड अध्यक्ष शिवशिष्य बालकृष्ण कुमार ने कहा की निरंतर होते हुए मानवीय मूल्यों के ह्रास एवं प्रकृति पर आसन्न संकट की भयावह स्थिति में शिवशिष्य हरींद्रानंद फाउंडेशन द्वारा विगत कई वर्षो से बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। वही पैक्स अध्यक्ष कैलाश भारती ने फाउंडेशन के कार्यो की सराहना की। फाउंडेशन के शिवशिष्य डा रमण कुमार ने बताया कि पंचायत में अब तक एक सौ से ज्यादा पौधरोपण किया गया है।

हमलावर ने चाकू मारकर किया महिला की हत्या

घटना के बाद हमलावर स्वयं थाना पहुंचकर किया आत्मसमर्पण

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

जब आपका गाना दूसरे की आवाज में डब होता है तो बहुत दुख होता है

बाल कलाकार के रूप में करियर की शुरुआत करने वाले आदित्य नारायण को लोग भले एक अरसे तक छोटा बच्चा के रूप में जानते रहे हों, मगर बीते सालों में उन्होंने एक फेमस एंकर के रूप में अपनी मजबूत पहचान बनाई। एक्टर-सिंगर-होस्ट आदित्य अब सिंगर पिता उदित नारायण की छाया से निकल चुके हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं सा रे गा मा पा की एंकरिंग से। इस शो में वे नौवीं बार होस्ट बनने जा रहे हैं। उनसे एक बातचीत।

सा रे गा मा पा जैसे सिंगिंग रियलिटी शो में नौवीं बार होस्ट बन कर कैसा महसूस हो रहा है?

मैं तकरीबन हर सिंगिंग रियलिटी शो को हिस्सा बन चुका हूं, मगर सा रे गा मा पा से मेरा भावनात्मक जुड़ाव रहा है। सबसे बड़ा कारण यह है कि मेरा पहला असाइनमेंट सा रे गा मा पा ही रहा है। इस शो से पहले लोग मुझे उदित जी (सिंगर उदित नारायण) का बेटा कहकर बुलाया करते थे। मगर शो के बाद मेरी खुद की पहचान बनी। टीवी के साथ काम करने घर वाली फीलिंग है। इतने सालों से कमाल-कमाल के टैलेंटेड म्यूजिशियंस के साथ काम करना और देश के कोने-कोने से आई प्रतिभाओं के रूबरू होना एक बेहद ही दिलचस्प अनुभव है। आप जब इस तरह के शोज के साथ 5-6 महीने बिताते हैं, तो लास्ट सीजन तक आते-आते आप इमोशनली उनसे गहराई से जुड़ जाते हैं। नई प्रतिभाएं और लोग आपसे जुड़ते जाते हैं और आपकी दुनिया बड़ी होती जाती है।

आदित्य आप एक चाइल्ड आर्टिस्ट भी रहे हैं, आम तौर पर कहा जाता है कि चाइल्ड आर्टिस्ट आर्ट और कॉम्पटीशन की रेस में अपना बचपन खो देते हैं, आप क्या कहना चाहेंगे?

देखिए, मैं सभी के नजरिए का सम्मान करता हूं। मैंने काफी अरसे तक बाल कलाकार के रूप में काम किया है। मेरा मानना ये है कि अगर आप में कला और रुचि दोनों है तो 100 पर्सेंट आपको उसमें आगे बढ़ना चाहिए। हम सभी में एक गाइडिंग फोर्स होता है, जो हमें बताता है कि हमें ये चीज करनी चाहिए। अगर मैं अपने शो की बात करूं, तो शो मेकर के रूप में हम अपना बेस्ट देते हैं बच्चों को। बड़ों के लिए भले शूटिंग शेड्यूल हेक्टिक हो, मगर बच्चों के लिए यह काफी सहूलियत वाला होता है। कोशिश यही रहती है कि उनकी पढ़ाई में अड़चन न आए। मुझे लगता है, इसमें ज्यादा जिम्मेदारी माता-पिता की बनती है। उन्हें चाहिए कि वे अपने चाइल्ड आर्टिस्ट के आस-पास के माहौल को हेल्दी बनाए रखें। उन्हें मानसिक रूप से तैयार करें कि सभी विनर नहीं हो सकते, ताकि बच्चे अपने सफर का मजा ले सकें।

एक सिंगर के रूप में आप शमशेर के गाने, जी हुजूर से चर्चा में थे। आप ततड़, ततड़, कभी ना कभी मिलोगे, दुआ में याद रखना, तेरी दिल लगी, कहीं आग लगे लग जाए जैसे कई गानें गा चुके हैं, मगर इसके बावजूद आप चुनिंदा गाने ही गाते हैं, क्यों?

ये मेरा सोचा-समझा हुआ फैसला नहीं है। मेरे चाहने वालों का हक बनता है कि वो मुझे और ज्यादा सुनें। अपने चाहने वालों को मैं यही कहना चाहूंगा कि मैं यहीं हूं, कहीं नहीं जा रहा। मैं खुद चाहता हूं कि मैं और ज्यादा गाने गाऊं और जल्द ही मेरे फैंस मेरे अच्छे गाने सुनेंगे। पिछले डेढ़-दो साल में मैंने काफी तैयारी की है और उसका फल जल्द ही देखने मिलेगा। म्यूजिक में मेरा बहुत अच्छा काम हुआ है। मेरे दो एल्बम तैयार हैं। सितंबर में आप लोग मुझे देखेंगे भी और सुनेंगे भी।

छोटा सिंगर हो या बड़ा गायक, हर आर्टिस्ट के करियर में ऐसा अनुभव गुजरा है कि उनके गाए हुए गाने दूसरे सिंगर की आवाज में डब किए गए हों, आपके साथ ऐसा हुआ है?

हां, मेरे पिताजी से लेकर सोनू भैया (सोनू निगम) जैसे, सभी के साथ हुआ है, तो मैं कैसे बच सकता हूं? मेरे साथ भी ऐसा कई बार हुआ। मैं जब गाना रिकॉर्ड कर रहा था, तो मुझे लगा मैंने अपना बेस्ट दिया है। मगर बाद में वो गाना किसी और की आवाज में रिलीज हुआ। मैं समझता हूं कि म्यूजिक कला के साथ -साथ एक बिजनेस भी है, तो कई बार आप रह जाते हैं। देखिए, जब आपका गाना किसी और की आवाज में डब होता है, तो बहुत दुख होता है। हम कलाकार बहुत भावुक होते हैं। मैं तो एनिमेशन फिल्में देख कर रो पड़ता हूं, तो अगर मुझसे गाना छिन जाए, तो दुख होना लाजिमी है। मगर हार-जीत जीवन का हिस्सा है। उसे स्वीकार करना पड़ता है।

अब आप एक पति और पिता भी बन गए हैं, तो शादी और फादरहुड ने आपको कितना बदला है?

बहुत बदल दिया है। मेरी दुनिया थोड़ी छोटी हो गई है, मगर उसमें करोड़ों गुना प्यार बढ़ गया है। मैं इस खुशी को बनाए रखना चाहता हूं, चाहे वो मेरे पेरेंट्स हों, पत्नी हो या मेरी बेटी। मैं इससे ज्यादा क्या मांगू? एक समय आपकी जिंदगी में वो होता है, जब आप चाहते हो आपका शो या गाना हिट हो, मगर शादी के बाद मेरे लिए परिवार मेरी प्राथमिकता हैं। अब पिता बनने के बाद माता-पिता के प्रति सम्मान और बढ़ गया है। मेरे पापा बिल्डिंग में नीचे वॉक करते रहते हैं और वे जब कहते हैं कि उन्हें जिंदगी से कोई शिकायत नहीं, तो मैं खुशी के मारे झूमने लगता हूं। मेरी नन्ही-सी बेटी मेरा कंधा थपथपाकर कहती है, पापा आई लव यू उस वक्त मैं सबकुछ भूल जाता हूं।

गोल्डफिश के साथ पर्दे पर कमबैक कर रही कल्कि कोचलिन

एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन चार साल बाद गोल्डफिश के साथ सिनेमाघरों में वापसी को लेकर उत्साहित हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि यह हास्य और दिल को छू लेने वाली भावनाओं से भरपूर एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म है। लंदन में शूट हुई गोल्डफिश मेमोरी, म्यूजिक, मेंटल हेल्थ और आइडेंटिटी से संबंधित है। पुशन कृपलानी द्वारा निर्देशित फिल्म भारतीय-ब्रिटिश-अमेरिकी प्रोडक्शन पावरहाउस दीप्ति नवल, कल्कि कोचलिन और रजित कपूर को एक साथ लाती है, जिसमें यूके के कुछ कलाकार भारती पटेल, गॉर्डन वार्नेके, रविन गनात्रा और शनाया रफत शामिल हैं। कल्कि को आखिरी बार 2019 की हिंदी फिल्म गली बॉय में देखा गया था, जिसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट प्रमुख भूमिका में थे। उन्होंने 2020 के तमिल एंथोलॉजी ड्रामा पावा कढ़ाइगल में लव पन्ना उत्ट्रानम सेगमेंट में पेनेलोप के रूप में भी अभिनय किया। 30 सितंबर, 2019 को कल्कि ने अपने बॉयफ्रेंड, इजरायली म्यूजिशियन गाइ हर्शबर्ग के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की पुष्टि की। उनकी बेटी का जन्म 7 फरवरी, 2020 को वॉटर बर्थ के जरिए हुआ था। गोल्डफिश में काम करने के अपने अनुभव और चार साल बाद सिनेमाघरों में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए कल्कि ने कहा, मातृत्व और कोविड के चलते एक्टिंग से लंबे अंतराल के बाद इतनी खूबसूरत फिल्म गोल्डफिश के साथ पर्दे पर वापस आना रोमांचक है। एक्ट्रेस ने कहा, फिल्म कोविड लॉकडाउन के दौरान मां-बेटी के रिश्ते में आने वाली चुनौतियों के बारे में है, जिसे क्रमश: दीप्ति नवल और मैंने निभाया है। यह हास्य और दिल को छू लेने वाली भावनाओं से भरपूर एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म है जो हम सभी तक पहुंचेगी जिन्होंने अपने माता-पिता, अपने बच्चों या अपनी पहचान के साथ संघर्ष किया है। फिल्म में अपने सफर के बारे में बात करते हुए दीप्ति ने कहा, गोल्डफिश एक आदर्श प्रोजेक्ट है, जिसका हिस्सा कोई भी कलाकार बनना चाहेगा। यह एक मां-बेटी के रिश्ते की कहानी बताती है और मानव स्वभाव की जटिलताओं और कैसे परिस्थितियां व्यक्तिगत रिश्तों को आकार देती हैं, इस पर प्रकाश डालती है। स्प्लेंडिड फिल्म्स प्रोडक्शन, अमित सक्सेना द्वारा निर्मित, यह फिल्म 25 अगस्त को भारत और अमेरिका के कई शहरों में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जवान के गाने जिंदा बंदा में 1000 लड़कियों के साथ डांस करेंगे किंग खान

सुपरस्टार शाहरुख खान स्टारर फिल्म जवान के पहले सॉन्ग जिंदा बंदा के रिलीज होने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सॉन्ग की लॉन्चिंग करीब है। इस गाने को लेकर इंटरनेट पर अटकलें भी शुरू हो गई हैं कि ये कितना ग्रैंड होगा। गाने में शाहरुख हजारों लड़कियों के साथ डांस करते हुए दिखाई देंगे। इसे गाने को अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है और कोरियोग्राफ शोबी ने किया है। अनिरुद्ध रविचंदर ने 2012 में तमिल फिल्म 3 से अपने म्यूजिक की शुरुआत की और सुपरहिट गाना व्हाई दिस कोलावेरी डी बनाया। अपने एक दशक लंबे करियर के दौरान, उन्होंने हिंदी और तेलुगु के अलावा, अलग-अलग भाषाओं, मुख्य रूप से तमिल में, 90 से ज्यादा फिल्मों के लिए ऑरिजनल स्कोर और गानों को कंपोज्ड और प्रोड्यूस किया है। उन्हें हाल के समय की कुछ सबसे बड़ी हिट फिल्मों में उनके म्यूजिक कंट्रीब्यूशन के लिए जाना जाता है, जैसे वाथी कमिंग, अरेबिक कुथु, विक्रम का रिकॉर्ड-ब्रेकिंग एल्बम और रजनीकांत स्टारर अपकमिंग फिल्म जेलर का हालिया गाना कावाला। सूत्रों के अनुसार, यह ट्रैक एक विशाल उत्सव की तरह होने का वादा करता है, जिसे चेन्नई में बड़े पैमाने पर पांच दिनों में शूट किया गया है, जिसमें चेन्नई, हैदराबाद, बैंगलोर, मदुरै, मुंबई और अन्य भारतीय शहरों के 1000 से अधिक नर्तक शामिल होंगे। सूत्र ने कहा, 15 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट से तैयार गाने जिंदा बंदा में शाहरुख खान को हजारों लड़कियों के साथ डांस करते हुए देखा जाएगा। अनिरुद्ध द्वारा कंपोज और शोबी द्वारा कोरियोग्राफ किए गए डांस मूव्स के साथ, यह ट्रैक पूरे देश को झूमने के लिए मजबूर कर देगा।

इस खास अवॉर्ड के लिए नोमिनेट हुए अभिषेक बच्चन

जल्द ही मेलबर्न में इंडियन फिल्म फेस्टिवल का आयोजन होने वाला है। जिसके लिए मोस्ट अवेटेड अवॉर्ड्स की एक नॉमिनेशन लिस्ट जारी कर की थी। जिसमें डार्लिंग्स से लेकर सीता रामम जैसी फिल्में और कई सीरीज शामिल थी। वहीं, अब इस लिस्ट में अभिषेक बच्चन का नाम भी जुड़ गया है। अभिषेक बच्चन को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में बेस्ट मेल परफोर्मेंस के लिए नोमिनेट किया गया है। एक्टर को ये नोमिनेशन अपनी सुपरहिट वेब सीरीज ब्रीद- इनटू द शैडोज के लिए मिला है। इस नोमिनेशन के बाद अभिषेक बच्चन के पिता और महानायक अमिताभ बच्चन का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। एक्टर ने बेटे की इस उपल्बिधि पर ट्वीट कर अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने लिखा- मेरी प्रार्थनाएं आपके साथ है भायू, तुम ये डिजर्व करते हो। शानदार परफॉर्मेंस लव एंड मोर। बता दें, इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न अवॉर्ड्स 11 से 20 अगस्त के बीच में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के आर्ट्स सेंटर के हैमर हॉल में होंगे। इस प्रतिष्ठित फिल्म अवॉर्ड में 20 अलग-अलग भाषाओं में करीब 100 फिल्मों की स्क्रीनिंग भी की जाएगी।

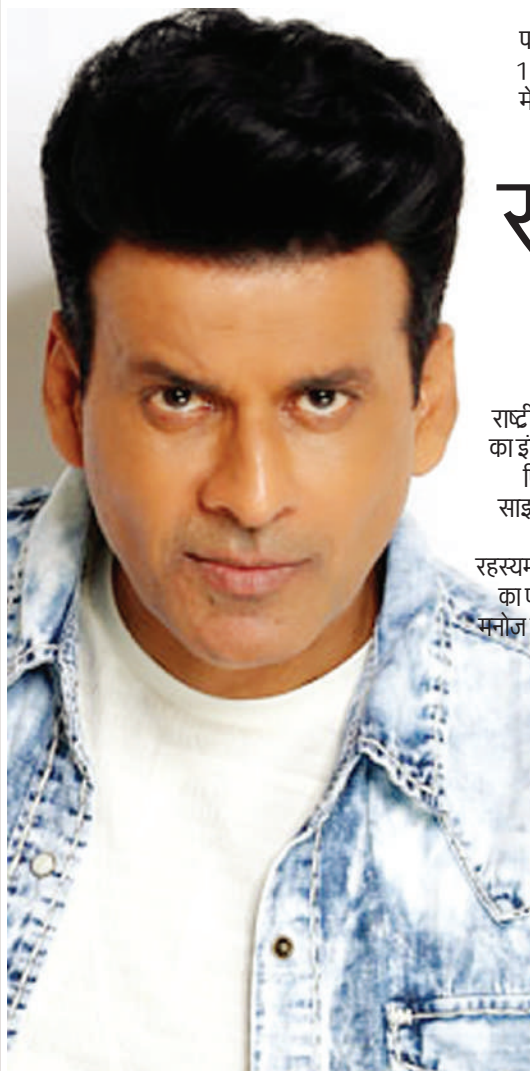

साइलेंस 2 को लेकर उत्साहित मनोज

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म साइलेंस के दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे दर्शकों का इंतजार आखिरकार अब खत्म होगा। एक्टर एक बार फिर एसीपी अविनाश की भूमिका में कदम रखने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने साइलेंस 2 का ऐलान कर दिया है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। पहले पार्ट में, एसीपी अविनाश के किरदार में मनोज बाजपेयी एक हाई-प्रोफाइल महिला की रहस्यमय हत्या की जांच करते हैं। इस दौरान उनके सामने धोखे, झूठ और छिपी सच्चाइयों का पता चलता है। जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ती है, सस्पेंस भी बढ़ता जाता है। फिल्म में मनोज बाजपेयी, प्राची देसाई और अर्जुन माथुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें साहिल वैद, वकवेर, बरखा सिंह, शिरीष शर्मा, सोहिला कपूर, अमित ठक्कर और गरिमा याग्निक जैसे कलाकारग भी नजर आए। साइलेंस के दूसरे पार्ट को लेकर एक्टर मनोज वाजपेयी ने कहा, मैं दर्शकों के लिए साइलेंस का दूसरा पार्ट लाने के लिए रोमांचित और उत्साहित हूं। इस भूमिका के लिए मुझे जो प्यार और सराहना मिली, वह वास्तव में जबरदस्त है और यह मुझे इस नए प्रोजेक्ट में भी अपना बेस्ट परफॉर्मेंस देने के लिए प्रेरित करती है। एक्टर ने कहा कि वह हमेशा खुद को चुनौती देना और अलग-अलग किरदारों को निभाना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, एसीपी अविनाश की यात्रा यादगार यात्रा रही है। मैं जी5, जी स्टूडियोज और निर्देशक अबान देवहंस के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को जारी रखने के लिए बेहद आभारी हूं। मैं वास्तव में उम्मीद करता हूं कि दर्शक इस रोमांचक नई फिल्म का आनंद लेंगे, क्योंकि यह रहस्य की दुनिया में ले जाती है। साइलेंस 2 का प्रीमियर जल्द ही जी5 पर होगा।

तमन्ना भाटिया के गाने कवाला का हिंदी वर्जन तू आ दिलबरा होगा रिलीज

इंडियन शकीरा का खिताब हासिल करने के बाद एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया वर्तमान में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर के फुट-टैपिंग नंबर कवाला की सफलता का आनंद ले रही हैं। चार्टबस्टर तमिल गाने से दिलों को खुश करने के बाद फिल्म के निर्माताओं ने अब उसी के हिंदी वर्जन की घोषणा की है, जिसका नाम तू आ दिलबरा है। एक रोमांचक घटनाक्रम में यूएफओ मूवीज़ ने उत्तर भारत के लिए जेलर के हिंदी डिस्ट्रिब्यूटिंग राइट्स हासिल करने की घोषणा की। इसके तुरंत बाद सन पिक्चर्स ने अनिरुद्ध द्वारा रचित कवाला के हिंदी वर्जन के लॉन्च की घोषणा की। तू आ दिलबरा के हिंदी लिरिक्स रकीब आलम ने लिखे हैं, जबकि इसे सिंधुजा श्रीनिवासन ने गाया है। कवाला अपने लॉन्च के कुछ ही समय में इंस्टाग्राम रील्स पर एक ट्रेंडिंग गाना बनकर उभरा। इस पेप्पी ट्रैक ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया और हजारों यूज़र्स ने तमन्ना के आकर्षक हुकस्टेप का प्रदर्शन करते हुए अपने वीडियो साझा किए। कावला का लिरिकल वीडियो भी यूट्यूब पर 50 मिलियन से अधिक बार देखा गया। अब प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि तू आ दिलबरा में उनके लिए क्या है। इस बीच जेलर के अलावा एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के पास विभिन्न भाषाओं में प्रोजेक्ट्स की एक दिलचस्प लाइन है। उनके पास मलयालम में बांद्रा, तेलुगु में भोला शंकर और तमिल में अरनमनई 4 है। इसके अलावा तमन्ना निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित वेदा में जॉन अब्राहम के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी।

निजी बैंकों में बढ़ी नौकरी छोड़ने की रफ्तार, दावा- हर तीन में एक फ्रंटलाइन कर्मचारी दे रहा इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के निजी बैंकों में नौकरी छोड़ने की दर में वृद्धि देखी जा रही है, विशेष रूप से युवा और फ्रंटलाइन कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने का चलन बढ़ा है। खबरों के मुताबिक, निजी क्षेत्र के बैंकों में एंट्री लेवल के तीन कर्मचारियों में से एक अपनी नौकरी छोड़ रहा है। भीड़-भाड़ वाले बाजार के एक बड़े हिस्से पर कब्जा करने की होड़ में बैंकों में ऋण की मजबूत मांग देखी जा रही है। पिछले वित्त वर्ष में ऋण की मांग 15 प्रतिशत बढ़ी है और खुदरा ऋणों की मांग में वृद्धि के कारण इस वर्ष में इसमें 10-12 प्रतिशत का इजाफा होने का अनुमान है। निजी बैंकों में तेज विकास का खामियाजा उसके फ्रंटलाइन कर्मचारियों को उठाना पड़ता है, इससे उनपर दबाव बढ़ता है। देश के सबसे बड़े निजी ऋणदाता एचडीएफसी बैंक ने पिछले साल की तुलना में कर्मचारी कारोबार की दर बढ़कर 34 प्रतिशत हो गई, जबकि एक्सिस बैंक में यह लगभग 35 प्रतिशत पर था। कोटक महिंद्रा बैंक में नौकरी छोड़ने वालों की संख्या बढ़कर करीब 50 फीसदी हो गई, जबकि यस बैंक में नौकरी छोड़ने की दर 43 फीसदी रही।

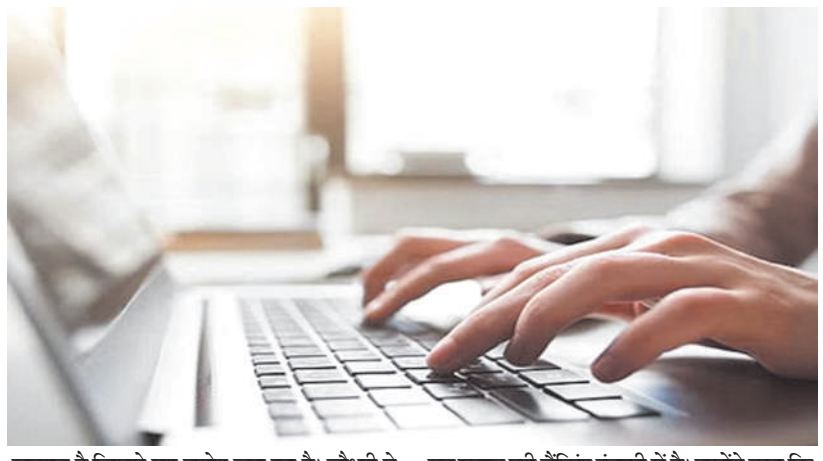

इंट्री लेवल कर्मियों के नौकरी छोड़ने की समस्या से पूरी बैंकिंग इंडस्ट्री जूझ रही

रिपोर्ट्स के अनुसार एक्सिस बैंक के सीईओ अमिताभ चौधरी ने बुधवार को कहा, यह एक ऐसी समस्या है जिससे पूरा उद्योग जूझ रहा है। चौधरी ने कहा कि बैंक कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए करियर की प्रगति और प्रशिक्षण सहित विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहा है।

स्टाफिंग फर्म टीमलीज सर्विसेज की को-फाउंडर रितुपर्णा चक्रवर्ती ने कहा, फाइनैंशल सर्विसेज के मामले में एट्रिशन (नौकरी छोड़ने के चलन की स्थिति) तब होता है जब इंडस्ट्री की सर्विसेज की डिमांड ज्यादा होती है और कंपनियां प्रॉडक्टिविटी बढ़ा रही होती हैं। यस बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रशांत कुमार ने बीते सप्ताहांत पर एक बयान में कहा, सेल्स साइड के ज्यादातर लोग नौकरी छोड़कर जा रहे हैं, और यह रुझान पूरी बैंकिंग इंडस्ट्री में है। उन्होंने कहा कि बैंक इस स्थिति को नियंत्रित करने की दिशा में काम कर रहा है और वह नहीं चाहता कि कुल मिलाकर 25-30 प्रतिशत से अधिक नौकरी छोड़कर चले जाएं।

अधिकतम लाभ हासिल करने की चाहत में युवा बदल रहे नौकरी

एंट्री-लेवल रिलेशनशिप मैनेजर्स की कमाई 30,000 रुपये से 35,000 रुपये होने के कारण उनके लिए स्विच करना आसान है। टीमलीज के चक्रवर्ती ने कहा कि पिछले एक साल में इस श्रेणी में सालाना पारिश्रमिक 8-10 फीसदी बढ़ा है। उन्होंने कहा, कर्मचारी अवसर मिलने पर नौकरी बदलकर बढ़ते बाजार में अधिकतम लाभ हासिल करने की कोशिश में नौकरी छोड़ने में हिचकिचाते नहीं हैं। लेकिन सिर्फ पैसा ही नौकरी छोड़कर जाने की दर बढ़ने का एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि काम करने की बेहतर स्थित और काम में लचीलापन मिलने के आकर्षण में भी युवा नौकरी छोड़ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में एक बैंक के हवाले से बताया गया है कि नौकरी छोड़ने के ज्यादातर मामले ज्वाइनिंग के छह महीने के भीतर होते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोटक महिंद्रा बैंक में जूनियर लेवल के कर्मचारियों ने सबसे ज्यादा नौकरियां छोड़ी।

जूनियर लेवल पर लगभग 50 प्रतिशत कर्मी नौकरी छोड़ने में दिखा रहे दिलचस्पी

कोटक महिंद्रा बैंक की होल-टाइम डायरेक्टर शांति एकंबरम के अनुसार बैंक में सीनियर लेवल पर 10 प्रतिशत और मिड लेवल पर 20 प्रतिशत लोग नौकरी छोड़ रहे हैं, जबकि जूनियर लेवल पर 50 प्रतिशत कर्मी इस्तीफा देने लगे हैं। एकंबरम ने बैंक के तिमाही नतीजों के बाद विश्लेषकों से बातचीत में कहा, बैंक एट्रिब्यूशन को नियंत्रित करने के लिए सहभागिता, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी तथा स्वचालन जैसे क्षेत्रों पर काम कर रहा है।

बैंकिंग सेक्टर में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा बैंकिंग सेक्टर में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। ऑटो के अलावा कंपनी का बिजनस टेक्नोलॉजी सर्विसेज और नॉन-बैंक लेंडिंग में भी फैला है। लेकिन महिंद्रा ग्रुप अब फॉर्मल बैंकिंग सेक्टर में भी उतरने जा रहा है। ग्रुप ने प्राइवेट सेक्टर के आरबीएल बैंक में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का फैसला किया है। ग्रुप ने बुधवार को कहा कि उसकी पहले से ही इस बैंक में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी है। यह हिस्सेदारी उसने सेकंडरी मार्केट ट्रांजैक्शंस के जरिए खरीदी थी।

डील पूरी होने के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा की इनवेस्टमेंट फंड मैपल के साथ आरबीएल बैंक में सबसे बड़ी हिस्सेदारी होगी। आरबीआई बड़ी कंपनियों के बैंक चलाने के पक्ष में नहीं रहा है। हाल में आरबीआई के एक इंटरनल वर्किंग ग्रुप ने बड़ी कंपनियों को बैंक चलाने की अनुमति देने की सलाह दी थी। लेकिन भारी विरोध के चलते आरबीआई ने इस प्रस्ताव को छोड़ दिया था। महिंद्रा ग्रुप के पास पहले से ही एक एनबीएफसी महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज है। महिंद्रा ग्रुप ने कहा कि उसने आरबीएल में 3.53 फीसदी हिस्सेदारी 417 करोड़ रुपये में खरीदी है। पिछले एक महीने में बैंक के शेयरों में 44 परसेंट तेजी आई है। 26 जून को इसकी कीमत 166 रुपये थी जो बुधवार को 242 रुपये पहुंच गई।

बैंक ने क्या कहा: ग्रुप ने कहा कि वह आरबीएल में और निवेश कर सकता है लेकिन यह कीमत, रेगुलेटरी अप्रूवल्स और जरूरी प्रॉसीजर्स पर निर्भर करेगा। हालांकि किसी भी हालत में यह हिस्सेदारी 9.9 परसेंट से ज्यादा नहीं होगी। इससे पहले मीडिया में खबर आई थी कि महिंद्रा ग्रुप आरबीएल बैंक ने 15 फीसदी से ज्यादा स्ट्रैटजिक स्टेक ले सकता है। लेकिन बैंक ने इस पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि महिंद्रा की हिस्सेदारी केवल 3.53 परसेंट है। बैंक ने साथ ही कहा है कि आरबीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक अगर कोई शेयरहोल्डर किसी बैंक में पांच परसेंट या उससे ज्यादा हिस्सेदारी खरीदता है तो उसके लिए उसे बैंकिंग रेगुलेटर से अनुमति लेनी होती है। बैंक ने कहा कि उसेअब तक ऐसी कोई एप्लिकेशन नहीं मिली है।

बीपीसीएल ने पहली तिमाही में कमाया 10,664 करोड़ रुपए का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 10,664 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है जबकि पिछले साल की समान तिमाही में उसे 6,147.94 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। बीपीसीएल ने बुधवार को शेयर बाजारों को यह सूचना दी। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट के बावजूद पेट्रोल और डीजल की खुदरा बिक्री कीमतों में कोई कटौती न होने से उसे अपना मार्जिन सुधारने में मदद मिली है।

गत वर्ष यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में उछाल आने के बाद से ही घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। हालांकि, बीती तिमाही में कच्चे तेल के दाम गिरे लेकिन पेट्रोलियम कंपनियों ने उसके अनुपात में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं घटाए। इससे उन्हें पिछले साल हुए घाटे की भरपाई करने में मदद मिली। हालांकि, कच्चे तेल के दाम घटने से बीपीसीएल की पहली तिमाही में परिचालन आय सात प्रतिशत गिरकर 1.28 लाख करोड़ रुपए पर आ गई है। इसने कच्चे तेल के शोधन पर 12.64 डॉलर प्रति बैरल कमाये जबकि पिछले साल की समान तिमाही में उसका रिफाइनिंग मार्जिन 27.51 डॉलर प्रति बैरल रहा था। कंपनी की कर-पूर्व आय जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में 41.8 प्रतिशत उछलकर 15,809.7 करोड़ रुपए हो गई। पहली तिमाही में सार्वजनिक तेल कंपनी को हुआ 10,664 करोड़ रुपए का लाभ बीते समूचे वित्त वर्ष 2022-23 में कमाये गए 2,892.34 करोड़ रुपए के कुल मुनाफे से कई गुना अधिक है। बीपीसीएल के साथ सार्वजनिक क्षेत्र की दो अन्य कंपनियों इंडियन ऑयल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने भी पिछले साल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लागत के अनुरूप संशोधन पर रोक लगाई हुई है। इससे उन्हें कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से होने वाले नफा-नुकसान दोनों स्थितियों का सामना करना पड़ा है।

पेट्रोल पर तीनों पेट्रोलियम कंपनियां अक्टूबर-दिसंबर, 2022 की तिमाही से ही मुनाफा कमा रही हैं जबकि डीजल पर उन्हें सकारात्मक मार्जिन इस साल मई में जाकर मिला। भारत अपनी कच्चे तेल जरूरतों का 85 प्रतिशत आयात से ही पूरा करता है।

भारत को 2047 तक ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र देश बनाने का लक्ष्य, वित्त मंत्री ने किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने 2047 तक ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र होने का लक्ष्य रखा है। यह बात केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिल्ली में आयोजित ग्लोबल केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स मैन्युफैक्चरिंग हब्स इन इंडिया शिखर सम्मेलन में कही। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ने आजादी के सौ वर्ष पूरे होने के मौके पर वर्ष 2047 तक ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य रखा है। यह ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र बनने जैसा है। वित्त मंत्री ने कहा, ''हमें याद रखना है कि भारत ने 2047 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने और 2070 तक शून्य कॉर्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य तबतक हासिल नहीं हो सकता, जबतक कि सभी उद्योग और सभी क्षेत्र इसमें अपना योगदान नहीं दें।''

उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा प्रतिबद्धताएं भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। भारतीय उद्योग जगत को शुद्ध शून्य उत्सर्जन और गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500 गीगावॉट की स्थापित बिजली क्षमता के लक्ष्य को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने उद्योग जगत से हाइड्रोजन मिशन पर भी ध्यान देने का आग्रह किया। सरकार ने उत्सर्जन में कटौती के लिए हरित हाइड्रोजन के विनिर्माण को प्रोत्साहन देने को 19,744 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है।

वित्त मंत्री बोलीं- रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना पर होगा विचार: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा भारत को इन उत्पादों का विनिर्माण केंद्र बनाने का है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के कड़े नियमों और श्रम की बढ़ती लागत के मद्देनजर रसायन उद्योग के वैश्विक विनिर्माता अपने उत्पादों और उत्पादन क्षमता में विविधता लाने पर विचार कर रहे हैं और भारत विनिर्माण के लिए एक वैकल्पिक गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

हम हरित वृद्धि पर ध्यान दे रहे, कार्बन गहनता को कम करने की जरूरत: वित्त मंत्री: वित्त मंत्री ने शिखर सम्मेलन के तीसरे संस्करण को संबोधित करते हुए गुरुवार को कहा कि भारत एक बड़ा घरेलू बाजार भी है। उन्होंने कहा, ''हम भारत को विनिर्माण केंद्र बनाना चाहते हैं। इसलिए हम रसायन और पेट्रोरसायन पर पीएलआई योजना लाने पर विचार करेंगे।'' सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि जिस उद्योग में व्यापक संभावनाएं हैं, उसे स्थिरता, कार्बन उत्सर्जन, सामान्य प्रदूषण और भूजल प्रदूषण को ध्यान में रखकर विनिर्माण क्षमता का निर्माण करना चाहिए। सीतारमण ने कहा, ''हम हरित वृद्धि पर ध्यान दे रहे हैं। कार्बन गहनता को कम करने की जरूरत है। ऐसे में प्रत्येक क्षेत्र को इसमें योगदान देना होगा।''

पहले पल से बेबी की सुरक्षा करने का हर माँ का प्रॉमिस पूरा करने में मदद करने के लिए जॉन्सन्स बेबी प्रतिबद्ध

भारत भर से 15000 से ज़्यादा माताएं, अपने बेबी को देती हैं 1 प्रॉमिस

मुंबई, एजेंसी। बेहद प्यार, दुलार, समर्पण और अटल वचनों के साथ किया जाने वाला खूबसूरत सफर होता है पैरेंटहूड। प्रेगनेंसी की पहली खबर से ही शुरू होता है बेबी के साथ मातापिता का गहरा रिश्ता। जन्म के पहले दिन से ही बेबी की त्वचा की सुरक्षा करने और उसे पूरी तरह से खुशहाल रखने का प्रॉमिस दिया जाता है। बेबी की त्वचा की देखभाल के उत्पाद प्रस्तुत करने वाला प्रमुख ब्रांड होने के नाते जॉन्सन्स बेबी ने अपने सबसे नए प्रॉमिस, पहले पल से कैम्पेन में हर मातापिता के सबसे महत्वपूर्ण प्रॉमिस को सम्मानित किया है।

पिछली कई पीढ़ियों से मातापिताओं के साथ जिसका गहरा रिश्ता जुड़ा हुआ है ऐसा ब्रांड होने के नाते जॉन्सन्स बेबी, बेबी की त्वचा की पहले दिन से सुरक्षा करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। बेबी की त्वचा की सुरक्षा करने में मदद के लिए जॉन्सन्स बेबी ने हर मातापिता का साथ दिया है। बेबी के लिए सबसे सुरक्षित उत्पाद बनाना जॉन्सन्स बेबी का मिशन है। अपने कई दशकों के ज्ञान और विज्ञान के साथ जॉन्सन्स बेबी ने सिर्फ और सिर्फ बेबी सेफ इंग्रीडिएंट्स चुनते हुए बेबी की कोमल त्वचा की सुरक्षा के लिए टेस्टेड फॉर्म्युलेशन्स बनाए हैं। उनके सभी उत्पाद गहन वैज्ञानिक शोध से बनाए गए और पेडिट्रिशियन्स और डर्मेटोलॉजिस्ट द्वारा जांचे गए फॉर्म्युला के साथ बनाए जाते हैं। प्रॉमिस, पहले पल से ब्रांड के इस नए मार्केटिंग कैम्पेन में सिर्फ और सिर्फ बेबी सेफ इंग्रीडिएंट्स के साथ डिज़ाइन किए गए उत्पाद इस अटल प्रतिबद्धता को दर्शाया गया है। बेबी की कोमल त्वचा की पहले दिन से सुरक्षा करने में मदद करने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को इस कैम्पेन में रेखांकित किया गया है।

इस कैम्पेन के लिए बनाई गयी एक बेहतरीन और आकर्षक एडवर्टाइज़मेंट में नए पैरेंट्स और उनके बेबी की खूबसूरत दुनिया की सैर कराई गयी है। बेबी के लिए और बेबी के आसपास सिर्फ सबसे बढ़िया चीज़े ही हो यह प्रतिबद्धता इस फिल्म का मुख्य विषय है। बेबी को सिर्फ और सिर्फ सबसे अच्छी चीज़े ही देने और बेबी की त्वचा की सुरक्षा करने के प्रॉमिस को पूरा करने के लिए मातापिता जो छोटे लेकिन जानकारीपूर्ण निर्णय लेते हैं उन्हें इस फिल्म में दिखाया गया है।

केनव्यू के बिज़नेस यूनिट हेड और वीपी मार्केटिंग मनोज गाडगी ने ब्रांड की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा, इस कैम्पेन के पहले जॉन्सन्स बेबी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों की 15,000 से ज़्यादा माताओं से संपर्क करके उनसे जाना कि वह अपने बेबी को कौनसा प्रॉमिस देती हैं। बेबी की सुरक्षा करने का प्रॉमिस देश के हर हिस्से और संस्कृति की माताओं ने अपने बेबी को दिया है। उनसे प्रेरित होकर जॉन्सन्स बेबी ने उनके इस मूल्यवान प्रॉमिस को पूरा करने में उनकी मदद करने की प्रतिबद्धता को स्वीकार किया है।

बेबी को सब कुछ सबसे बढ़िया ही देने के लिए जॉन्सन्स बेबी पिछले कई सालों से मातापिताओं को सहयोग प्रदान कर रहा है। बेबी की त्वचा को सबसे पहले स्पर्श करने वाले उत्पादों के ब्रांड के रूप में हम अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। हर मातापिता की हर नयी पीढ़ी को दिया गया हमारा प्रॉमिस निभाने के लिए सेफ्टी स्टैंडर्ड्स से भी बेहतर, सिर्फ और सिर्फ बेबी सेफ इंग्रीडिएंट्स से डिज़ाइन किए गए उत्पाद बनाने पर हम अपना ध्यान केंद्रित करते हैं। डीडीबी मुद्रा ग्रुप के एग्जीक्यूटिव क्रिएटिव डायरेक्टर गॉडविन डिमेलो ने कहा, बच्चे का जन्म हर मातापिता के मन आशा जगाता है कि वे अपनी नन्ही जान के लिए सकारात्मकता से भरी दुनिया बना सकते हैं, ऐसी दुनिया जिसमें सब कुछ सिर्फ अच्छा ही होगा। हमारे इस निरिक्षण को हमने माँ के पहले दिन के प्रॉमिस के इमोशनल हुक के ज़रिए दर्शकों तक पहुंचाया है। माँ को उसका प्रॉमिस पूरा करने में मदद करने की जॉन्सन्स बेबी की भूमिका के बारे में जानकारी देने में भी हमें इससे मदद मिली है।

बेस्ट एग्रोलाइफ पायरोक्सासल्फोन एआई और फॉर्मुलेशन बनाने वाली पहली भारतीय एग्रोकेमिकल कंपनी बनेगी

पाइरोक्सासल्फोन का बाजार 450 करोड़ से ज्यादा; बीएएल अक्टूबर में पाइरोक्सासल्फोन उत्पाद पेश करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के कृषि आदानों के शीर्ष उत्पादकों में से एक, बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड (बीएएल) ने कहा कि उसे पाइरोक्सासल्फोन 85 प्रतिशत डब्ल्यूजी के घरेलू उत्पादन के लिए पंजीकरण प्रदान किया गया है। अपनी 447वीं बैठक में, केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति ने बीएएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों में से एक, सीडलिंग्स इंडिया प्रा. लिमिटेड को धारा 9(3) एफआईएम बनाम एफआईटी के अनुसार घरेलू रूप से पाइरोक्सासल्फोन 85 प्रतिशत डब्ल्यूजी का निर्माण करने के लिए अधिकृत किया। बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड के एमडी श्री विमल कुमार, ने कहा कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति है। हमारे गौरवशाली पेटेंटेड प्रोडक्ट रॉनफेन के अलावा, हमने वित्तीय वर्ष 23 में कई 9(3) और जेनेरिक उत्पाद लॉन्च किए और वित्त वर्ष 24 के लिए भी हम इसी दिशा में काम कर रहे हैं। इस नए पंजीकरण के साथ, बीएएल भारत में पहली और एकमात्र एग्रोकेमिकल फर्म बन गई है, जो एआई और पाइरोक्सासल्फोन दोनों का उत्पादन करती है। हमारे पास पहले से ही पाइरोक्सासल्फोन टेक्निकल के निर्माण के लिए पंजीकरण है। हम इस उत्पाद को इस साल अक्टूबर में लॉन्च करेंगे क्योंकि हमारे पास दोनों उत्पाद पंजीकरण हैं। इसके लिए हमने स्पेशल प्रोसेस पेटेंट के लिए भी आवेदन किया है, जो हमें जल्द ही मिल जाएगा। हम पहले ही अन्य देशों में पंजीकरण आवेदन जमा कर चुके हैं क्योंकि हम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों के लिए इस उत्पाद का निर्माण करना चाहते हैं,।

पाइरोक्सासल्फोन गेहूं, मक्का और सोयाबीन के लिए एक पूर्व-उभरने वाला खरपतवारनाशक है जो इन फसलों के लिए खतरा पैदा करने वाले खरपतवारों को खत्म करके उत्कृष्ट फसल सुरक्षा प्रदान करते हुए पैदावार में वृद्धि सुनिश्चित करता है। यह पौधों को संश्लेषित करने से रोककर काम करता है। यह चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के खिलाफ अधिक प्रभावी है और अन्य व्यावसायिक खरपतवारनाशकों की तुलना में इसके कम अनुप्रयोगों की आवश्यकता होती है। गेहूं में प्राथमिक परेशानी खरपतवार, फालेरिस माइनर, पाइरोक्सासल्फोन 85 प्रतिशत डब्ल्यूजी द्वारा नियंत्रित किया जाता है। बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड के एमडी श्री विमल कुमार, ने कहा कि पाइरोक्सासल्फोन के लिए बाजार पहले से ही ?450 करोड़ से अधिक मूल्य का है, और आने वाले वर्षों में मांग केवल बढ़ेगी। हम इसके लॉन्च के बाद पहले वर्ष में इसके ? 150 करोड़ का मार्केट शेयर लेने के लिए आश्वस्त हैं और हम अगले वर्ष में लगातार विस्तार करना चाहते हैं। कुल मिलाकर हम अगले तीन वर्षों में 300-350 करोड़ प्रोक्सीसल्फोन के बाजार हासिल करने की योजना बना रहे हैं। पाइरोक्सासल्फोन पहले भारत द्वारा अन्य देशों से आयात किया जाता था। लेकिन अब, भारत सरकार के मेक इन इंडिया के हिस्से के रूप में यह स्थानीय रूप से उत्पादित और किसानों के लिए आसानी से उपलब्ध होगा। इससे उन्हें बहुत लाभ होगा क्योंकि उन्हें कम कीमत पर एक बेहतर उत्पाद प्राप्त होगा,। गौरतलब है कि, बीएएल को हाल ही में धारा 9 (3) एफआईएम के तहत संयोजन उत्पाद ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 10 प्रतिशत + डाइफेनोकोनाजोल 12.5 प्रतिशत + सल्फर 3 प्रतिशत एससी के स्वदेशी निर्माण के लिए पंजीकरण प्राप्त हुआ है। यह संयोजन चावल, टमाटर, अंगूर, मिर्च, गेहूं, आम और सेब में शीथ ब्लाइट, पाउडरी मिल्ड्यू, स्कैब और अल्टरनेरिया जैसे कई फसल रोगों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करता है। बीएएल इस उत्पाद को जुलाई में ट्राईकलर ब्रांड नाम से लॉन्च करने के लिए तैयार है।

तैराकी विश्व चैम्पियनशिप

श्रीहरि नटराज 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में 31वें स्थान पर रहे

फुकुओका (जापान) (एजेंसी)

भारत के अनुभवी तैराक श्रीहरि नटराज गुरुवार को यहां फीना विश्व तैराकी चैम्पियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में निराशाजनक 31वें स्थान पर रहे। नटराज (22 वर्ष) अपनी हीट में 2-04.42 सेकेंड के समय से अंतिम स्थान पर रहे जिससे वह सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सके। स्पर्धा में भाग ले रहे 39 तैराकों के बीच चार हीट (सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाइंग रेस) में से शीर्ष 16 तैराक ही सेमीफाइनल में पहुंचते हैं। नटराज इस स्पर्धा में भारत के सर्वश्रेष्ठ तैराक हैं जिसमें उन्होंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में हासिल किया जिसमें उन्होंने 2.00.84 सेकेंड का समय लिया था। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल नटराज इस हफ्ते के शुरु में पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में भी 31वें स्थान पर रहे थे। अब वह रविवार को 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में हिस्सा लेंगे।

सिराज का वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से मिला आराम, लौटे घर वापस

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से आराम के बाद घर वापस आ गए हैं। गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत और नवदीप सैनी के साथ टेस्ट में वापसी करने वाले बाकी खिलाड़ियों के साथ वापस चले गए। सिराज को तेज आक्रमण का नेतृत्व करने की उम्मीद थी जिसमें हरफनमौला हार्दिक पांड्या, जयदेव उनादकट, शार्दुल ठाकुर, मुकेश और उमरान मलिक भी शामिल थे जबकि मोहम्मद शमी को आराम दिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने कार्यभार के कारण सिराज को वेस्टइंडीज दौरे के वनडे मैचों से आराम देने का फैसला किया। भारत को अगस्त के अंत से सितंबर के मध्य तक एशिया कप खेलना है, जिसके बाद तीन मैचों की घरेलू सीरीज है। अक्टूबर में भारत में विश्व कप से पहले व्यस्त समय के दौरान सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला भी है। सिराज को कैरेबियाई दौरे के लिए टी20 टीम में शामिल नहीं किया गया था, उन्होंने ने दो टेस्ट मैचों में सात विकेट लिए जिसमें पोर्ट-ऑफ-स्पेन के सपाट कोर्ट पर पहली पारी में पांच विकेट भी शामिल थे, जिससे वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी में गिरावट आई। सिराज का आखिरी वनडे मैच घरेलू मैदान पर मार्च 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था। उन्होंने श्रृंखला पांच विकेट के साथ समाप्त की थी, जो भारत के लिए सबसे अधिक और श्रृंखला में दूसरा सबसे बड़ा विकेट था। 2022 की शुरुआत के बाद से सिराज के 43 एकदिवसीय विकेट लिए हैं जो किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक हैं।

प्रणय, लक्ष्य, सात्विक-चिराग जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

टोक्यो (एजेंसी)। भारत के एच एस प्रणय, लक्ष्य सेन और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की जोड़ी जापान ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 21 वर्ष के सेन ने जापान के केंटा सुनेयामा को 21.14, 21.16 से हराया। कोरिया ओपन जीतने वाले सात्विक साइराज और चिराग ने डेनमार्क के लास्से मोल्हेडे और जेप्पे बे को 21.17, 21.11 से मात दी। वहीं प्रणय ने हमवतन किदाम्बी श्रीकांत को 19.21, 21.9, 21.9 से हराया। महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली को नामी मत्सुयामा और चिरारू शिडा ने 21.21, 21.19 से मात दी। सेन ने 50 मिनट के भीतर जापानी प्रतिद्वंद्वी को हराया। पहला गेम जीतने के बाद उसने सुनेयामा को वापसी का मौका ही नहीं दिया। वहीं प्रणय पहला गेम हार गए थे लेकिन शानदार वापसी करके अगले दो गेम जीते। सात्विक और चिराग के लिये मुकाबला लगभग एकतरफा रहा जिन्होंने सीधे गेमों में जीत दर्ज की। इस सत्र में सात्विक और चिराग ने कोरिया ओपन सुपर 500, स्विस ओपन सुपर 300 और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 खिताब जीते हैं।

भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने नीदरलैंड से ड्रॉ खेला

बार्सीलोना (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2022-23 खिताब जीतने वाली नीदरलैंड टीम को स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौंवी वर्षगांठ पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 1-1 से ड्रॉ पर रोका। भारत को पहले मैच में स्पेन ने हराया था लेकिन भारतीय टीम ने दूसरे मैच में प्रभावी प्रदर्शन किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भारत के लिए एकमात्र गोल 12वें मिनट में किया जबकि डच टीम के लिये जैस्पर ब्रिंकमैन ने 40वें मिनट में बराबरी का गोल दागा।

भारत ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया लेकिन पहला पेनल्टी कॉर्नर डच टीम को मिला जिस पर गोल नहीं हो सका। भारत को 12वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को हरमनप्रीत ने गोल में बदला। हार्दिक सिंह से मिली गेंद को गोल के भीतर डालने में उन्होंने कोई चूक नहीं की। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत के लिए पीआर श्रीजेश की जगह उस समय खेल रहे गोलकीपर कृशन पाठक ने प्रभावी प्रदर्शन किया। डच गोलकीपर मौरिटिस विस्सेर ने भी भारतीयों को गोल नहीं करने दिए। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत में दोनों टीमों को एक एक पेनल्टी कॉर्नर मिला।

श्रीजेश ने मैदान पर लौटने के बाद डच टीम को गोल से वंचित रखा। आखिरकार ब्रिंकमैन का अनुभव डच टीम के काम आया जिन्होंने पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल किया। आखिरी क्षणों में भारत ने हरमनप्रीत की अगुवाई में जवाबी हमला किया लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

जसप्रीत बुमराह का करियर खा रहा गेंदबाज सिराज

रोहित-द्रविड़ भी नहीं कर सकते बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक समय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अहम खिलाड़ी साबित हुआ करते थे। बुमराह के बिना तेज गेंदबाजी विभाग अधूरा माना जाता था, लेकिन अब ऐसा समय है जहां टीम बगैर उनके ना सिर्फ मैच जीत रही है बल्कि तेज गेंदबाजी विभाग भी मजबूती से पेश आ रहा है। बुमराह का करियर चोट के चलते प्रभावित रहा है। उनका टीम से बाहर रहना, अन्य गेंदबाजों के लिए लकी साबित हो गया। ऐसे में एक ऐसा गेंदबाज भी है जो चुपके से बुमराह की जगह खा रहा है और वो गेंदबाज अब टीम का सीनियर खिलाड़ी भी बन चुका है।

रोहित-द्रविड़ भी नहीं कर सकते बाहर

जी हां, हम बात कर रहे हैं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की। सीराज अब भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज बन चुके हैं। बुमराह के बाहर होने के बाद ऐसा माना जा रहा था कि डेढ ओवरों में टीम नहीं संभल पाएगी, लेकिन सिराज ने उनकी कमी खलने नहीं दी। सिराज पिछले कुछ समय से टीम में सीनियर तेज गेंदबाज के रूप में उतर रहे हैं। चाहे विदेशी दौरा या घरेलू, कमान सिराज के पास है। सिराज ने दमदार प्रदर्शन कर कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ का भरोसा जीता।

इस वजह से हो रहा बुमराह का करियर खत्म

स्ट्रेस फैक्चर के कारण बुमराह लगभग एक साल से भारतीय टीम से बाहर हैं। हालांकि, ये पहली बार नहीं हुआ है जब बुमराह को अपने पीठ दर्द की वजह से टीम से बाहर होना पड़ा है। साल 2019 में भी इस समस्या के चलते बाहर होना पड़ा था। ऐसे में माना जा रहा है कि जसप्रीत बुमराह की स्ट्रेस फैक्चर की दिक्कत उनका करियर खत्म कर सकती है।

कर चुके हैं जगह पक्की

बुमराह के बाहर रहने के बाद सिराज अब टेस्ट और वनडे क्रिकेट में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। विंडीज के खिलाफ सिराज की कातिलाना गेंदबाजी देखने को मिली थी। उन्होंने दूसरे टेस्ट पहली पारी में 60 रन देकर 5 विकेट झटके। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में दूसरी बार एक पारी में 5 विकेट हॉल लेने का कारनामा किया है। सिराज 21 टेस्ट मैचों में 59 विकेट अपने नाम कर चुके हैं, जबकि 24 वनडे मैचों में 43 विकेट लेकर लय में हैं। सिराज की खासियत यह है कि वह भी रन लुटाने के मामले में फिलहाल कंजूस बने हुए हैं। वह 4.78 की इकोनोमी रेट से वनडे में रन दे रहे हैं जो दर्शाता है कि बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना कितना मुश्किल रहता है।

बुमराह आयरलैंड में खेलेगा या नहीं, प्रेस कांफ्रेंस में बोले रोहित शर्मा- मुझे नहीं पता

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारत कप्तान रोहित शर्मा ने संकेत दिया कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की मैदान पर वापसी तुरंत नहीं होने जा रही लेकिन वह विश्व कप से पहले उन्हें टीम में देखना चाहते हैं। रोहित ने बुमराह की रिकवरी के बारे में कहा कि अभी सब कुछ सकारात्मक लग रहा है। उन्होंने हालांकि कहा कि वह इसकी गारंटी नहीं दे सकते कि बुमराह आयरलैंड में सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलेगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा, 'बुमराह के पास अपार अनुभव है। वह गंभीर चोट के बाद वापसी कर रहा है और मुझे नहीं पता कि वह आयरलैंड जायेगा या नहीं क्योंकि अभी टीम का ऐलान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'वह खेल पाता है तो अच्छा है। हमें उम्मीद है कि वह विश्व कप से पहले खेले। गंभीर चोट के बाद वापसी करने पर मैच फिटनेस, मैच का अनुभव काफी अहम होता है। हम देखेंगे कि क्या योजना है क्योंकि सब कुछ उसकी रिकवरी पर निर्भर है। अभी सब सकारात्मक लग रहा है। बुमराह ने मार्च में पीठ के दर्द से निजात पाने के लिए सर्जरी कराई थी। उसके बाद से वह रिकवरी में जुटे हैं। उन्होंने भारत के लिए आखिरी मैच पिछले साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 खेला था। आयरलैंड में श्रृंखला के बाद भारत को श्रीलंका और पाकिस्तान में होने वाला एशिया कप खेलना है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू वनडे श्रृंखला खेली जाएगी। आयरलैंड श्रृंखला और एशिया कप नहीं खेलने पर बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला खेलेंगे जो विश्व कप से ठीक पहले होनी है। रोहित ने कहा, 'हमारी टीम के कई खिलाड़ी चोटिल है लेकिन हम देखेंगे कि विश्व कप में कौन खेलेगा और उन्हें पूरा मैच अभ्यास देंगे। हमें 15-20 खिलाड़ियों का पूल बनाना होगा क्योंकि कोई भी चोटिल हो सकता है।

कप्तानी को लेकर हो रही आलोचना पर पैट कमिंस का बड़ा बयान आया सामने, कहा में बेफ्रिक हूं

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस एजबेस्टन और लॉर्ड्स में दो कड़ी जीत, लीड्स में हार और मैनचेस्टर में ड्रॉ के बाद अपनी कप्तानी को लेकर हो रही आलोचना से बेफिक्र हैं। पांचवां और अंतिम टेस्ट गुरुवार से ओवल में शुरू हुआ जिसमें मेजबान टीम के पास सीरीज बराबर करने का मौका होगा। श्रृंखला में 2-1 की बढ़त के साथ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट में आगे बढ़ते हुए और एशेज को बरकरार रखते हुए 30 वर्षीय खिलाड़ी ने हर चीज से निपटने के लिए मोटी चमड़ी रखने की जरूरत पर जोर दिया।

कमिंस ने कप्तानी पर उठते सवालों पर कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैंने कुछ भी नहीं पढ़ा है। मैं इस नौकरी में दो साल से हूं और आप बहुत जल्दी सीख जाते हैं कि आपकी चमड़ी मोटी होनी चाहिए। यहां खिलाड़ियों और कर्मचारियों के बारे में हम सभी जानते हैं कि हर कोई क्या कर रहा है और हम इसके बारे में कैसे जाने वाले हैं और मेरे लिए यह किसी भी चीज से अधिक महत्वपूर्ण है। मैं हर किसी को खुश नहीं कर सकता और हर कोई राय मिलीं, लेकिन वे तथ्य नहीं हैं, वे राय हैं।

कमिंस का मानना है कि एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास होने से पहले वह कप्तान के रूप में पद छोड़ देंगे, लेकिन उनकी निकट भविष्य में ऐसा करने की कोई योजना नहीं है। चौथे टेस्ट में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को गेंद के साथ इसी तरह संघर्ष करना पड़ा, केवल एक विकेट लिया और 23 ओवरों में 129 रन दिए। इस पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इसकी एक शेल्फ लाइफ है। मैं इस पर कोई तारीख नहीं डालूंगा,

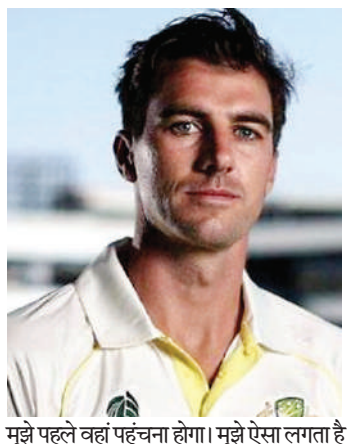

मुझे पहले वहां पहुंचना होगा। मुझे ऐसा लगता है कि हर टेस्ट मैच में मैं काफी कुछ सीखता हूं, हर खेल के साथ आप और अधिक चीजों से परिचित होते हैं। मुझे इस टीम और स्टाफ के साथ काम करना अच्छा लग रहा है। फिलहाल इसका आनंद लेते हुए हम देखेंगे कि भविष्य में क्या होगा।

कमिंस ने कप्तानी के बारे में कहा, मुझे लगता है कि हर खेल के साथ मैं बेहतर होता जा रहा हूं और मुझे लगता है कि मुझमें अभी काफी कुछ बाकी है। भले ही ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही खिताब बरकरार रखा है, लेकिन कप्तान कमिंस ने जोर देकर कहा कि उनकी टीम अभी भी इंग्लैंड में लंबे समय से प्रतीक्षित एशेज श्रृंखला जीतने के लिए बहुत उत्सुक है। उन्होंने कहा, चमुझे नहीं लगता कि यह श्रृंखला पर बहुत अधिक बदलाव हुआ है। मुझे लगता है कि एजबेस्टन फिर से एक और क्षण था जहां इसमें (पिच) गेंदबाजों के लिए बहुत कुछ नहीं था। उन्होंने पहले दिन लगभग 400 का स्कोर बनाया और मुझे नहीं लगता कि यह पिछले सप्ताह से बहुत भिन्न है।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, मुझे लगता है कि आपको कभी-कभी अपनी हिम्मत को थोड़ा नियंत्रित करना होगा, आपको भरोसा करना होगा कि निक्स पाने के लिए यह आपका सबसे अच्छा प्रतिशत है, भले ही वे कुछ कवर ड्राइव मारते हों। आपको अपने कैचर्स को अंदर रखना होगा, आपको विकेट लेने होंगे। मुझे लगता है कि हम इस श्रृंखला में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

000

शतरंज विश्व कप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे गुकेश, हम्पी

बाकू (अजरबेजान(एजेंसी)। युवा भारतीय ग्रैंड मास्टर डी. गुकेश और आर. प्रज्ञाननंदा 30 जुलाई से 24 अगस्त तक यहां होने वाले शतरंज विश्व कप में चुनौती पेश करेंगे। पुरुष और महिला खिलाड़ियों की इस प्रतियोगिता से 2024 कैंडिडेट्स टूर्नामैंट (विश्व शतरंज चैम्पियनशिप का चैलेंजर तय करने वाला टूर्नामैंट) के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। 17 साल के खिलाड़ियों गुकेश और प्रज्ञाननंदा दोनों को पहले दौर में बाई मिली है और वे सीधे दूसरे दौर में उतरेंगे। गुकेश अपने अभियान की शुरूआत चेंग बॉबी और इस्कांद्रोव मिस्त्रादिन के बीच होने वाले मैच के विजेता के खिलाफ करेंगे। गुकेश को तीसरे दौर में हमवतन एस.एल. नारायणन से भिड़ना पड़ सकता है बशर्ते वह अपने शुरूआती 2 दौर के मुकाबले जीतने में सफल रहें। प्रज्ञाननंदा दूसरे दौर में सेंटियागो डि मोरा और मैक्सिम लगार्डे के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। टूर्नामैंट में हिस्सा लेने वाले अन्य भारतीयों में अर्जुन एरिगेसी, विदित संतोष गुजराती, निहाल सरीन, बी. अधिबान, अभिमन्यु पुराणिक और हर्षा भरतकोटि शामिल हैं। महिला टूर्नामैंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई अनुभवी कोनेरू हंपी और डी. हरिका करेंगी। इन दोनों को भी पहले दौर में बाई मिली है। प्रज्ञाननंदा की बहन आर. वैशाली, मैरी आन गोम्स, पी.वी. नंधिधा और दिव्या देशमुख भी महिला टूर्नामैंट में चुनौती पेश करेंगी। विश्व कप 2023 के जरिए शीर्ष-2 की जगह शीर्ष-3 खिलाड़ियों को अगले साल अप्रैल में कनाडा के टोरंटो में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामैंट के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा।

दांव पर लगी है अंग्रेजों की इज्जत !

ऑस्ट्रेलिया को इतिहास रचने से रोकेंगे 5 खिलाड़ी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार से द ओवल में 5 मैचों की एशेज सीरीज का आखिरी मैच खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड हर हाल में जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-2 से बराबर करना चाहेगी। इंग्लैंड के पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से सीरीज जीतने से रोक सकते हैं। आइए जानते हैं कौन-कौन से वो 5 खिलाड़ी हैं, जो इंग्लैंड को जितवा सकते हैं।

मोईन अली –टेस्ट में वापसी के बाद मोईन अली से जो उम्मीद की जा रही थी वह उसके अनुकूल दिख रहे हैं। हाफ सेंचुरी के अलावा वह विकेट भी लेते दिखे। इंग्लैंड को उनसे वैसे ही ऑलराउंड परफॉर्मेंस की उम्मीद है।

मार्क वुड – रफ्तार के बादशाह मार्क वुड बल्ले से भी अच्छी फॉर्म में हैं। उनकी कैमियो पारी इंग्लैंड के लिए काफी सपोर्टिव साबित हुई थी। उम्मीद है वह दूसरे छोर से ब्रॉड के सहयोगी के रूप में कमाल का प्रदर्शन करें।

जैक क्राउले – जैक अपने साथी ब्रॉड की तरह ही बैटिंग में टॉप पर हैं। उन्होंने 7 पारियों में सबसे अधिक 385 रन बनाए हैं। मैनचेस्टर में उन्होंने वनडे के अंदाज में 189 रनों की रिकॉर्ड पारी खेली थी। अब अंग्रेजों को उनसे ऐसी ही एक पारी की दम्मीद होगी।

स्टुअर्ट ब्रॉड – कहने को 37 वर्ष के हो चुके ब्रॉड की गेंदों में अब भी वही तीखापन है। वह सीरीज में सबसे अधिक 18 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। ओवल में अगर इंग्लैंड को जीतना है तो ब्रॉड को हर हाल में अपना बेस्ट देना होगा। खासकर डेविड वॉर्नर का विकेट वह एकबार फिर लेना चाहेंगे।

बेन स्टोक्स – कप्तान बेन स्टोक्स ने लॉर्ड्स टेस्ट में गजब की बैटिंग करते हुए 177 रन ठोके थे। हालांकि, वह मैच बचा नहीं पाए थे। लीड्स में 80 रनों की पारी खेली, जो पहली पारी में बढ़त के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। मैनेचेस्टर में भी फिफ्टी लगाई थी। अब उनसे ओवल में बड़ी और विध्वंसक पारी की उम्मीद है। वह बड़े मौके के खिलाड़ी माने जाते हैं तो यह उनके लिए मुश्किल भी नहीं।

संक्षिप्त समाचार

कोयला घोटाले में पूर्व सांसद विजय दर्डा और उनके बेटे देवेंद्र दर्डा को चार साल की जेल

रायपुर, एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को छत्तीसगढ़ में कोयला ब्लॉक आवंटन में अनियमितता से जुड़े एक मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद विजय दर्डा , उनके बेटे देवेंद्र दर्डा और व्यवसायी मनोज कुमार जयसवाल को चार साल की जेल की सजा सुनाई। अदालत के आदेश के बाद तीनों दोषियों को हिरासत में ले लिया गया। समाचार एजेंसी पीटीआई भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने छत्तीसगढ़ में कोयला ब्लॉक आवंटन में कथित गड़बड़ी और भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में यह सजा सुनाई। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि विजय दर्डा, उनके बेटे देवेंद्र दर्डा और मनोज कुमार जयसवाल को चार-चार साल जेल की सजा सुनाई जाती है। अदालत ने जैसे ही यह फैसला दिया, तीनों दोषियों को हिरासत में ले लिया गया। विशेष न्यायाधीश संजय बंसल ने पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता और दो पूर्व वरिष्ठ लोक सेवकों केएस क्रोफा और केसी समरिया को भी तीन साल की सजा सुनाई। हालांकि, इन तीनों दोषियों को अदालत ने निजी मुचलके पर जमानत दे दी, ताकि वे अपनी दोषसिद्धि और सजा को उच्च न्यायालय में चुनौती दे सकें। अदालत ने मामले में दोषी ठहराई गई कंपनी जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड पर 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। उल्लेखनीय है कि कोयला घोटाले में 13वीं दोषसिद्धि में अदालत ने 13 जुलाई को सात आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश रचना) एवं 420 (जालसाजी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया था। यह कोयला घोटाला केंद्र की पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल में सामने आया एक बड़ा घोटाला था।

असम पुलिस ने 35 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं जब्त की, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी, एजेंसी। असम पुलिस ने नशीले पदार्थों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कछार जिले में 35 करोड़ रुपये की दवाएं जब्त कीं और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एक गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस ने सिलचर शहर से लगभग 13 किमी दूर बांसकांडी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर एक अभियान चलाया। पुलिस ने एक वाहन को रोका और इसमें गुप्त कक्षों में छिपाकर 1,70,000 याबा गोलियां ले जाई जा रही थीं। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान किपजेन और लालडोम्सा हमार के रूप में की गई। पुलिस के अनुसार, राजमार्ग असम को मणिपुर से जोड़ता है और प्रतिबंधित पदार्थ मणिपुर राज्य से आ रहे थे। कछार जिले के एसपी नुमल महत्ता ने आईएएनएस को बताया, हमने बुधवार शाम को ऑपरेशन चलाया और भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। सोमवार रात कछार पुलिस ने 45 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ जब्त किया और मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

श्रीनगर की गलियों में 34 साल बाद निकले ताजिये

श्रीनगर , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन और आर्टिकल 370 हटने के बाद से स्थितियां काफी बदल गई हैं। एसटी समुदाय, दलितों को अधिकारों की बात हो या फिर मुस्लिमों में ही अल्पसंख्यक शिया समुदाय के मामले हों, सभी के दिन अब बदले दिख रहे हैं। इसी कड़ी में तीन दशकों के बाद श्रीनगर में पुराने रूट से मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। बीते 34 सालों में यह पहला मौका था, जब श्रीनगर में गुरु बाजार से डलगेट के बीच ताजिया निकाले गए। इसे प्रशासन भी बदले हालात और सांप्रदायिक सौहार्द के तौर पर पेश कर रहा है। कश्मीर से बाहर के लोगों के लिए यह हैरानी वाली बात हो सकती है कि मुस्लिम बहुल श्रीनगर में ही ताजियों पर रोक कैसे हो सकती है। इसकी वजह यह है कि सुन्नी बहुल श्रीनगर और आसपास के इलाकों में शियाओं के इस आयोजन का विरोध होता रहा है। पहले ताजिया धूमधाम से निकलते ही थे, लेकिन 1989 में आतंकवाद और सांप्रदायिक उन्माद के बाद से इस पर रोक लग गई थी। लेकिन आज नजारा बदला था और कश्मीर में नई सुबह का दिन था। सुबह 6 बजे से 8 बजे के बीच श्रीनगर के ऐतिहासिक रूट से ताजिये निकाले गए। इस दौरान बेहद कड़ी सुरक्षा थी। जम्मू कश्मीर पुलिस के एडीजीपी विजय कुमार ने कहा कि रात से ही इस रूट पर बड़ी संख्या में फोर्स तैनात की गई थी। ताजियों पर 1989 में तब बैन लग गया था, जब यहां आतंकवाद ने दस्तक दी। उस दौरान हिंदू कश्मीरी पंडितों को पलायन करना पड़ा था और बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। यही नहीं वहाबी विचारधारा के प्रभाव वाले कट्टरपंथियों ने शिया मुसलमानों के ताजिया पर भी रोक लगा दी थी। इसके चलते कानून-व्यवस्था का मसला ना बन जाए। ऐसे में सरकारें भी अनुमति नहीं दिया करती थीं। हालांकि 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है और केंद्र सरकार हालात सुधारने पर जोर दे रही है। इसी के तहत प्रशासन ने इस बार ताजिया निकालने की अनुमति दी और पूरी मुस्तैदी के साथ फोर्स भी मौजूद रही। जम्मू-कश्मीर प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि हमने इस बार ताजिये निकालने की परमिशन इसलिए दी ताकि यह संदेश दिया जा सके कि इलाके में सब कुछ सही है। उन्होंने कहा कि हमने यात्रा निकालने से पहले शिया समुदाय के लोगों से बात की थी और फिर बैन को हटाने का फैसला लिया गया।

बाढ़ के बावजूद हरियाणा की भाजपा-जजपा सरकार अभी तक नहीं जागी : पूर्व सीएम हुड्डा

रोहतक , एजेंसी। कांग्रेस नेता और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने बुधवार को कहा, राज्य में बाढ़ के कारण जान-माल के भारी नुकसान के बावजूद भाजपा-जेजेपी सरकार अभी तक नहीं जागी है। पूर्व सीएम ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार ने बाढ़ प्रभावित लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। पूर्व सीएम हुड्डा ने रोहतक जिले में बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और कहा कि सरकारी उदासीनता के कारण लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने शहरों व गांवों में सीवरेज व नालों की सफाई नहीं कराई, इसी कारण जलजमाव की समस्या विकराल हो गई है। हर बारिश के बाद शहरों की सड़कों पर जलजमाव हो जाता है। पूरे हरियाणा में किसानों की लाखों एकड़ फसल बर्बाद हो गई। इसके अलावा उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के बजाय बीमा कंपनियों को लाभ पहुंचाने वाली योजना बन गई है। पूर्व सीएम ने मांग की कि पशुओं के लिए चारे की भारी कमी है। सरकार को चारे की व्यवस्था करनी चाहिए। इसके साथ ही घरों, दुकानों और व्यवसायों को हुए नुकसान की भरपाई भी तत्काल प्रभाव से की जानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बाढ़ से सबसे ज्यादा नुकसान गरीब तबके को हुआ है। गांव के खेतिहर मजदूरों को इस बार काम भी नहीं मिल सका। सरकार को मनरेगा मजदूरों को कम से कम 30 दिन की अतिरिक्त दैनिक मजदूरी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता को राहत देने के साथ-साथ बारिश के पानी की निकासी के लिए भी युद्ध स्तर पर काम करना चाहिए। हुड्डा ने अधिकारियों से फोन पर भी बात की और उन्हें हरसंभव कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग के अलर्ट के बावजूद राज्य सरकार ने समय पर कदम नहीं उठाया। हर गांव में लोगों ने कहा कि सरकार ने पिछले कई सालों से नालों की सफाई नहीं कराई है। नदियों और नहरों के तटबंधों को भी मजबूत नहीं किया गया, इस वजह से लगभग पूरे हरियाणा को बाढ़ का सामना करना पड़ा। इसके अलावा खनन माफियाओं ने नदियों का प्रवाह भी बदल दिया।

हिंडन का कहर! दस गांवों के पांच हजार घर डूबे, जिंदगीभर की कमाई भी पानी में बही

नई दिल्ली, एजेंसी।
हिंडन नदी में बाढ़ आने से दस गांवों में पांच हजार घर पानी में डूब गए। इनमें रहने वाले सात हजार से अधिक लोगों के जीवनभर की कमाई पानी के साथ बह गई। बाढ़ के कारण मजबूर होकर यहां के रहने वाले तीन हजार से अधिक लोगों ने राहत शिविरों और स्कूलों में अपने परिवारों के साथ शरण ले रखी है। बाकी लोग अपने दिल्ली, गजियाबाद और अन्य स्थानों में रिश्तेदारों के यहां चले गए। लोगों को अपने बच्चों के स्वास्थ्य और खाने पीने की चिंता सता रही है।

हिंडन का पानी छिजारसी, बहलोलपुर, हैबतपुर, चोटपुर, यूसूफपुर, सुथियाना कुलेसरा, शहदरा गांव के साथ ही कई अन्य गांवों में भर गया। यहां बिहार,पश्चिम बंगाल के साथ ही बदायूं, शहजानपुर, बहराइच समेत

प्रदेश के कई अन्य जिलों के लोग मकान बना कर रहें हैं। जो शहर में लेबर, मिस्त्री, रिक्शा चलाने, खेती, गार्ड, साफ-सफाई का काम करते हैं। अपने बीमार पति और तीन बच्चों के साथ चोटपुर कॉलोनी में बने आरएस इंटरनेशनल स्कूल के राहत शिविर में रहने वाली माजिदा ने बताया कि उनके पति मेराजुल का पिछले एक साल से हॉर्निया का इलाज चल रहा है। अभी एक हफ्ते पहले ही ऑपरेशन हुआ है, लेकिन बाढ़ के कारण तीन बच्चों के साथ घर को छोड़ने को मजबूर हो गए। शिविर में खाना तो मिल रहा, लेकिन पति की हालत को देखते हुए जल्द कहीं और जाना पड़ेगा। चोटपुर के राहत शिविर में रहने वाले वीरपाल सिंह ने बताया कि वह चोटपुर कॉलोनी में पिछले पांच साल से रहते हैं। उन्होंने बताया कि वह दस दिन पहले तीन बच्चों के लिए 12 हजार रुपये की किताब और कॉपी को खरीद कर लाए थे, लेकिन बाढ़ से घर डूब गया। इसमें किताबें और घर के जरूरी दस्तावेज के साथ ही लाखों रुपये के जेवर भी डूब गए। कई प्रकार के बीमारियों से परेशान 60 वर्षीय मिथिलेश ग्यारह पोती और पोतों के साथ चोटपुर के एक राहत शिविर में एक छोटे से कमरे में हैं। उन्होंने बताया कि उनका सौ गज का मकान हिंडन में डूब गया। वह पंद्रह साल से पूरे परिवार के साथ यहां रहती हैं। बदायूं में अपने गांव के खेत को बेच कर यहां पर मकान बनाया था। चोटपुर कॉलोनी, बहोलपुर, हाजीपुर, छिजारसी के साथ ही अन्य गांवों में घुसे गंदे पानी और कीचड़ से यहां पर डेंगू, मलेरिया, त्वचा के रोग, सांस के साथ ही कई अन्य प्रकार की संक्रामक बीमारियां फैल रही हैं। राहत शिविर में लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित लोगों में बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा बीमारियां पकड़ रही हैं। बाढ़ प्रभावित गांवों में जिन लोगों ने मवेशियों का पाल रखा था, वह मवेशियों को खुला छोड़कर निकल आए गए। इसके कारण बाढ़ में सौ से अधिक मवेशी बह गए। राहत शिविर में रहने रमेश ने बताया कि वह दूध का काम करते हैं,उनके पास चार भैंस और छह गाय थी।

डीके शिवकुमार बोले- एक साल नहीं हो पाएगा विकास; विधायकों को भी समझा देंगे

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बने अभी तीन महीने भी नहीं पूरे हुए हैं कि यहां पार्टी के अंदर से असंतोष की खबरें आने लगी हैं। विकास कार्यों को लेकर विधायकों के असंतोष के बाद उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्पष्ट कह दिया है कि इस साल विकास नहीं हो सकता। बता दें कि 11 विधायकों की तरफ से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखा गया था। इसमें मंत्रियों की कार्यशैली और विकास कार्यों को लेकर चिंता जताई गई थी। विधायकों का कहना था कि उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता से जो वादे किए हैं उनको लेकर सवाल किए जा रहे हैं लेकिन सरकार की तरफ से ग्रांट नहीं मिल पा रहा है।

विधायक दल की बैठक आज: उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि गुरुवार को विधायक दल की बैठक बुलाई गई है जिसमें विधायकों को समस्या के बारे में समझा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, इस साल हमें चुनाव से पहले दी गई पांच गारंटी वाली योजनाओं पर 40 हजार करोड़ रुपये खर्च करना है। इस साल और ज्यादा फंड नहीं दिया जा सकता। बता दें कि डीके शिवकुमार जल संसाधन और बेंगलुरु शहरी विकास मंत्री भी हैं।

उन्होंने कहा, यहां तक कि हम सिंचाई और लोक निर्माण के लिए भी फंड नहीं दे पा रहे हैं। लेकिन उम्मीदें बहुत हैं। हमने विधायकों से धैर्य रखने को कहा है। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उनको इस बारे में समझा दिया जाएगा। इसी महीने सिद्धारमैया ने 2023-24 के लिए बजट पेश किया था और पांच गारंटी स्कीमों गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्या, शक्ति और युवा निधि के लिए 35 हजार करोड़ का आवंटन किया गया। इस वजह से राज्य सरकार का राजकोषीय घाटा बढ़कर 12,522 करोड़ रुपये हो गया।

सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों ने ही पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर आरोप लगाए और कहा कि पिछली सरकार ने दीवालिया जैसी स्थिति कर दी है। खजाना खाली कर दिया। लेकिन हमें अपने वादे पूरे करने हैं।

पहले ही साल हमने अपने वादे का मान रखा है। इसलिए हर किसी को कुछ समय धैर्य रखना चाहिए।मंगलवार को डीके शिवकुमार ने विधायकों से कहा था कि फिलहाल ग्रांट मांगना बंद कर दें।

नदी में डूबने से नाबालिग की मौत

नोएडा एजेंसी। राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में हिंडन नदी लबालब भर गई है। निचले इलाकों में बाढ़ आ गई है। बुधवार को हिंडन नदी में डूबने से एक नाबालिग लड़के की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लड़के की उम्र 16 साल थी। वह नदी में नहाने के लिए गया था। पुलिस ने बताया कि यह बुधवार दोपहर की घटना है। बिसरख पुलिस स्टेशन को सूचना मिली कि तीन लड़के तिगरी इलाके में इकरा मस्जिद के पास हिंडन नदी में नहाने गए थे। उनमें से एक 16 साल का लड़का नदी में डूब गया। नाबालिग मृतक की पहचान तिगरी निवासी राजेश सिंह (16) के रूप में हुई है। नाबालिग को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है। पुलिस और जिला प्रशासन ने लोगों से उफनती नदी के किनारों से दूर रहने की अपील की है।

गाजियाबाद में विदेशी फंडिंग के सहारे धर्मांतरण, गरीबों को देते थे पैसों का लालच; मास्टरमाइंड पादरी गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद के मोदीनगर पुलिस ने विदेशी फंडिंग से धर्मांतरण कराने वाले गैंग का खुलासा करते हुए एक पादरी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी पादरी और उसकी पत्नी हापुड़ में बैथहलम गोस्पल नाम से ट्रस्ट चलाते हैं और इसकी आड़ में गरीबों को पैसों का लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन कराते थे। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी पादरी के ट्रस्ट को विदेश और देश के विभिन्न राज्यों से फंडिंग होने की पुष्टि हुई है।

एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि 23 जुलाई को मोदीनगर थानाक्षेत्र के गांव शाहजहांपुर निवासी आशीष ने अपने गांव के रोहित और उसकी मां के खिलाफ शिकायत दी थी। आशीष का आरोप है कि मां-बेटा लोगों को पैसे देकर उन पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव डालते हैं। मामले का पता लगने पर हिंदू संगठनों तथा ग्रामीणों ने हंगामा किया, जिसके बाद मोदीनगर पुलिस ने रोहित और उसकी मां के खिलाफ धर्मांतरण कराने का केस दर्ज किया था। एसीपी का कहना है कि मामले की जांच में थाना हापुड़ देहात के पीरनगर सूदना निवासी महेंद्र और उसकी पत्नी के नाम प्रकाश में

आए। दोनों हापुड़ में बैथहलम गोस्पल नाम से ट्रस्ट चलाते हैं। इसकी आड़ में वह धर्मांतरण कराते थे।

एसीपी मोदीनगर के मुताबित पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महेंद्र पादरी का किरदार निभाता था। शाहजहांपुर निवासी रोहित का जीजा महेंद्र के संपर्क में था। रोहित की पत्नी बीमार हुई तो जीजा उसे महेंद्र के पास ले गया। वहां महेन्द्र ने उसका इलाज किया था। महेन्द्र दुआ के जरिए इलाज करने का दावा करता है। इसके बाद बेटे के बीमार होने पर रोहित ने महेन्द्र को अपने घर बुलाया था। एसीपी के मुताबिक इस दौरान रोहित ने कुछ ग्रामीणों को अपने घर बुलाया और पैसों का लालच देकर धर्मांतरण का दबाव डाला। पता लगने पर गांव के आशीष ने पुलिस में शिकायत की थी। एसीपी मोदीनगर के मुताबिक महेंद्र और उसकी पत्नी धर्मांतरण कराने के मिशन में जुटी हुई थी। जांच में 25 से अधिक लोगों के धर्मांतरण की बात सामने आई है। पता चला है कि महेंद्र और उसकी पत्नी हापुड़ और आसपास के कई लोगों पर धर्मांतरण का दबाव डाल रहे थे।

उनका लक्ष्य दो महीने में 150 लोगों के धर्मांतरण कराने का था। दोनों आरोपी लोगों को जाल में फंसाने के लिए ईसाई धर्म की खूबियां गिनाते थे। इसके बाद उन्हें पैसों का लालच देकर उन पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव डालते थे।

अमेरिका में सड़कों पर भूखी-प्यासी घूम रही हैदराबाद की बेटी:सामान चोरी हुआ

शिकागो, एजेंसी।
हैदराबाद से पोस्ट ग्रेजुएशन करने अमेरिका पहुंची एक महिला शिकागो की सड़कों पर भूखी-प्यासी नजर आ रही है। महिला का नाम सैयदा लुलु मिन्हाज जैदी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला का सामान चोरी हो गया था, जिसके बाद वो डिप्रेशन में चली गई। महिला की मां सैयदा वहाज फातिमा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को चिट्ठी लिखकर बेटी को वापस लाने की अपील की है।

महिला की मां का ये लेटर सोशल मीडिया पर तब वायरल होने लगा, जब इसे भारत राष्ट्र समिति के लीडर खलीकुर रहमान ने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया। उन्होंने इस महिला के पासपोर्ट-वीजा डीटेल्स शेयर करते हुए मदद की रिक्वेस्ट की है। इसके अलावा रहमान ने महिला का एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वीडियो बनाने वाला शख्स उसे खाने का सामान और पानी देता

नजर आ रहा है।

पीड़िता की मां ने भी भारत में मौजूद अमेरिका की ऐंबैसी और शिकागो में इंडियन कॉन्सुलेट से अपनी बेटी को ढूंढने में मदद करने की अपील की है। विदेश मंत्री को लिखे पत्र में मां ने लिखा- मेरी बेटी सैयदा लुलु तेलंगाना के मौला अली की रहने वाली है। वो अगस्त 2021 में मिशिगन के डेट्रॉयट शहर की ट्राइन यूनिवर्सिटी में मास्टर्स की पढ़ाई के लिए गई थी। तब उसकी हमसे अक्सर बात होती रहती थी, लेकिन पिछले 2 महीनों से उसने हमसे कोई कॉन्टैक्ट नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा- हाल ही में मुझे हैदराबाद के ही 2 लोगों ने बताया कि मेरी बेटी डिप्रेशन में है और किसी ने उसका सारा सामान चोरी कर लिया है।

मां ने लिखा- उसके पास खाने-पीने के लिए भी कुछ नहीं बचा है। इस वजह से वो भूखी मरने पर मजबूर है। उसे शिकागो की सड़कों पर देखा गया था। मैं आप सबसे अपील करती हूं कि मेरी बेटी को ढूंढकर उसे वापस भारत लाने में मेरी मदद करें। इसके बाद महिला की मां ने बताया कि उनकी बेटी को मोहम्मद मिनहाज अख्तर नाम के शख्स की मदद से ढूंढा जा सकता है। हालांकि ये आदमी कौन है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्लीय हिंसा के मामले बढ़ने के बाद दो साल में 80 हजार भारतीयों ने नए गन लाइसेंस लिए हैं। अमेरिका में रहने वाले लगभग 40 लाख भारतीयों में पहले बंदूकें रखने का ट्रेंड नहीं था। दो साल पहले मात्र 40 हजार भारतीयों के पास ही बंदूकें थीं। अमेरिका के नेशनल फायर आर्म्स सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार, अब गन लाइसेंस वाले भारतीयों की संख्या बढ़कर एक लाख 20 हजार हो गई है। सर्वे के अनुसार 80 हजार भारतीयों ने गन लाइसेंस के लिए अप्लाय करने का मन बनाया है। अमेरिका में भारतीय समुदाय सबसे शांतिप्रिय समझा जाता है।

ब्रिटेन के जिम स्की बने इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज के नए अध्यक्ष

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के जिम स्की जलवायु परिवर्तन विज्ञान का आकलन करने वाली संयुक्त राष्ट्र संस्था इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के नए अध्यक्ष बनाए गए हैं। आईपीसीसी ने एक बयान में कहा कि स्की को थेल्मा क्रुग के मुकाबले में 69 के मुकाबले 90 वोटों से चुना गया। स्की ने आईपीसीसी चुनावों में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों को अपने संबोधन में कहा, जलवायु परिवर्तन हमारे ग्रह के अस्तित्व के लिए खतरा है। मेरी आकांक्षा एक ऐसे आईपीसीसी का नेतृत्व करने की है, जो वास्तव में प्रतिनिधि और समावेशी हो, एक आईपीसीसी जो वर्तमान में हमारे पास मौजूद अवसरों का दोहन करते हुए भविष्य की ओर देख रहा हो। एक आईपीसीसी जहां हर कोई महसूस करता है कि उसे महत्व दिया जाता है और उसकी बात सुनी जाती है। इसमें, मैं तीन प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाऊंगा - समावेशिता और विविधता में सुधार, आईपीसीसी मूल्यांकन रिपोर्ट की वैज्ञानिक अखंडता और नीति प्रासंगिकता की रक्षा करना, और जलवायु परिवर्तन पर सर्वोत्तम उपलब्ध विज्ञान का प्रभावी उपयोग करना। आईपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में मेरे कार्य सुनिश्चित करेंगे कि ये आकांक्षाएं साकार हों।

चुनाव केन्या के नैरोबी में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के मुख्यालय में हुआ, जहां आईपीसीसी अपना 59वां सत्र आयोजित कर रहा है। आईपीसीसी के अध्यक्ष के लिए चार उम्मीदवार थे। आईपीसीसी के इतिहास में ये पहला चुनाव थाा, जब महिला उम्मीदवार इस पद के लिए चुनाव लड़ रही थीं।

69 वर्षीय स्की लंदन के इंपीरियल कॉलेज में सस्टेनेबल एनर्जी के प्रोफेसर हैं। आईपीसीसी के हाल ही में पूरे हुए छठे मूल्यांकन चक्र के दौरान, स्केया जलवायु परिवर्तन के शमन का आकलन करने वाले कार्य समूह तीन के सह-अध्यक्ष थे। नए आईपीसीसी अध्यक्ष के चुनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए, क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक, तस्नीम एस्सोप ने आईएएनएस को बताया।

हड्डियों का अलग-अलग शेप सेहत पर असर डालता है

हाइट के अनुपात में धड़ लंबा तो पीठ दर्द, लंबी पिंडली की हड्डी से घुटनों में समस्या

लंदन, एजेंसी।
अगर कोई कमर दर्द या टेढ़े-मेढ़े घुटनों की समस्या से जूझ रहा है... तो इसके लिए उसके माता-पिता से मिले जीन दोषी हो सकते हैं। एक ताजा अध्ययन उन जीन का पता चला है जिनके कारण इंसान के कंधे की चौड़ाई, पैरों की लंबाई और पूरे कंकाल का शेप तय होता है। इन्हीं के कारण ही लोगों का आकार अलग-अलग होता है और यही लोगों की सेहत प्रभावित करते हैं। जर्नल साइंस में प्रकाशित टेक्सास यूनिवर्सिटी की स्टडी के मुताबिक, अगर हाइट के अनुपात में धड़ लंबा है तो पीठ दर्द की आशंका रहती है। वहीं, कूल्हे ज्यादा चौड़े हैं तो ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या से घिर सकते हैं।

इसके उलट जिनकी जांघ की हड्डियां (फीमर) लंबी हैं, उन्हें घुटने से जुड़ी समस्या, दर्द और गठिया का जोखिम बढ़ जाता है। स्टडी के मुख्य लेखक और बायोकेमिस्ट्री शोधकर्ता यूचरिस्ट कुन कहते हैं- शरीर के विभिन्न जोड़ों पर बायोमैकेनिकल तनाव के कारण बीमारी पैदा होती हैं। हमारी चाल से लेकर बैठने के तरीके तक सब कुछ कंकाल के अनुपात से प्रभावित होता है। इससे स्पष्ट है कि ये बीमारियों के लिए बड़े जोखिम फैक्टर्स हैं। शोधकर्ताओं ने 40 से 80 साल उम्र वाले 30 हजार से ज्यादा लोगों के बायोबैंक के डेटा का

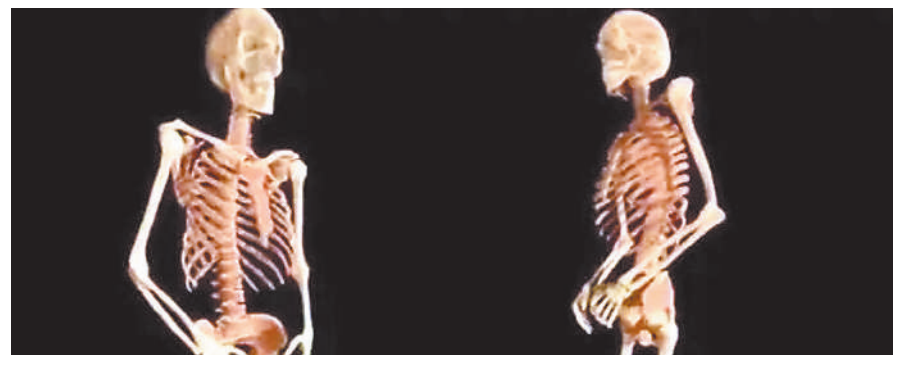

अध्ययन किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए शोध कर्ताओं ने पूरे शरीर के एक्स-रे और जेनेटिक टेस्ट के नतीजों का विश्लेषण किया। एआइ प्रोग्राम यह पता लगाने में सक्षम था कि कंकाल के अनुपात का जेनेटिक मैप बनाने के लिए कौन से जीन शरीर के हिस्सों को आकार दे रहे थे। इस प्रक्रिया से कंकाल के विकास को नियंत्रित करने वाले जीन से जुड़े 145 क्षेत्रों का पता चला। इससे पहले केवल कुछ ही ज्ञात थे। वैज्ञानिकों ने पीठ दर्द, ऑस्टियोपोरोसिस के अलावा लंबी टिबिया (पिंडली की हड्डी) से घुटनों के लिए परेशानी के अलावा घुटने के ऊंचे जोड़ के कारण ऑस्टियोआर्थराइटिस के बीच संबंध भी खोजा। स्टडी में शामिल सभी कंकालों का अनुपात 30त्न से 50त्न जेनेटिक था। स्पष्ट है कि जेनेटिक्स से तय होता है कि कि आप कैसे होंगे। साथ ही भविष्य में सेहत से जुड़ी कौनसी समस्याएं हो सकती हैं। इंटीग्रेटिव बायोलॉजी एक्सपर्ट वागीश नरसिम्हन कहते हैं- 500 साल पहले लियोनार्डो दा विंची ने एक इंसान के अनुपात के बारे में सोचा था। उसी पहेली से हम आज जूझ रहे हैं। एआइ की मदद से तैयार मैप बताता है कि हमारी अनूठी कंकाल वास्तुकला कैसे विकसित हुई। इससे यह भी पता चलता है कि किस तरह जेनेटिक बदलावों के चलते इंसान दो पैरों पर सीधा चलने में सक्षम हुआ। दो पैरों की इस मूवमेंट ने प्राइमेट्स को हर तरह के वातावरण के लिए अनुकूल बना दिया। उपकरणों का इस्तेमाल करने के लिए हाथों को मुक्त किया। इससे संज्ञानात्मक विकास तेज हुआ और 'आधुनिक इंसान' के लिए मंच तैयार हुआ।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555